फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 61 प्रभात जयपुर, शनिवार 1 अक्टूबर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The CBI Works... Hard

Since it was so described, I can question it- A parrot repeats; it does not investigate. So whom is CBI repeating? The Government?

Where Words Fail, Music Speaks

Elevating the F&B Industry Working around the diverse aspects of running a restaurant

पर्पल फेयरी रैन्स, नन्ही सी खूबसूरत ऑस्ट्रेलियन साँग बड्‌र्स पहले से ही संकटग्रस्त हैं और अब एक शोध से पता चला है कि, इन्हें बढ़ते तापमान से भारी खतरा है, खासकर इनके बच्चों को। वैज्ञानिकों का कहना है कि, ग्लोबल हीटिंग के स्पष्ट प्रभावों, जैसे जंगल में आग लगना, आवास विनाश, तेज गर्म लू आदि, के विपरीत इस प्रजाति पर ग्लोबल वॉर्मिंग का जो प्रभाव देखा गया वह ना केवल मूक है, बल्कि घातक एवं आजीवन रहने वाला ठोस प्रभाव है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के ईस्टर्न किम्बर्ली क्षेत्र और नॉर्दर्न टैरिटरी के रिवर सिस्टम के पास घने जंगल में झुण्ड में रहने वाली इस चिड़िया का वजन मात्र 13 ग्राम है। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नैशनल अकैडमी ऑफ साईन्सेज़ में छपे इस शोध में वैज्ञानिकों ने पाया कि, शुष्क मौसम में इन पक्षियों के आवासीय क्षेत्र में जब तापमान 31 डिग्री सैंटिग्रेड तक हो जाता है तब, पक्षियों के डी.एन.ए. का एक भाग, जिसे टैलोमिअर्स कहते हैं, की लम्बाई कम हो जाती है। यह मार्कर है जो बताता है कि जीव कितनी अच्छी तरह प्रजनन कर सकते हैं और कितने लम्बे समय तक जीवित रह सकते हैं। शोध कहता है कि गर्मी बढ़ने पर पक्षियों को और ज्यादा गर्मी सहनी पड़ेगी तथा उनके टैलोमिअर्स और छोटे हो जाएंगे जिससे इनके अस्तित्व का खतरा बढ़ जाएगा। वैज्ञानिकों ने किम्बर्ली के संरक्षित वन में रहने वाले पक्षियों के रक्त नमूनों की जांच से यह बात पता लगाई। मुख्य लेखक और मोनाश युनिवर्सिटी के रिसर्च फैलो, डॉ. जस्टिन ईस्टवुड ने कहा कि, टैलोमिअर्स छोटे होने से एजिंग (बूढ़े होना) की प्रक्रिया तेज हो गई और पक्षी जल्दी मर गए और उनकी संतानें भी कम हुईं। ईस्टवुड ने कहा, हमने पाया कि, अपेक्षाकृत कम गर्म माहौल में भी बच्चों के टैलोमिअर्स की लंबाई पर गैर घातक प्रभाव होने से भी आबादी घट सकती है। ऑस्ट्रेलियन वाइल्ड लाइफ कंज़रवैंसी 17 साल से मैरिअन डाउन्स सैंक्चुअरी की देखरेख कर रही है, यहाँ फेयरी रैन चिड़िया को मॉनिटर किया गया। जिसमें सामने आया कि फेयरी रैन बच्चों का वजन मात्र सात ग्राम (एक पेन्सिल जितना) है। सहायक शोध लेखक प्रोफैसर एन पीटर्स ने कहा कि, हम इन खतरों के प्रति सचेत हैं। सैद्धांतिक रुप से यह संभव है कि, नैचुरल सलैक्शन में उन रैन्स को फायदा हो जिनके टैलोमिअर्स कुछ बड़े होते हैं और जिससे गर्मी के प्रभाव का सामना किया जा सकता है।

चौबीस घंटे मिले इस्तीफा देने के लिये

नहीं तो चेतावनी दी गयी कि, जो त्यागपत्र सोनिया गांधी को देकर आये हैं, सार्वजनिक कर दिया जायेगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। अशोक गहलोत को अपनी तरफ से इस्तीफा देने के लिये कल (शनिवार) का समय दिया गया है, अन्यथा उनका जो इस्तीफा सोनिया गांधी के पास है, सार्वजनिक कर दिया जायेगा।

उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि पर्यवेक्षक दिल्ली से जयपुर के लिये सम्भवतः रविवार को रवाना हो जायेंगे। वे विधायकों से मिलेंगे तथा सी.एल.पी. की मीटिंग लेंगे, जिसमें एक लाइन का प्रस्ताव पारित करके, नये नेता का नाम घोषित करने का अधिकार सोनिया गांधी को दे दिया जायेगा। समझा जाता है कि पर्यवेक्षकों के रूप में अजय माकन तथा दिग्विजय सिंह जयपुर आयेंगे। ज्ञातव्य है कि ये दोनों ही नेता गहलोत-विरोधी माने जाते हैं।

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, गांधी परिवार अशोक गहलोत से इतना ज्यादा नाराज, तथा अंशात है कि अगर गहलोत पार्टी तोड़ने, विधायकों को गुमराह करने तथा नेतृत्व की अवज्ञा करने की कोशिश करते हैं तो गांधी परिवार राजस्थान में अपनी सरकार को कुर्बान करने तक के लिय तैयार है।

- **उच्च स्तरीय सूत्रों के अनुसार, दिल्ली से दो पर्यवेक्षक जयपुर भेजे जायेंगे।**
- **पर्यवेक्षक संभवतया अजय माकन व दिग्विजय सिंह होंगे, दोनों गहलोत के सख्त खिलाफ बताये जाते हैं।**
- **गांधी परिवार गहलोत के ''व्यवहार'' से इतना नाराज है कि, वह राजस्थान की सरकार भी दांव पर लगाने को तैयार है, अगर गहलोत ने ज़िद पकड़ी।**
- **पर दिल्ली के मीडिया में गहलोत खेमे ने खबर ''रोकने'' की कोशिश भी जारी रखी हुई है। यह खबर फैलाई गयी कि, गहलोत पायलट में समझौता हो गया है तथा पायलट प्रदेश अध्यक्ष व मंत्री पद स्वीकार करने को तैयार हो गये हैं तथा अब मंत्रिमण्डल का विस्तार भी होगा।**
- **दिल्ली से लौटने के पहले गहलोत काफी व्यस्त रहे दिल्ली में। अंबिका सोनी उनसे मिलने आयीं, जिससे गहलोत पद छोड़ने से पहले राजस्थान में उनका काम पूरा करते जायें।**
- **इसके बाद मनमोहन सिंह के घर के बाहर अपनी कारों का काफिला छोड़ कर गहलोत वासनिक से मिलने उनके घर गये।**
- **चर्चाओं के अनुसार, भूपेन्द्र सिंह हूडा, मनीष तिवाड़ी, आनंद शर्मा व पृथ्वीराज चव्हाण की मुलाकात हुई तथा आनंद शर्मा को उनके घर भेजा गया कि, वे जी-23 की ओर से उनके उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ें। गहलोत ने प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया, क्योंकि, जो, वो सार्वजनिक रूप से मीडिया के सामने कह चुके हैं, उससे मुकर नहीं सकते।**

सूत्र तो यहाँ तक कह रहे हैं कि गहलोत के आचरण व्यवहार को गांधी परिवार ने दिल पर ले लिया है तथा कहा है कि गहलोत ने उन्हे (सोनिया) को किस तरह से गुमराह किया था। समझा जाता है कि सोनिया गांधी अब गहलोत द्वारा सचिन पायलट के विषय में किये गये किसी भी दोषारोपण को गम्भीरता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चाहे प्रजातंत्रीय प्रणाली से चुनाव हुआ हो, निर्वाचित नेता को भी सदा संगठन तंत्र के आगे झुकना ही पड़ता है

इसका सबसे बड़ा उदाहरण था 1937 का सुभाष चन्द्र बोस का कांग्रेस अध्यक्ष पद पर जीतना

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। कांग्रेस में अध्यक्ष पद का चुनाव हमेशा से एक मैनेज की हुई लोकतांत्रिक प्रक्रिया रही है। इसे एक ''आदर्श'' नहीं भी माना जाए तो भी यह पार्टी में लोकतंत्र का दिखावा तो है।

यदि सच्चा लोकतंत्र जीत भी जाए तब भी सही मायने में निर्वाचित प्रत्याशी को पार्टी संस्थापन की मांगों के आगे झुकना पड़ता है जो कि ऐसे साधन अपनाकर पार्टी की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नियंत्रित करता है जो प्रायः सीधे व सहज नहीं होते। नियंत्रण की इस लम्बी परम्परा का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है 1937 में सुभाष चन्द्र बोस से जबरन इस्तीफा दिलवाना। और इसकी वजह थी महात्मा गांधी का उनके प्रति विरोध।

- **महात्मा गांधी ने सार्वजनिक रूप से चुनाव के बाद कहा था कि, सुभाष बाबू के प्रतिद्वंदी सीतारमैया की हार, उनकी (महात्मा गांधी की) हार है।**
- **उसके बाद, सुभाष बाबू अध्यक्ष के रूप में सकारात्मक कार्य बिल्कुल नहीं कर पाये, महात्मा गांधी के ग्रुप की खिलाफत के कारण। और अंत में त्यागपत्र दे दिया था।**
- **काश, अशोक गहलोत भी यह समझ लेते तो, राजस्थान में कांग्रेस के समक्ष उत्पन्न संकट इतना आगे नहीं बढ़ता।**

सुभाष चन्द्र बोस चुनाव जीत कर कांग्रेस अध्यक्ष बने थे। महात्मा गांधी ने बोस की जीत के बाद उनके प्रतिद्वंद्वी पट्टाभि सीतारमैया की हार को अपनी हार बताया था। गांधी जी के विरोध के बाद बोस कभी भी पार्टी अध्यक्ष के पद पर सही मायने में काम नहीं करवाया।

अभी जो हालत हैं, उसमें कोई संदेह नहीं कि, मल्लिकार्जुन खड़गे नए अध्यक्ष होंगे। लेकिन इस प्रक्रिया की शुरुआत का क्रेडिट इसके हकदार को मिलना चाहिए।

शशि थरूर ही हैं जिन्होंने यह शुरूआत की है कि पार्टी का कोई कभी भी पार्टी का बड़ा नेता नहीं रहा, ना ही उसके उच्चस्तर पर बड़े संपर्क है, ने चुनाव लड़ने की प्रक्रिया शुरु की है और इस तरह के चुनाव की यह जरुरत भी है ताकि पार्टी के पद के लिए प्रतिस्पर्धा का माहौल बने। थरूर की चुनाव लड़ने की घोषणा से सक्रियता आई और अन्य लोगों ने भी चुनाव लड़ने की इच्छा जताई। दिग्विजयसिंह का केस ही लीजीए। कभी मध्यप्रदेश जैसे बड़े राज्य के शक्तिशाली मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह पार्टी के इनर सर्किल के नेता हैं और पार्टी अध्यक्ष बनने के लिए आवश्यक पृष्ठ भूमि भी इनके पास है।

हालांकि गांधी परिवार ने अनकहा समर्थन मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रति दिखाया उसके बाद दिग्विजय सिंह जैसे चतुर नेता ने पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए आगे कोई कदम नहीं उठाया। स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव होता तो दिग्विजय सिंह काफी वोट खींच सकते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सूचना

आज से राष्ट्रदूत जयपुर अखबार की एक प्रति का मूल्य 2.50 रुपये कर दिया गया है। **-प्रबन्धक**

पंकज मित्तल नए सी.जे.

जोधपुर, 30 सितम्बर (कासं)। इलाहबाद के मूल निवासी पंकज मित्तल राजस्थान हाईकोर्ट के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने जम्मू, कश्मीर व लद्दाख हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पंकज मित्तल का राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में तबादला करने की सिफारिश की है।

- **सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को राजस्थान हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की सिफारिश की है।**

न्यायाधीश पंकज मित्तल ने एक जनवरी 2021 को जम्मू, कस्मीर व लद्दाख हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। मुख्य न्यायाधीश एस.एस. शिन्दे के 31 जुलाई को रिटायर्ड होने के बाद से राजस्थान हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश का पद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खड़गे का प्रस्तावक बनने की लाइन में लगे गहलोत!

जयपुर, 30 सितम्बर (का.प्र.)। राजनीति में समय कितनी जल्दी बदलता है और यह कब किसे अर्श से फर्श और किसे फर्श से अर्श तक पहुंचा दे, कह नहीं सकते।

राजस्थान में हुए राजनीतिक घटनाक्रम के बाद कांग्रेस के तमाम नेता इस बात को अच्छी तरह से समझ भी गए होंगे। गत 25 सितम्बर को ही कांग्रेस के प्रभारी महासचिव अजय माकन और राज्यसभा में पार्टी के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे आलाकमान के पर्यवेक्षक के तौर पर जयपुर आए थे। तब उन्हें एयरपोर्ट पर रिसीव करने राज्य की कांग्रेस सरकार का ना तो कोई मंत्री पहुंचा था और ना ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष। इसका कारण यह था कि 25 सितंबर तक राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे थे। गहलोत राज्य के कांग्रेसी विधायकों का बहुमत भी अपने पक्ष में बता रहे थे। साथ ही उनके समर्थक मंत्री- विधायक भी ऐसे जाहिर कर रहे थे जैसे कि आलाकमान अशोक गहलोत ही है।

समय की चाल बदली और 25 सितंबर की शाम को जब कांग्रेस विधायक दल की बैठक के समानांतर मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर एक बैठक बुलाई गई और मुख्य सचेतक महेश जोशी ने उसमें विधायकों को आमंत्रित करने की गलती की। इतना ही नहीं उस गलती के बाद विधायक और मंत्री विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी को इस्तीफा सौंपने पहुंच गए। यहां से बाजी बिल्कुल पलटी और उस पलटी हुई बाजी का असर यह हुआ कि अशोक गहलोत कहां तो कांग्रेस अध्यक्ष पद हासिल करने जा रहे थे वही उन्हें उस घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के सामने जाकर माफी मांगनी पड़ी। वहीं जिन मलिकर्जुन खड़गे को जयपुर एयरपोर्ट पर रिसीव करने राजस्थान का कोई मंत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता नहीं पहुंचा था, वही खड़गे जब शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष पद का नामांकन दाखिल कर रहे थे, तो कांग्रेस के तमाम वरिष्ठ नेता जिनमें खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शामिल हैं, प्रस्तावक बनने वालों की लाइन में खड़े थे।

- **मल्लिकार्जुन खड़गे को गत 25 सितम्बर की तारीख भी याद होगी, जब वे पर्यवेक्षक बनकर जयपुर आए थे और उन्हें एयरपोर्ट पर रिसीव करने प्रदेश अध्यक्ष सहित राजस्थान का कोई मंत्री नहीं पहुंचा था।**

प्रस्तावको के नाम देखकर स्पष्ट समझा जा सकता है कि मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के अगले अध्यक्ष होंगे। ऐसे में राजस्थान के 25 सितंबर के पूरे घटनाक्रम के वे गवाह खुद हैं, तो निश्चित है कि राजस्थान में आने वाले दिनों में कांग्रेस की राजनीति के घटनाक्रम कहीं ना कहीं इस बात से प्रेरित जरूर होंगे कि 25 सितंबर को राजस्थान में पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद मलिकार्जुन खड़गे ने क्या देखा था और क्या महसूस किया।

शरजील इमाम को जमानत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। दिल्ली की एक अदालत ने जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जे.एन.यू.) के छात्र नेता शरजील इमाम को राजद्रोह के एक केस में जमानत दे दी है। उनके विरूद्ध वर्ष 2019 में सी.ए.एन.आर.सी. विरोधी प्रदर्शनों के दौरान यहां के जामिया मुस्लिम इलाके में कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने को लेकर केस दर्ज किया गया था। वह पिछले 31 महीनों से हिरासत में थे, पानी की सजा हो जाती तो वह तीन वर्ष की आधी सजा भुगत चुके हैं। तथापित उन पर लगाए अन्य आरोपों के केस में उन्हें हिरासत में रहना

- **राजद्रोह के आरोप में 31 माह से जेल में बंद जे.एन.यू. छात्र शरजील इमाम को अंततः दिल्ली की एक अदालत ने जमानत दे दी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस की दुविधा, शहर उन्मुख पार्टी बने या ग्रामीण रूझान वाला राजनीतिक दल!

यह दुविधा कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में स्पष्ट नज़र आ रही है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। राजस्थान के स्वार्थपूर्ण ड्रामा के बाद, अब यह स्पष्ट हो रहा है कि अगले माह होने वाला कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव सौम्य-शिष्ट तिरूवन्तपुरम के लोकसभा सांसद शशि थरूर तथा पुराने एवं ज़मीन से जुड़े नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच होगा। आज इन दोनों ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल कर दिये।

जहाँ थरूर का अंग्रेजी और हिन्दी- दोनों ही भाषाओं पर शानदान अधिकार है और उनका सुस्पष्ट उच्चारण तथा वक्तृता कौशल एवं ज्ञान मध्यवर्गीय एवं शहरी मतदाताओं को प्रभावित करते हैं, वहीं खड़गे का देहाती व्यक्तित्व तथा एक दलित नेता के रूप में लम्बे समय तक पार्टी की सेवा का पार्टी के परम्परागत मतदाताओं तक व्यापक पहुँच हैं।

खड़गे, पाँच दशक से भी ज्यादा समय से पार्टी में होने के कारण, पूरे देश के कांग्रेस नेताओं से व्यक्तिगत रूप से परिचित हैं, जबकि थरूर को पार्टी में प्रवेश ऊपर से हुआ है, पार्टी नेतृत्व ने उनका चयन 2009 में केरल की राजधानी से चुनाव लड़ने के लिये किया था। वे संयुक्त राष्ट्रसंघ से जुड़े हुये थे तथा पार्टी के प्रान्तीय नेताओं तथा पार्टी कार्यकर्ताओं से उनका व्यावहारिक स्तर पर परिचय नहीं है।

हालाँकि यह बात हर तरफ जोर देकर कही जा रही है कि गांधी परिवार (सोनिया, राहुल तथा प्रियंका) खड़गे का समर्थन कर रहा है तथा उन पर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी का लेबल चस्पा किया जा रहा है, लेकिन गांधी परिवार कांग्रेस से अलग तो है नहीं, इसलिये वह स्वयं को कांग्रेस के भविष्य से अलग नहीं रख सकता। गांधी परिवार किसी ऐसे मुकाबले का मूक दर्शक तो रह नहीं सकता जिसके नतीजे पर पार्टी का भविष्य निर्भर हो।

- **थरूर, शहर उन्मुख, संभ्रांत शहरियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो हर विषय पर अपनी राय रखते हैं, पर अंत में शायद मतदान केन्द्र तक जाने की ज़हमत नहीं उठा पाते। इस वर्ग का सोच स्थायी नहीं रहता, बल्कि माहौल के हिसाब से, मुद्दे के अनुसार कांग्रेस समर्थक या विरोधी हो जाता है।**
- **दूसरी ओर खड़गे ग्रामीण जनता के बीच से उभरे, ''ग्रास रूट'' राजनीतिज्ञ हैं तथा पचास साल के राजनीतिक जीवन में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। थरूर दस पन्द्रह साल पहले ही कांग्रेस से जुड़े हैं तथा इसके पहले यू.एन. में सरकारी राजनयिक के रूप में कार्यरत थे।**

कांग्रेस की परेशानी यह है कि वह एक चौराहे पर खड़ी है तथा उसे यह निर्णय करना ही है कि उसे शहरों तथा उभरते हुये शहरी केन्द्रों की तरफ उन्मुख होना चाहिये, जहाँ के मतदाता भूड़ी होते हैं तथ निरपवाद रूप से मतदान के दिन घर से बाहन नहीं निकलते, भले ही ये सार्वजनिक धारणा निर्मित कने का काम करते हों, या फिर पार्टी को देहाती इलाकों को पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिये, जहाँ मतदाता जाति तथा धार्मिक आधारों पर बँटे हुये हैं।

थरूर कांग्रेस की अन्तरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिले थे तथा उनसे कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ने के अपने मानस के बारे में कहा था, जिसके जवाब में सोनिया ने कहा था, ''आपका स्वागत है।''

उल्लेखनीय बात यह है कि कांग्रेस में यह चुनाव 20 वर्ष के अन्तराल के बाद हो रहा है। बीस साल से अधिक समय में हो रहा कांग्रेस अध्यक्ष पद का यह चुनाव ऐसा पहला चुनाव है जिसमें गांधी परिवार का कोई प्रत्याशी नहीं है। गांधी परिवार ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है, ताकि वरिष्ठ नेताओं को पार्टी का नेतृत्व करने का अवसर मिल सके।

अगर कोई प्रत्याशी अपना नाम वापस नहीं लेता है तो यह चुनाव 18 अक्टूबर को होगा।

सूत्रों ने कहा, कि कांग्रेस के ''एक व्यक्ति एक पद'' के नियम के चलते, इस बात की सम्भावना है कि खड़गे राज्यसभा के विपक्ष के नेता पद से इस्तीफा देंगे।

खड़गे के प्रस्तावकों में जो कई बड़े नाम शामिल हैं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-पूर्व मुख्यमंत्री भूपिन्दर सिंह हूडा,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आर.सी.ए. चुनाव पर 11 तक रोक

जयपुर, 30 सितंबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आर.सी.ए. चुनाव पर लगी अंतरिम रोक 11 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में आर.सी.ए. को जवाब के लिए समय देते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी रामलुभाया, प्रमुख खेल सचिव और सहकारिता रजिस्ट्रार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की सिंगल बैंच ने यह आदेश दौसा जिला क्रिकेट संघ व अन्य जिला संघों की याचिका पर दिए।

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने आर.सी.ए. चुनावों पर लगी अंतरिम रोक को 11 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है और मुख्य चुनाव अधिकारी तथा अन्य से जवाब मांगा है।**

दूसरी ओर आर.सी.ए. ने सिंगल बैंच की ओर से 29 सितंबर को चुनाव पर लगाई रोक के खिलाफ डिवीज़न बैंच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दानी कभी दुःख नहीं पाता, उसे कभी पाप नहीं घेरता। –ऋग्वेद

जीवन मे आमूल-चूल परिवर्तन ला रहा है डिजिटल इंडिया

देश में नोटबंदी के बाद डिजिटल पेमेंट में जबरदस्त इजाफा देखने को मिला। लोग कैश के बजाए डिजिटल मोड में बढ़चढ़ कर पेमेंट करने लगे है। यूपीआई पेमेंट को बढ़ावा मिलने लगा है। विशेषकर नोटबंदी के बाद भारत में लोगों पर डिजिटल पेमेंट का ऐसा क्रेज चढ़ा दी देश डिजिटल पेमेंट करने वाले देशों की लिस्ट में टॉप पर शामिल हो गया। देश में यूपीआई ट्रांजैक्शन करने वालों का आंकड़ा दिन-ब-दिन तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। आज डिजिटल ट्रांजेक्शन के कई मोड उपलब्ध हैं और इसका इस्तेमाल करने वाले लोगों की तादात में जबरदस्त इजाफा हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में यूपीआई के जरिए लेनदेन में एक नई उपलब्धी हासिल हो गई है। कोरोना महामारी से डिजीटल लेन देन में तेजी से उछाल हो रहा है। यूपीआई के जरिए अगस्त में 10.72 लाख करोड़ रुपये के साथ 6.57 बिलियन (657 करोड़) लेनदेन रिकॉर्ड दर्ज किए जो 2016 से अभी तक में सबसे अधिक है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है कि यूपीआई लेनदेन का वित्त वर्ष 22 में 1 ट्रिलियन को पार कर गया। यूपीआई के बढ़ते इस्तेमाल के चलते लोगों को कैश साथ लेकर चलने की जरूरत नहीं पड़ती है। क्योंकि ज्यादातर दुकानदार भी ऑनलाइन पेमेंट को स्वीकार करते हैं।

देश में डिजिटल भुगतान का चलन तेजी से बढ़ रहा है। 2016 में नोटबंदी हुई तो बड़े पैमाने पर लोगों ने डिजिटल पेमेंट का विकल्प चुना। कोविड-19 महामारी की वजह से इस कार्य में और तेजी आई है। अनुमान लगाया जा रहा है कि भारत में साल 2025 तक डिजिटल पेमेंट्स की आदत में 71.7 फीसदी तक का इजाफा हो जाएगा। वहीं कैश और चेक से पेमेंट बस 28.3 फीसदी ही रह जाएगा। इस हिसाब से देखा जाये तो डिजिटल भुगतान 10 गुना अधिक बढ़ गया है। इतनी तेज गति से बढ़ना काफी आश्चर्यजनक है। वित्तीय लेन देन में आसानी डिजिटल पेमेंट सिस्टम के लिए सबसे अच्छी बात है। आपको कैश ढोने, प्लास्टिक कार्ड, बैंक या एटीएम की लाइन में लगने की जरूरत नहीं है। खासतौर पर जब आप सफर में हों तो खर्च करने का यह सेफ और इजी विकल्प है।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार डिजिटल इंडिया यानि समय, श्रम और धन की बचत। डिजिटल इंडिया यानि तेज़ी से लाभ, पूरा लाभ। डिजिटल इंडिया यानि मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिम गवर्नेंस. डिजिटल इंडिया यानि सबको अवसर, सबको सुविधा, सबकी भागीदारी। डिजिटल इंडिया यानि सरकारी तंत्र तक सबकी पहुंच, डिजिटल इंडिया यानि पारदर्शी, भेदभाव रहित व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर चोट करना है।

भारत डिजिटल पथ पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। ड्राइविंग लाइसेंस, बर्थ सर्टिफिकेट पानी बिजली के बिल, इनकम टैक्स रिटर्न आदि अनेक कामों के लिए अब प्रक्रियाएं डिजिटल इंडिया की मदद से बहुत आसान, बहुत तेज हुई है।

आर्थिक क्षेत्र में डिजिटल लेन देन को बढ़ावा दिया जा रहा है। रिजर्व बैंक आफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास ने डिजिटल लेन देन को बढ़ावा देने के लिए तीन नये डिजिटल भुगतान की पहल की है। मुंबई में 20 सितम्बर को आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट-2022 में आरबीआई गवर्नर ने यूपीआई पर रूपे क्रेडिट कार्ड, यूपी आईलाइट और भारत बिल पे क्रास बार्डर बिल पेमेन्ट सोल्यूशंस सेवा को लांच किया है। इन सेवाओं के शुरू होने के बाद 30 करोड़ और नए लोग डिजिटल पेमेन्ट के इस सिस्टम से जुड़ सकेंगे।

ऑनलाइन इनवॉइस पेमेंट से कंपनियों को समय बचाने में मदद मिलती है। वे तेज होते हैं और ठााहकों के लिए अधिकतम प्रयास बचाते हैं। यह भौतिक लेन देन में शामिल अत्यधिक लागत को कम करने में भी मदद करता है। यह कागज के महत्वपूर्ण मात्रा को कम करने में भी मदद करता है जो मुद्रित किया जाएगा और इनवॉइस भेजने के लिए उपयोग किया जाएगा।

भारत में डिजिटलाइजेशन एक नवाचार है। ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा जैसी योजना में श्रमिकों को अब सीधे बैंक खाते में भुगतान मिलता है। इससे पहले लेन-देन में हेराफेरी और भ्रष्टाचार की गुंजाइश ज्यादा रहती थी। छात्रवृत्ति में भी अब किसी प्रकार का घोटाला नहीं किया जा सकता।

किसानों को खतौनी लेनी हो अथवा अन्य दस्तावेज, एब कुछ आसानी से मिल जाता है इसके लिए रजिस्टर नहीं खोजने पड़ते। जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन ला रहा है डिजिटल इंडिया डिजिटल इंडिया भारत सरकार द्वारा आरंभ की गई एक ऐसी अनूठी पहल है जिसका उद्देश्य सभी छोटे और बड़े सरकारी विभागों को डिजिटल रूप देकर उनकी गति को तीव्र से तीव्रतम कर देना है। इससे लाभ यह होगा कि बिना कागज के प्रयोग के सभी सरकारी सेवाएं इलेक्ट्रॉनिक रूप से जनता तक निर्वाध रूप से पहुंच सकेंगी व अविलंब कार्य को पूरा किया जा सकेगा। भारत के हर नागरिक को डिजिटल दुनिया से जोड़ने के लिए सरकार ने यह बेहद महत्वपूर्ण और सही कदम उठाया है जो आने वाले भविष्य में मील का पत्थर सिद्ध होगा। इससे देश की अर्थव्यवस्था में अत्यंत सुधार तो होगा ही साथ में देश में नई टेक्नोलॉजी का भी विकास होगा।

डिजिटल इंडिया योजना का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य यह कि ठाामीण इलाकों को हाई स्पीड इंटरनेट के माध्यम से जोड़ना भी है। देखा जाए तो डिजिटल इंडिया के तीन कोर घटक हैं : पहला, डिजिटल आधारभूत ढांचे का निर्माण करना दूसरा, इलेक्ट्रॉनिक रूप से सेवाओं को जनता तक पहुंचाना और तीसरा, डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना।

मोबाइल और वैकल्पिक भुगतान भारतीय युवाओं में लोकप्रिय बने हुए हैं। ई-कामर्स के कारण उम्मीद की जाती है कि 2022 तक ऐसे लेन-देन की संख्या पीओएस ट्रांसैक्शन से बढ़ जाएगी। ऐसा अनुमान है की अगले कुछ सालों में डिजिटल पेमेंट व्यवसाय में आशातीत वृद्धि होगी। मौजूदा दौर में भारतीय खुदरा बाजार क्रान्तिकारी बदलाव से गुजर रहा है। उपभोक्ता भिन्न चैनल्स (स्त्रोतो) से डिजिटल खरीदारी कर रहे हैं।

ई-कॉमर्स या इ-व्यवसाय इंटरनेट के माध्यम से व्यापार का संचालन है। न केवल खरीदना और बेचना, बल्कि ग्राहकों के लिये सेवाएं और व्यापार के भागीदारों के साथ सहयोग भी इसमें शामिल है। ई-पेमेंट को हम इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट के नाम से भी जानते हैं ई-पेमेंट या इलेक्ट्रॉनिक ई-पेमेंट किसी भी डिजिटल फाइनेंसियल पेमेंट लेनदेन है जिसमें दो या दो से अधिक पार्टियों के बीच मनी ट्रान्सफर शामिल है।

इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट इंटरनेट आधारित प्रक्रियाएं हैं। जो ग्राहक या उपयोगकर्ता को उनकी खरीदारी आदि के लिए ऑनलाइन पेमेंट करने में मदद करती है। इंटरनेट पर पैसे ट्रांसफर करने के लिए। इनमें मुख्य है इलेक्ट्रॉनिक कैश, स्मार्ट कार्ड और डेबिट क्रेडिट, गूगल पे, फोन पे आदि। जब हम इलेक्ट्रॉनिक मीडियम का यूज करके पेमेंट करते हैं तो वह इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट कहलाता है जैसे-जैसे ई-कॉमर्स का यूज बढ़ता जा रहा है वैसे वैसे इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट का भी यूज बढ़ता जा रहा है। ऑनलाइन इनवॉइस पेमेंट से कंपनियों को समय बचाने में मदद मिलती है। वे तेज होते हैं और ग्राहकों के लिए अधिकतम प्रयास बचाते हैं। यह भौतिक लेन देन में शामिल अत्यधिक लागत को कम करने में भी मदद करता है। यह कागज के महत्वपूर्ण मात्रा को कम करने में भी मदद करता है जो मुद्रित किया जाएगा और इनवॉइस भेजने के लिए उपयोग किया जाएगा।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 1 अक्टूम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आश्विनी मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, ज्येष्ठा नक्षत्र रात्रि 3:11 तक, आयुष्मान योग सांय 7:58 तक, कौलव करण प्रातः 9:41 तक, चन्द्रमा रात्रि 3:11 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कन्या, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग रात्रि 3:11 तक है। आज शुक्र अस्त पूर्व में रात्रि 8:50 से होगा। आज छठ पूजन और मेला शिला माता आमेर में है। आज तप षष्ठि है और जैन औली आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:51 से 9:70 तक, चर 12:16 से 1:45 तक, लाभ-अमृत 1:45 से 4:42 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:23, सूर्यास्त 6:10

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ने का भय बना रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह
घर-परिवार में आपसी मतभेद बढ़ने का भय बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। शुभ-मांगलिक कार्य कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

सच्चाई व सादगी की प्रतिमूर्ति कर्तव्यनिष्ठ गांधीवादी नायक शास्त्री जी के जीवन के संस्मरण

नाटे कद और हमेशा मुस्कराता हुआ चेहरा रखने वाले शास्त्री जी जवाहर लाल के उत्तराधिकारी बन कर देश के दूसरे प्रधानमंत्री बने। वास्तव में शास्त्री जी जहाँ एक तरफ आजादी के लिये अपना सर्वस्व कुर्बान करने का संकल्प रखते थे वहीं दूसरी तरफ वो मितभाषी और आत्म सम्मान के धनी थे। मात्र 17 साल की उम्र में वे जेल गये थे। उन्होंने नो साल जेल के अंदर बिताये। उन्होंने अपने जीवन में कभी भी कायदे-कानून की अवेहलना नहीं होने दी थी, वो तो सही मायनो के अंदर बापू जी के आदर्शो को मानने वाले उनके सच्चे अनुयायी थे। उनमे ना किसी भी पद और सम्मान का लालच था और ना ही पद का अभिमान था। 1965 की भारत पाकिस्तान की लड़ाई के समय पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा को पार करके पाकिस्तान की धरती में घुस कर आक्रमण कर लाहोर के नजदीक पहुच जाने का साहसिक फैसला लेने वाले शास्त्री जी ही थे, उनके इस निर्णय की प्रसंसा तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल चौधरी और वायुसेना के मुखिया एयर मार्शल अर्जुन ने भी की थी। 2 अक्तूबर 2022 को जननायक शास्त्रीजी के 118वें जन्म दिन पर 134 करोड़ भारतियों का उनके श्री चरणों में कोटि-कोटि नमन और श्रद्धा सुमन।

डा.जे.के.गर्ग

आत्म सम्मान के धनी:-आजादी के दिवाने शास्त्री जी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जेल में थे तब की घटना। आत्म सम्मान के धनी आजादी के दिवाने शास्त्री जी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जेल में थे तब घर पर उनकी पुत्री गम्भीर रूप बीमार थी, उनके साथियों ने उन्हें जेल से बाहर आकर पुत्री को देखने और उसकी देखभाल करने लिये आग्रह किया, शास्त्री की पैरोल भी स्वीकृत हो गई, परन्तु शास्त्री जी ने पैरोल पर छूटकर जेल से बाहर आना अपने आत्म सम्मान के विरुद्ध समझा! क्योंकि वे यह लिखकर देने को तैयार नहीं थे कि बाहर निकलकर वे स्वतन्त्रता आन्दोलन में कोई काम नहीं करेंगे। अंत में मजिस्ट्रेट को शास्त्रीजी को पन्द्रह दिनों के लिए बिना शर्त छोड़ना पड़ा। वे घर पहुँचे, लेकिन उसी दिन बालिका के प्राण-पखेरू उड़ गए। शास्त्री जी ने कहा, जिस काम के लिए मैं आया था, वह पूरा हो गया है। अब मुझे जेल वापस जाना चाहिये। और उसी दिन वो जेल वापस चले गये।

कभी भी कायदे कानून की अवहेलना नहीं होने दी:- जब शास्त्रीजी उत्तर प्रदेश में गृह मंत्री थे, तब एक दिन शास्त्री जी की मौसी के लड़के को एक प्रतियोगिता परीक्षा में बैठना पड़ा। उसे कानपुर से लखनऊ जाना था। गाड़ी छूटने वाली थी, इसलिए वह टिकट नहीं ले सका। लखनऊ में वह बिना टिकट पकड़ा गया। उसने शास्त्री जी का नाम बताया। शास्त्री जी के पास फ़ोन आया। शास्त्री जी का यही उत्तर था, हाँ है तो मेरा रिश्तेदार! किन्तु आप नियम का पालन करें। यह सब जानने के बाद मौसी नाराज़ हो गई। एक बार उनका सगा भांजा.. की परीक्षा में सफल हो गया, परन्तु उसका नाम सूची में इतना नीचे था कि चालू वर्ष में नियुक्ति का नंबर नहीं आ सकता था, बहन ने अपने भाई से उसकी नियुक्ति इसी वर्ष दिलाने को कहा, अगर शास्त्री जी जरा सा इशारा कर देते तो उसे इसी वर्ष नियुक्ति मिल सकती थी। परन्तु शास्त्रीजी का सीधा उत्तर था– 'सरकार को जब आवश्यकता होगी, नियुक्ति स्वत: ही हो जाएगी।' नि:संदेह शास्त्रीजी ईमानदारी की साक्षात् मूर्ती थे। नियमों के पालन में उन्होंने कभी भी अपने नाते-रिश्तेदारों का भी पक्ष नहीं लिया, जबकि कई मर्तबा उनके अधीनस्थ अधिकारी, उनके रिश्तेदार की नियम विरुद्ध भी सहायता करने को तैयार थे।

नैतिकता के आधार पर छोड़ दिया था मंत्री पद:- 1956 में तमिलनाडू के अरियालपुर में हुई रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेवारी लेते हुए शास्त्रीजी ने रेलवे मंत्री का पद छोड़ दिया था। क्या हम वर्तमान समय मंत्रियों से ऐसे आचरण की अपेक्षा रख सकते हैं ? कदापि नहीं।

सहनशीलता में भी उनकी महानता परिलक्षित होती थी:- 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय सुरक्षा कारणों से हवाई हमले की घंटी बज सकती थी। उन दिनों सुरक्षा के लिये प्रधान मंत्री भवन मे भी खाई बनाई गई थी। सुरक्षा कर्मियों ने प्रधान मंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री से अनुरोध किया– 'आज हमले की आशंका अधिक है, आप घंटी बजते ही तुरंत खाई में चले जायें।' किंतु दैवयोग से हमला नहीं हुआ। अगले दिन सुबह देखा गया कि बिना बमबारी के खाई गिरकर पट गई है। खाई बनाने वालों तथा उसे पास करने वालों की यह अक्षम्य लापरवाही थी। यदि वे उस रात खाई के अंदर होते तो क्या होता, सुनकर रौंगटे खडे हो जाते हैं। देश के प्रधानमंत्री का जीवन कितना मूल्यवान होता है? वह भी युद्धकाल में? अन्य व्यवस्था अधिकारियों ने भले ही इस प्रसंग पर कोई कार्यवाही की हो, किन्तु शास्त्री जी ने संबंधित व्यक्तियों के प्रति कोई कठोरता नहीं बरती अपितु बालकों की भाँति क्षमा कर दिया। ना क्रोध और ना ही शिकायत। साधारणतया लोग घर में तो वजह-बेवजह अपने अधिकार एवं डांट-फटकार से काम करवाते हैं किन्तु घर के बाहर सज्जनता तथा उदारता के प्रतीक बने रहने का स्वागं करते हैं, किन्तु शास्त्रीजी इसके अपवाद थे।

ना कोई लालच और ना ही पद का अभिमान:- घटना 1965 की है, एक दिन प्रधानमंत्री शास्त्रीजी एक कपडे की मिल देखने मिल के मालिक, मिल के उच्च अधिकारियों तथा कई विशिष्ट लोगों के साथ मिल को देखने गये थे। मिल देखने के बाद शास्त्रीजी मिल के गोदाम में पहुंचे तो उन्होंने मालिक को कुछ साडियां दिखलाने को कहा। मिल मालिक ने एक से एक खूबसूरत साड़ियां उनके सामने फैला दीं। शास्त्रीजी ने साड़ियां देखकर कहा– 'साड़ियां तो बहुत अच्छी हैं, पर इनकी कीमत क्या है?' मिल मालिक बोला– 'जी, यह साडी 800 रुपए की है और यह वाली साडी 1000/- की है।' शास्त्रीजी बोले– 'यह तो मेरे बजट से बहुत ज्यादा है, सस्ती साड़ियां बताओं।' दूसरी साडियां दिखलाते हुये मिल मालिक बोले– 'देखिये यह साडी 500 रुपए की है और यह 400 रुपए की।' अरे भाई, यह भी बहुत महंगी है। मुझ जैसे गरीब के लिए कम मूल्य की साडियां दिखलाइए, जिन्हें मैं खरीद सकूं। मिल मालिक कहने लगा, 'वाह सरकार, आप तो हमारे प्रधानमंत्री हैं, आप गरीब कैसे हो सकते हैं? आप से कीमत कौन मांग रहा है, हम तो ये साड़ियां आपको भेंट कर रहे हैं।' 'नहीं भाई, मैं साड़ियाँ भेंट में नहीं लूंगा।' 'क्यों साहब? हमें यह अधिकार है कि हम अपने प्रधानमंत्री को भेंट दें।' 'हां, मैं प्रधानमंत्री हूं, शास्त्रीजी ने बड़ी शांति से जवाब दिया– 'पर इसका अर्थ यह तो नहीं कि जो चीजें मैं खरीद नहीं सकता, वह भेंट में लेकर अपनी पत्नी को पहनाऊं। भाई, मैं प्रधानमंत्री हूं पर हूं तो गरीब ही।' देश के प्रधानमंत्री ने कम मूल्य की साड़ियां ही दाम देकर अपने परिवार के लिए खरीदीं। ऐसे महान थे हमारे शास्त्रीजी, जिन्हें कोई लालच था और ना ही पद का अभिमान, उन्होंने जीवन पर्यन्त अपने पद का कोई फायदा नहीं उठाया।

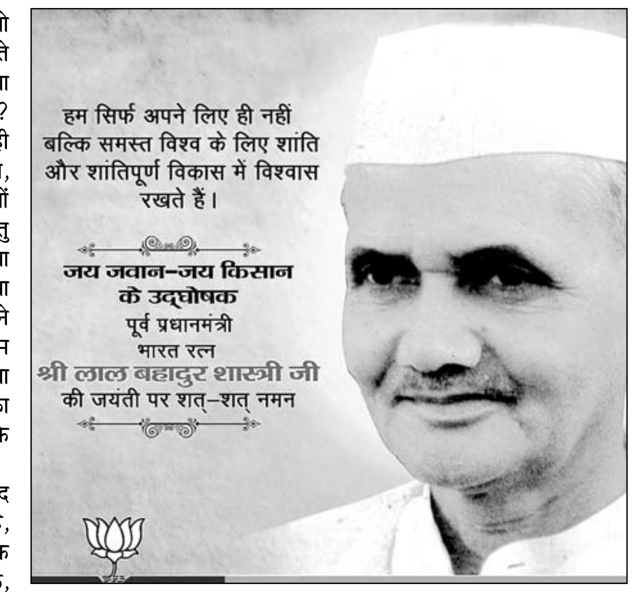

नहीं करते थे सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल:- लाल बहादुर शास्त्री के बेटे सुनील शास्त्री ने अपनी किताब 'लाल बहादुर शास्त्री, मेरे बाबूजी', में देश के पूर्व प्रधानमंत्री के जीवन से जुडे कई आत्मीय प्रसंग साझा किए हैं। उन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि उनके पिता सरकारी खर्चे पर मिली कार का प्रयोग नहीं करते थे। एक बार उन्होंने अपने पिता की कार चला ली तो उन्होंने किलोमीटर का हिसाब कर पैसा सरकारी खाते में जमा करवाया था।

हैदराबाद के पूर्व निजाम मीर उस्मान अली ने 1965 में ने युद्ध के फंड के प्रति पांच टन यानि 5000 किलो सोना दान में दिया दिया। आज के बाजार मूल्य के रूप में निजाम का योगदान करीब तीन अरब रुपये का बनता है, यह भारत में किसी भी व्यक्ति या संगठन द्वारा अब तक का सबसे बड़ा योगदान है। इस सोने को लेने के लिये लाल बहादुर खुद हैदराबाद गये और और मीर उस्मान अली को धन्यवाद दिया को।

घर से हटवा दिया था सरकारी कूलर:- शास्त्रीजी मन और कर्म से पूरे गांधीवादी थे। एक बार उनके घर पर सरकारी विभाग की तरफ से कूलर लगाया गया।

जब देश के पूर्व प्रधानमंत्री को इस बारे में पता चला तो उन्होंने परिवार से कहा, इलाहाबाद के पुश्तैनी घर में कूलर नहीं है। कभी धूप में निकलना पड सकता है। ऐसे आदतें बिगड़ जाएंगी। उन्होंने तुरंत सरकारी विभाग को फोन कर कूलर हटवा दिया।

फटे कुर्ते से बनवाते थे रुमाल:- शास्त्रीजी बहुत कम साधनों में अपना जीवन जीते थे। वह अपनी पत्नी को फटे हुए कुर्ते दे दिया करते थे। उन्हीं पुराने कुर्तों से रुमाल बनाकर उनकी पत्नी उन्हें प्रयोग के लिए देती थीं।

अकाल के दिनों में रखा था एक दिन का व्रत:- अकाल के दिनों में जब देश में भुखमरी की विपत्ति आई तो खुद शास्त्री जी ने नियमित व्रत रखा और परिवार को भी यही आदेश दिया कि वे सब एक दिन का उपवास रखें और तब शास्त्री जी ने कहा कि देश का हर नागरिक एक दिन का व्रत करे तो भुखमरी की समस्या का सामना किया जा सकता है।

शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री कहते हैं, 'बाबूजी देश में शिक्षा सुधारों को लेकर बहुत चिंतित रहते थे। अक्सर हम भाई-बहनों से कहते थे कि देश में रोजगार के अवसर बढ़े इसके लिए बेहतर मूल्य परक शिक्षा की जरूरत है।'

शास्त्रीजी की टेबल पर रहती थी हरी दूब:- सुनील शास्त्री ने बताया, बाबूजी की टेबल पर हमेशा हरी घास रहती थी। एक बार उन्होंने बताया था कि सुंदर फूल लोगों को आकर्षित करते हैं लेकिन कुछ दिन में मुरझा कर गिर जाते हैं। घास वह आधार है जो हमेशा रहती है। मैं लोगों के जीवन में घास की तरह ही एक आधार और खुशी की वजह बनकर रहना चाहता हूं।

क्या ही अच्छा होता अगर आज भी देश को शास्त्री जी जैसा जननायक मिलता ।।

जन नायक लाल बहादुर जी के जन्म दिन पर हम सभी देश वासी उनकी कर्तव्य निष्ठा सत्यता निर्भीकता ईमानदारी देश प्रेम सादगी और सरलता से प्रेरणा लें और जननायक शास्त्री जी के जीवन के अद्भुत मर्मस्पर्शी प्रेरणादायक घटनायें हमारे जीवन को आलोकित कर के हमें सही अर्थों में राष्ट्र भक्त बनाये।

–डा.जे.के.गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

आस्था

अजमेर। माँ का सरल सादा जीवन। अपने ठाकुरजी की सेवा। पूजा पाठ, पास के मंदिर में मंगला आरती और संध्या आरती। व्रत उपवास। अपनी आस्था के अनुरूप 'धरम-पुन्न।' पास पड़ोस में रहने वाली अपनी हम उम्र महिलाओं से सत्संग। पिताजी की पुण्य तिथि पर मंदिर के पंडित को घर बुला कर जिमाना। सारा खाना खुद बनाती। मुझे गऊग्रास, कुत्ते की रोटी, नंगे पांव जा कर देना होता। अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के पास ही घर था। साथ काम करने वाले डॉक्टर-छात्र मुझे, गाय, कुत्ते को नंगे पाव रोटी खिलाते देख चौंकते थे। क्या सचमुच मुझे जानवरों के प्रति इतनी श्रद्धा है। बाद मे मेडिकल कॉलेज में मुझे कुत्ते पर एक्सपेरीमेंट करते देख उन्हे लगता, अजीब ढकोसला है।

मुझे नहा-धोकर हाथ जोड़ कर पंडितजी को जिमाना है। उनकी जूंठी थाली खुद उठानी है। पांव छू कर उन्हे दक्षिणा देनी है। माँ की मान्यता है सब इसी प्रकार होने से ही पुण्य मिलेगा। स्वर्गीय की आत्मा को शान्ति मिलेगी। उन्हे मोक्ष मिलेगा।

मैं कलकत्ते में पढ़ा-लिखा हूं। मेरी विचारधारा से अवगत लोगों को समझाना मुश्किल है। हर बात का बौद्धिक पक्ष ही अहम नहीं होता। धर्म की अवधारणा आस्था का प्रश्न है। माँ की आस्था उनकी है। बेटे के रूप में उनकी हर आस्था में आस्था रखना मेरा धर्म है।

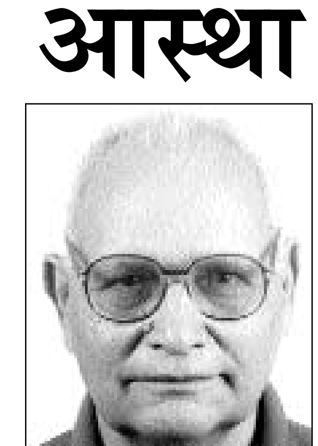

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

मैं सहर्ष सब कुछ करूंगा। मैं ऐसा कुछ नहीं करूंगा जिससे उनको लगे, उनका 'जीवन' बिगड़ गया है, वे 'पाप' की भागीदार हो गई हैं। उनके मन को दुख पहुंचे और वह अपने आप को बेबस महसूस करे, मैं ऐसा कुछ नहीं होने दूंगा। अपने वामपंथी मित्र से चिढ़ कर मैंने कहा–"वे गाय की पूंछ पकड़ कर वैतरणी पार कर 'मोक्ष' प्राप्त करेंगी यह उनकी आस्था है।

आप आई. सी. यू. में भर्ती हो वेन्टीलेटर पर सवार, डॉक्टर की दुम पकड़ मोक्ष प्राप्त करना चाहते हैं, आपका स्वागत है, आपके लिए वैसा ही होगा।" अपने विचारों और धारणाओं को इन्टलेक्चुअल प्रोपर्टी – बौद्धिक संपदा– के बतौर प्रतिपादित करना आज के शिक्षित वर्ग का शगल हो गया है। पारिवारिक और परिवारेत्तर स्वरूप में एक अनकहा, अव्याख्यायित वेदना-संवेदना का रिश्ता होता है, यह उनकी समझ के परे है। यही रिश्तों की गहराई और विश्वसनीयता की कसौटी होता है, उनकी तार्किक बुद्धि इसे नहीं स्वीकारती।

आधुनिक, सभ्रांत और बुद्धिजीवी होने की प्रक्रिया में हम जीवन की सरसता, सरलता और स्वाभाविकता को खो रहे हैं। आधुनिक जीवन शैली में रंगते जा रहे है। मानव समाज में संबंधों की सहजता, आत्मीयता, स्नेहसिक्तता गायब हो रही है। इन्हें सहेजा कैसे जाये?

–डॉ. श्रीगोपाल काबरा,
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

उदयपुर की बेटी ने मैनचेस्टर में देश का मान बढ़ाया

उदयपुर, (कासं)। बेटियां देश व दुनियां में अपनी सफलता के झंडे गाड़ रही है। युवाओं की दुनियां 'वन यंग वर्ल्ड' में शामिल होने गई उदयपुर की बेटी तसनीम मेहज़बीन ने देश, प्रदेश व मेवाड़ का नाम गौरवान्वित किया है। राजस्थान से जाने वाली वह एक मात्र सदस्य थी। दुनियां के 201 देशों से युवा इसमें शामिल हुए। जिन्हें उनकी बुद्धि परीक्षण, अपने क्षेत्र में किए गए कौशलपूर्ण कार्यो व समाजसेवा में दिए जा रहे योगदान को लेकर यह अवसर मिला।

- **'वन यंग वर्ल्ड' (युवाओं की दुनियां) समिट' में भाग लिया**
- **प्रदेश की एक मात्र सदस्य जो शामिल हुई इस समिट में**
- **दुनियाभर के 201 देशों के युवाओं इसमें भाग लिया**

उदयपुर की बेटी तसनीम मेहज़बीन ने मैनचेस्टर में हुई 'वन यंग वर्ल्ड' समिट में भाग लेकर प्रदेश व मेवाड़ का गौरवान्वित किया।

उदयपुर की बेटी बोहरा समुदाय की तसनीम पत्नी फखरी भोजियावाला ने बताया कि यूके के गैर लाभकारी संगठन 'वन यंग वर्ल्ड' द्वारा इसका आयोजन प्रतिवर्ष होता है। तसनीम ने बताया कि इस समिट के लिए उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों, लीडरशिप के कार्य व नवाचार के कार्यों के आधर पर चार चरणों को पार करने के बाद हुआ। चार दिवसीय इस समिट में दुनियांभर से उन युवाओं को चुना गया जो अपनी तीव्र बुद्धि की क्षमता से अपने कॅरियर को आगे बढ़ा रहे है। दुनियांभर से आने वाले ये यंगस्टर जो कि वैश्विक, राष्ट्रीय कंपनियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, यूनिवरसिटी स्कॉलर्स सहित अलग ही सोच रखने वाले युवाओं को इसमें शामिल किया जाता है। सम्मीट में दुनिया के जाने माने लीडर्स व अपने दम पर दुनियां बदलने वाली शख्सियतें इन यंगस्टर के काउंसलर बनते है और उनकी कार्यप्रणाली व बुद्धिक्षमता का परीक्षण कर उन्हें प्रोत्साहित करते है। समिट में दुनियाभर के 201 देशों से 2000 से अधिक लोग हिस्सा बने।

तसनीम फखरी ने बताया कि वे चाहती है कि दुनियांभर में शिक्षा पर काम हो और सभी को क्वालिटी एज्युकेशन (बेहतर शिक्षा) मिले इसके लिए प्रयास होने चाहिए। तसनीम वर्तमान में दवाई कंपनी नोर्वाटीज़ में कार्यरत है और उन्हें कंपनी की ओर से यह अवसर मिला है। देशभर से कुल 12 युवा इसमें शामिल हुए। इनकी की माता मेहज़बीन मगर भी शिक्षा के क्षेत्र में वर्षों से कार्यरत होकर राजस्थान के कई विद्यालयों सहित करीब 20,000 से अधिक छात्रों को हैण्डराइटिंग व अंग्रेजी भाषा सिखाने में सहयोग कर चुकी है।

तसनीम ने कहा कि समिट के दौरान उन्हें राजनीति, फिल्म, खेल से जुड़ी हस्तियों जैसे प्रिंस हेरी, मेगन मार्कल, इब्तिहाज मुहम्मद, हलीमा एडन सहित कई बड़ी हस्तियों से मिलने का मौका मिलता है। जहां ये बड़ी हस्तियां अपने जीवन व कैरियर के शुरूआत दिनों के संघर्ष की कहानियां भी इनसे साझा करते है। इसमें आने वाले स्पीकर्स अपने जीवन की सच्ची घटनाओं से प्रेरित करते है। जिनमें प्रकृति को बेहतर बनाने, इकोनॉमी को अपलिफ्ट करने, वेस्ट चीजों को कैसे रिड्यूज कर काम में लेने योग्य बनाएं और जेंडर इक्वेलिटी आदि शामिल है।

आक्रोशित छात्र-छात्राओं ने धरना दिया

सरवाड़, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सरवाड़ में कार्यरत प्रधानाचार्य वीरेश कुमार शर्मा का तबादला हो जाने के बाद छात्र छात्राओं में आक्रोश भड़क गया वही शिक्षा विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए छात्र-छात्राएं कक्षाओं से विद्यालय के मुख्य द्वार तक पहुंच गए और नारेबाजी करते हुए तबादल ा निरस्त करने की मांग को ले कर धरने पर बैठ गए।

- **सरवाड़ में कार्यरत प्रधानाचार्य वीरेश कुमार शर्मा का तबादला रूकवाने के लिए छात्रों ने नारेबाजी की, समझाईश के बाद माने छात्र**

जिसके चलते शिक्षक शिक्षिकाओं के हाथ पांव फूल गए जिसके बाद मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामेश्वर प्रसाद झरोटिया मौके पर पहुंचे और आक्रोशित छात्र-छात्राओं से समझाइश की।

इस दौरान छात्र-छात्राओं ने कहा कि तबादला निरस्त नहीं किया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

प्रदेश में खनन माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने खनन माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्यवाही जारी रखने के निर्देश देते हुए कहा कि अवैध खनन के विरुद्ध सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। पिछले दो माह से समूचे प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों के विरुद्ध माइंस एवं पुलिस प्रषासन की संयुक्त कार्यवाही के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। उन्होंने अजमेर वृत की उपलब्धियों को भी रेखांकित करते हुए अधिकारियों से इसी तरह से परस्पर समन्वय व सहयोग से कार्य करने का आग्रह किया। अजमेर वृत में खनिज संपदा का विपुल भण्डार है।

एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल शुक्रवार को किशनगढ़ में अजमेर वृत के खान एवं भू-विज्ञान विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त बड़ी मशीनरी और वाहनों की जब्ती से खनन माफियाओं पर अंकुश लगेगा। उन्होंने बताया कि दो माह में साढ़े ग्यारह करोड़ का जुर्माना वसूलने के साथ ही 746 एफ.आई.आर. व 456 गिरफ्तारियां हुई हैं। 71 बड़ी मशीनों की जब्ती के साथ ही 2136 वाहन जब्त किए गए हैं। डॉ अग्रवाल ने कहा कि खनिज प्लॉटों की नीलामी के लिए नए खनिज प्लाटों के डेलिनियेशन का काम तेजी से किया जाएं। उन्होंने बताया कि अजमेर वृत में लाईम स्टोन, सेंड स्टोन, मार्बल, ग्रेनाइट, जिप्सम, बजरी, ग्रेवल, कंकर, मुर्रम, बॉलक्ले, फायर क्ले, चाइना क्ले, रेड व येलो ओकर, सिलिका सेंड, सेंड स्टोन, पट्टी कातला, खंडा, गारनेट सहित खनिजों के विपुल भण्डार है। क्षेत्र में बड़ी सीमेंट कंपनियां कार्य कर रही है।

■ दो माह से समूचे प्रदेश में माइंस व पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्यवाही जारी : सुबोध अग्रवाल

एसीएस डॉ. अग्रवाल ने बताया कि माइंस विभाग के लिए गत वर्ष उपलब्धियों से भरा वर्ष रहा है और खनिज प्लॉटों के आक्शन से लेकर राजस्व वसूली तक सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की है। उन्होंने अजमेर वृत की उपलब्धियों को भी रेखांकित करते हुए अधिकारियों से इसी तरह से परस्पर समन्वय व सहयोग से कार्य करने का आठाह किया।

डॉ. अग्रवाल ने मार्बल स्लरी की समस्या का बेहतरीन समाधान करते हुए किशनगढ़ के मार्बल स्लरी डंप यार्ड को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की सराहना की और कहा कि स्लरी के अभिशाप को वरदान में बदला गया है और अब यहां विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल की पहचान बनाते हुए और अधिक संख्या में पर्यटकों को आकर्षित कर अतिरिक्त आय का केन्द्र बनाया जा सकता है।

जयपुर मेट्रो ने यात्री सेवा के सुरक्षित संचालन के लिये आपातस्थिति में मेट्रो स्टेशन परिसरों व टनल से यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया। जयपुर मेट्रो के परिचालन एवं प्रणाली निदेशालय ने छोटी चौपड़ एवं बड़ी चौपड़ मेट्रो स्टेशनों के मध्य टनल में ट्रेन में आग लग जाने की स्थिति बनाकर यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने एवं आग बुझाने का अभ्यास किया। इस मॉक ड्रिल अभ्यास में जयपुर मेट्रो के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के साथ-साथ जयपुर मेट्रो पुलिस, जयपुर सिविल डिफेंस टीम, फायर विभाग एवं 108 एम्बुलेंस के कर्मचारियों ने भी हिस्सा लिया।

सौर कृषि आजीविका योजना को मंजूरी

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किसानों को अपनी अनुपयोगी अथवा बंजर भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने में सहायता करने के लिए सौर कृषि आजीविका योजना को मंजूरी दी है।

इस योजना से किसानों को अपनी अनुपयोगी भूमि लाभकारी लीज दर पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए देकर आजीविका उपार्जित करने में सुविधा होगी तथा उनका जीवन स्तर ऊपर उठेगा। योजना के अंतर्गत एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है। जहां किसान/भूमि मालिक अपनी जमीन को सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए लीज पर देने हेतु पंजीकृत करा सकते हैं। भूमि विकासकर्ता उक्त किसानों द्वारा पोर्टल पर डाला गया भूमि विवरण देख सकते हैं तथा नियमानुसार सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर सकते हैं।

■ इस योजना से किसान अपनी अनुपयोगी भूमि सौर ऊर्जा संयंत्र के लिये लीज पर देकर आजीविका उपार्जित कर सकेंगे

सौर कृषि आजीविका योजना से विकासकर्ता भी संयंत्र स्थापित करने के लिए सुगमता से पी.एम. कुसुम योजना के तहत केन्द्रीय अनुदान (लागत का 30 प्रतिशत) प्राप्त कर सकेंगे। प्रदेश सरकार द्वारा भूमि मालिक/किसान, विकासकर्ता तथा संबंधित डिस्कॉम या कंपनी के मध्य त्रिपक्षीय अनुबंध किया जाएगा ताकि भूमि मालिक/किसान को जोखिम से सुरक्षा प्रदान किया जाना सुनिश्चित हो सके। इस निर्णय से सौर ऊर्जा उत्पादन बढ़ने से प्रदेश सरकार के राजस्थान को एक हरित ऊर्जा राज्य बनाने के लक्ष्य को भी हासिल किया जा सकेगा। ऊर्जा के पारंपरिक स्त्रोतों पर निर्भरता कम होने से पर्यावरण प्रदूषण का स्तर कम होगा तथा आमजन को राहत मिलेगी।

मोहनदास से महात्मा बनने का सफर जीवंत होगा

जयपुर। जवाहर कला केंद्र स्थित सुकृति आर्ट गैलरी में गांधी जयंती के उपलक्ष में 2 अक्टूबर से दो दिवसीय प्रदर्शनी की शुरुआत होगी। प्रदर्शनी के पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में संयोजक विधायक प्रशांत बैरवा ने बताया कि जयपुर के जाने-माने चित्रकार चंद्र प्रकाश गुप्ता की महात्मा गांधी के जीवन व संघर्ष पर आधारित पेंटिंग की श्रृंखला की यह दूसरी प्रदर्शनी है। प्रदर्शनी मोहनदास से महात्मा "अहिंसा के दूत की संघर्ष यात्रा" का उद्घाटन रविवार को कैबिनेट मंत्री बी.ड़ी. कल्ला करेंगे।

हाईकोर्ट में आज से 9 तक अवकाश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में एक अक्टूबर से नौ अक्टूबर तक अवकाश रहेगा और मामलों की सुनवाई नहीं होगी। हालांकि इस दौरान हाईकोर्ट का ऑफिस एक अक्टूबर, छह अक्टूबर और सात अक्टूबर को खुलेगा और प्रशासनिक कामकाज जारी रहेगा। हाईकोर्ट में तीन से पांच अक्टूबर तक दशहरा अवकाश घोषित किया गया है और आठ अक्टूबर को द्वितीय शनिवार होने के चलते अवकाश रहेगा।

इसी तरह 22 अक्टूबर से तीस अक्टूबर तक हाईकोर्ट में दीपावली अवकाश रहेगा। इसी तरह सेशन कोर्ट में तीन अक्टूबर से पांच अक्टूबर तक दशहरा अवकाश व 22 से 27 अक्टूबर दीपावली अवकाश रहेगा।

डॉ. राजकुमार गुप्ता जेके लोन अस्पताल के अधीक्षक बने

जयपुर। राजधानी जयपुर के जेके लोन अस्पताल का डॉ. राजकुमार गुप्ता को अधीक्षक बनाया गया है। इस संबंध में चिकित्सा विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं। डॉ. राजकुमार गुप्ता पीडियाट्रिक विभाग में विरिष्ठ आचार्य हैं। गौरतलब है कि डॉ. अरविन्द शुक्ला की 62 साल आयु पूरी होने के कारण उनका कार्यकाल पूरा हो चुका है। उधर आरयूएचएस के कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी को एक और जिम्मेदारी दिए जाने की कवायद चल रही है। सूत्रों के अनुसार एसएमएस मेडिकल कॉलेज में उन्हें एमेरिटस प्रोफेसर के रुप में यह जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके लिए प्रस्ताव की फाइल चिकित्सा मंत्री के यहां से अप्रूव होकर हाईलेवल पर मंजूरी के लिए भेजी गई है।

डॉ.राजकुमार गुप्ता

देशी कट्टा लेकर घूम रहा बदमाश गिरफ्तार

जयपुर में वैशाली नगर पुलिस ने देशी कट्टा लेकर बाजार में घूम रहे बदमाश गुलशन कुमार (बीच में) को पकड़ा है।

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर पुलिस ने देशी कट्टा लेकर बाजार में घूम रहे बदमाश को दबोचा है। जब पुलिस ने आरोपी गुलशन कुमार का रिकॉर्ड खंगाला तो मालूम चला कि वह सीकर जिले का हिस्ट्रीशीटर है। वह वाहन चोरी, मारपीट, आर्म्स एक्ट, लूट और फिरौती जैसे कई मामलों में चालान शुदा है। उसके खिलाफ श्रीमाधोपुर सीकर, रानोली सीकर, खाटूश्यामजी सीकर और रींगस सीकर में कई आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

डीसीपी (पश्चिम) वंदिता राणा ने बताया कि कांस्टेबल राजेन्द्र कुमार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सीकर जिले का एक बदमाश खिरणी फाटक के पास हथियार लेकर घूम रहा है। वह किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है, उसे जल्द पकड़ा जाए। उसके पास से अवैध हथियार बरामद हो सकते है। इस पर एडिशनल डीसीपी रामसिंह शेखावत, एसीपी आलोक कुमार सैनी और पुलिस निरीक्षक हीरालाल सैनी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने खिरणी फाटक के पास देखा तो आरोपी खड़ा दिखाई दिया। इस पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी गुलशन को दबोच लिया। पुलिस को उसके पास से 2 देशी कट्टे मिले, जिन्हें जब्त कर लिया है।

अवैध बजरी से भरे बेकाबू डंपर ने तीन साल के मासूम को कुचला

लोगों ने एक घंटे लगाया जाम, भारी पुलिस जाप्ता तैनात

मालपुरा, (निसं)। दूदू छान स्टेट हाईवे टोडा रोड पर आरएसी चौकी के पास अवैध बजरी से भरे बेकाबू डंपर ने 3 साल के मासूम को बुरी तरह कुचल दिया। गंभीर हालत में मालपुरा अस्पताल से घायल मासूम को जयपुर रैफर किया।

मालपुरा शहर से होकर गुजर रहे दूदू छान स्टेट हाईवे पर टोडा रोड आरएसी चौकी के पास शुक्रवार की देर रात को एक तेज रफ्तार बजरी से भरे डंपर ने 3 साल के मासूम हमजा पुत्र नदीम परवेज निवासी मौला सादात मालपुरा को बुरी तरह कुचल दिया। बालक को कुचल चालक मोके से फरार हो गया। चिल्लाने व धमाके की आवाज सुन दौडे लोगों ने गम्भीर घायल बालक को मालपुरा अस्पताल में भर्ती कराया।डॉक्टर उमेश शर्मा ने कमर के कमर के नीचे से बुरी तरह कुचले बालक को चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर किया।

घटना स्थल पर पहुँचे हजारों लोगों ने हाइवे पर काटे व डिवाइड लगा जाम लगा दिया। सड़क हादसे व जाम की मिली सूचना पर एसडीएम रामकुमार वर्मा,पुलिस उपाधीक्षक सुशील मान, थाना प्रभारी कैलाश विश्नोई भारी पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुँच जाम लगा रहे लोगों से समझाइस की तो पार्षद अतीक अहमद, मरगूब अहमद, इकबाल दादा, अनवार लाला, इशाक नकवी ने बताया कि स्टेट हाइवे निर्माण कम्पनी व सार्वजनिक निर्माण विभाग को हजारों बार अवगत कराने के बावजूद आबादी क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर नहीं बनवाए गए तथा आधी अधूरी सडक पर ही टोल वसूली शुरू कर दी है साथ ही नगरपालिका प्रशासन द्वारा सडक के दोनों ओर लंबे समय से बन्द पडी रोड लाइट चालू नहीं करवाई जा रही है। जिससे आय दिन सड़क हादसे हो रहे हैं।

तकरीबन एक घंटे की समझाइस व सात दिन में ब्रेकर व लाइट लगवाने के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम हटाया। देर रात लगे जाम व पुलिस व प्रशासन की गाडियों के बजे सायरन से शहर में दहशत फैल गई। मौके पर भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया गया।

घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने रोड पर जाम लगा दिया।

■ बन्द पड़ी रोड लाईट व ब्रेकर का अभाव बना कारण

टोल कर्मियों से मारपीट कर सवा लाख की नगदी लूटी

टोल बूथ के प्रबंधक ने सदर थाना पुलिस को प्राथमिकी सौंपी

टोल प्लाजा पर तोड़फोड़ की घटना के बाद क्षतिग्रस्त बूथ।

हिण्डौन सिटी, (निसं)। करौली रोड स्थित गांव फैली का पूरा के पास टोल प्लाजा पर शुक्रवार शाम टोल कर्मियों की ओर से एक बोलेरो में सवार लोगों से टोल टैक्स मांगना महंगा पड़ गया। दो गाड़ियों में सवार होकर आए लगभग 15-20 जनों ने टोल कर्मियों से मारपीट कर दी और तोड़फोड़ कर लगभग सवा लाख रुपए की नगदी लूटकर ले गए।

करौली रोड स्थित टोल प्लाजा के प्रबंधक जयवीर खटाना ने बताया कि शुक्रवार शाम लगभग 4:30 बजे हिण्डौन की ओर से एक बोलेरो टोल प्लाजा पर आकर रुकी। जैसे टोल कर्मियों ने टोल मांगा तो उन्होंने टोल देने से मना कर दिया। इस दौरान बोलेरो में सवार लोगों ने समीप के गांव गढ़ी निवासी एक जने से मोबाइल पर बात भी कराई। इसके बाद टोल कर्मियों ने बोलेरो को बिना टोल वसूल ही जाने दिया। आरोप है कि इसके बावजूद लगभग 20 मिनट बाद दो गाड़ियों में और मोटरसाइकिल पर सवार होकर 15-20 जने हाथों में लाठी डंडा और धारदार हथियार लेकर टोल पर पहुंचे। उन्होंने आते ही टोल प्लाजा पर तोड़फोड़ कर दी। टोल बूथ पर बने केबिनों के शीशे और वैरियर तोड़ दिए। आरोपियों ने पवन, चंद्रभान, देवेंद्र व गोपाल आदि टोल कर्मियों को मारपीट कर टोल से भगा दिया और टोल बूथ के दोनों साइड के केबिनों में रखे लगभग सवा लाख रुपए की नगदी भी आरोपी लूट कर ले गए।

टोल पर मौजूद कर्मचारियों ने घटना की सूचना प्रबंधक जय सिंह खटाना को दी। इसके बाद वे तत्काल प्रभाव से टोल बूथ पर पहुंच गए और पुलिस को भी घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही सदर थाने के एसआई बिजेंद्र सिंह हेड कांस्टेबल प्रेम सिंह मय जाब्ता टोल प्लाजा पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है।

प्रो. कैलाश सोडाणी बने खुला वि.वि. कोटा के कुलपति

उदयपुर, (निसं)। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति पद पर प्रो. कैलाश सोडाणी की नियुक्ति की गई। प्रो. सोडाणी ने शुक्रवार शाम को डॉ. नीलिमा सिंह जो कोटा विवि की कुलपति है इसका अतिरिक्त चार्ज था से यह पदभार लिया। वे तीसरी बार कुलपति बने है। इससे पहले वे महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर एवं गोविंद गुरू जनजाति विश्वविद्यालय बांसवाड़ा के भी कुलपति रह चुके है। दोनों ही कार्यकाल सफल रहने के साथ ही उनकी निर्विवाद एवं निष्पक्ष छवि के कारण उन्हें तीसरी बार कुलपति बनने का अवसर मिला।

■ अपनी निर्विवाद व निष्पक्ष छवि के कारण तीसरी बाद कुलपति बने

प्रो. कैलाश सोडाणी इसके अलावा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली एवं डॉ. अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ में राष्ट्रपति के प्रबंध मण्डल में भी मनोनीत प्रतिनिधि है। जय नारायण व्यास विवि जोधपुर की सिंडीकेट में वे राज्यपाल के प्रतिनिधि है। इसके साथ ही वे राष्ट्रदूत परिवार के स्थायी स्तम्भकार व लेखक भी है। शुक्रवार को उनकी नियुक्ति पर शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई प्रेषित की।

प्रो. सोडाणी ने पदभार संभाला।

धान-मूंग की खरीद नहीं होने से किसानों में आक्रोश

हनुमानगढ़, (निसं)। धान-मूंग की सरकारी खरीद शुरू नहीं होने से किसानों में आक्रोश है। किसानों ने 1 अक्टूबर से सरकारी खरीद शुरू नहीं होने पर 3 अक्टूबर को कृषि उपज मंडी समिति कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी दी है।

मोर्चा के रघुवीर सिंह वर्मा ने बताया कि कुछ दिन पहले किसानों की कई मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा हनुमानगढ़ के सदस्यों ने जिला कलेक्टर से विस्तार से चर्चा की थी। जिसमें 1 अक्टूबर से धान और मूंग की सरकारी खरीद शुरू करने का आश्वासन दिया गया था। इसके साथ ही फसल का सर्वे कराकर मुवावजा दिलाने की बात कही थी, लेकिन अभी तक इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन की ओर से कोई कदम नहीं उठाया गया है। सरकारी खरीद शुरू नहीं होने पर किसान मूंग भी एमएसपी से 1500 से 2000 रुपए कम दाम पर बेचने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि अगर 1 अक्टूबर तक धान और मूंग की सरकारी खरीद शुरू नहीं की जाती है तो किसानों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। वर्मा ने कहा कि पिछले साल भी किसानों की ओर से आंदोलन करने के बाद ही सरकार की नींद खुली थी। इस बार भी नींद में सोई सरकार को जगाने के लिए आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

■ 3 अक्टूबर को मंडी का करेंगे घेराव

सेल टैक्स विभाग ने जुर्माना वसूला

रामगंजमंडी, (निसं)। सेल टेक्स विभाग द्वारा गुरुवार को बिना बिल के सरिये के ट्रक को पकड़ने का मामला सामने आया है। विभाग ने फर्म सैफी बुरहानी इंटरप्राइजेज व अन्य संबंधित फर्म से 33 लाख 21 हजार रुपये की जुर्माना राशि वसूली। गुरुवार को बिना बिल व बिना ई वे बिल के फर्म पर 15 लाख का सरिया खाली हो रहा था। इसके बाद सर्वे की कार्यवाही की गयी सेल टेक्स जोन उपायुक्त एस डी मीणा के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंच कर ट्रक को दबोचा। जांच के दौरान फर्म के खातों में भी गड़बड़ियां मिली। रामगंजमंडी में यह पहली बड़ी कार्यवाही है।

काउंसलिंग प्रक्रिया की तिथियां बढ़ी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान राज्य में स्थित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में सत्र 2022-2023 के लिए पी.टी.ई.टी.-2022 दो वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसलिग प्रक्रिया की तिथियां बढ़ाई गई हैं। संशोधित काउंसलिग प्रक्रिया शेड्यूल पी.टी.ई.टी. वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है।

पी.टी.ई.टी.-2022 समन्वयक प्रो. एस.पी.एस.भादू ने बताया कि सभी पंजीकृत सफल अभ्यर्थियों को एक और अवसर प्रदान करते हुए ऑनलाईन काउंसलिंग हेतु रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करवाने की तिथि बढाकर 3 अक्टूबर की गई है। रजिस्ट्रेशन पश्चात् महाविद्यालय विकल्प चयन करने की अंतिम तिथि 5 अक्टूबर तथा प्रथम काउंसलिंग से महाविद्यालय आवंटन की सूचना 9 अक्टूबर को की जाएगी। प्रवेश शुल्क 22 हजार रुपये जमा करवाने की तिथि 10 से 15 अक्टूबर रखी गई है तथा महाविद्यालयों में रिपोर्टिंग 10 अक्टूबर से 17 अक्टूबर कर सकते हैं। अभ्यर्थी अन्तिम तिथि का इन्तजार किए बिना प्रवेश शुल्क जमा करावें। महाविद्यालय में रिपोर्टिंग के पश्चात् अपवर्ड मूवमेन्ट के लिए ऑनलाइन आवेदन 11 से 18 अक्टूबर तक कर सकते हैं, जिसके आंवटित महाविद्यालय की सूचना 22 अक्टूबर को जारी की जाएगी।

घग्घर नदी का पानी किसानों के लिए बनेगा संजीवनी

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले से निकलने वाली घग्घर नदी में लगातार पानी की आवक हो रही है। यह पानी आगामी सरसों और चना की फसलों के लिए जीवनदायिनी साबित होगा। इस पानी से हनुमानगढ़ ही नहीं बल्कि गंगानगर जिले के जैतसर और अनूपगढ़ तक पानी पहुंचेगा, जिससे यहां भू-जल स्तर में सुधार होगा। इसके साथ ही किसानों के खेतों में पानी स्टोरेज के लिए गई डिग्गियों में भी आगामी फसल के किसान पानी जमान कर लेगा। फिलहाल चावल और नरमे की फसल आ चुकी है।

इसके तुरंत बाद जौ और गेहूं की बिजाई का सीजन शुरू होने वाला है, जिसमें इस पानी को किसान उपयोग में ले पाएगा। घग्घर नदी में लगातार प्रवाहित हो रहे पानी के कारण घग्घर के आसपास के क्षेत्र का भूजल स्तर बढ़ ने की उम्मीद के बीच किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। गुरुवार को गुल्ला चिक्का हैड पर 39325 क्यूसेक पानी की आवक हो रही थी।

■ सरसों और चने की अगेती फसल की हो सकेगी बिजाई, इलाके में बढ़ेगा भू-जल स्तर

इसी तरह खनौरी हैड पर 11500, चांदपुर हैड 10500, ओटू हैड पर 7200, घग्घर साइफन में 6650, नाली बेड में 4000, आरडी 42 जीडीसी में 2700 क्यूसेक, आरडी 133 जीडीसी में 900, एसओजी ब्रांच में 1780 व आरडी 158 जीडीसी में 800 क्यूसेक पानी प्रवाहित हो रहा था। घग्घर नदी में पानी की आवक में बढ़ोतरी के कारण टाउन के नजदीक माता भद्रकाली मंदिर के पास बना काजवे गुरुवार को लगातार तीसरे दिन बंद रहा।

डंपर की टक्कर से तीन जनों की मौत

आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को रखकर मौके पर जाम लगा दिया

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे के भारत माला प्रोजेक्ट एचजी प्लांट भेडोली के पास एक डंपर की चपेट में आने से एक महिला, एक बालिका व एक बालक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से क्रोधित होकर गांव के ग्रामीणों ने शव को रखकर मौके पर जाम लगा दिया।

■ निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे के भारत माला प्रोजेक्ट एचजी प्लांट भेडोली के पास की घटना

प्राप्त जानकारी के अनुसार झनूण ग्राम के निवासी अनीता रेगर पत्नी तीर्थराज रेगर, प्रिया रेगर पुत्री मेघराज व शुभम रेगर पुत्र तीर्थराज की डंपर से कुचलने से मौके पर ही मौत हो गई। वर्तमान निवासी यह लोग रेलवे कॉलोनी सवाई माधोपुर से अपने गांव देवता को ढोकने के लिए आए थे एवं पैदल ही दर्शन कर लौट रहे थे। इसी दौरान भारतमाला प्रोजेक्ट एचजी प्लांट भेडोली के पास इन्हें एचजी कंपनी के डंपर ने कुचल दिया जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना पाकर बौंली प्रधान कृष्ण पोसवाल, भाजपा नेता रामावतार मीणा, झनूण सरपंच एवं एसडीएम बद्रीनारायण मीणा, सर्किल इंस्पेक्टर कुसुमलता मीणा दल बल के साथ ग्रामीणों के बीच समझाइश का प्रयास करने लगे। इसके बाद प्रशासन व एचजी कंपनी, ग्रामीणों व परिजनों की समझौता वार्ता शाम करीब 7 बजे पूरी हुई जिसमें तीनों मृतकों को 15-15 लाख रुपए देने को लेकर सहमति बनी। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए शवों को बौंली मोर्चरी चिकित्सालय लाए गए।

घटना से आक्रोशित होकर ग्रामीणों ने शव रखकर प्रदर्शन किया।

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA | भीम BHIM

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत सावाई माधोपुर

क्रमांक 1489 दिनांक- 21.9.2022

निविदा सूचना संख्या - 07/2022-23 वृत सवाई माधोपुर

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला सवाई माधोपुर में सडक निर्माण एवं भवन मरम्मत कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों /केन्द्रीय लोक निर्माण विभग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जवेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No.- 1. PWD2223WSOB08235, 2. PWD2223WSOB08236 3. PWD2223WSOB08237, 4. PWD2223WSOB08238

(आर.एन.बैरवा) अधीक्षण अभियन्ता सा.नि.वि.वृत सवाई माधोपुर

DIPR/C/12633/2022

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DN SAGWARA DISTT. DUNGARPUR (RAJ.)

No.1587 Date:26/09/2022

NOTICE INVITING BID NO.18/2022-23

NIB Code :

Bids for Rate Contract for Road Repair and Maintenance Work are invited from interested bidders upto 06.10.2022, 06.00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal ("http://www.eproc.rajasthan.gov.in an http://www.sppp.rajasthan.gov.in) of the state, The approximate value of procurement is Rs. 228.09 Lacs.

NIB : PWD2223A2169

UBN : PWD2223WSOB08452, PWD2223WSOB08453, PWD2223WSOB08454, PWD2223WSOB08455, PWD2223WSOB08456, PWD2223WSOB08457, PWD2223WSOB08458, PWD2223WSOB08459, PWD2223WSOB08460, PWD2223WSOB08461, PWD2223WSOB08462, PWD2223WSOB08463, PWD2223WSOB08464

(गजेन्द्र कुमार लोढ़ा) अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि.खण्ड सागवाडा

DIPR/C/12737/2022

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DISTT. DN KOTA

क्रमांक-1622 दिनांक-21.09.2022

Notice Inviting Bid (Short Term NIT No. 17/2022-23)

Bids for 149 Road work at Kota are invited from interested bidders upto 06.00 PM of 06.10.2022 (Thursday). Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs. 321.53 Lacs.

S.No	UBN No.	S.No	UBN No.
1	PWD2223WSOB07801	12	PWD2223WSOB07812
2	PWD2223WSOB07802	13	PWD2223WSOB07813
3	PWD2223WSOB07803	14	PWD2223WSOB07814
4	PWD2223WSOB07804	15	PWD2223WSOB07815
5	PWD2223WSOB07805	16	PWD2223WSOB07816
6	PWD2223WSOB07806	17	PWD2223WSOB07817
7	PWD2223WSOB07807	18	PWD2223WSOB07818
8	PWD2223WSOB07808	19	PWD2223WSOB07819
9	PWD2223WSOB07809	20	PWD2223WSOB07820
10	PWD2223WSOB07810	21	PWD2223WSOB07821
11	PWD2223WSOB07811		

(हुकम चन्द मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. जिला खण्ड कोटा, मो.नं. 96802-39572

DIPR/C/12678/2022

इंटरनेशनल चैस टूर्नामेंट की तैयारी अंतिम चरण में

दुनियाभर के फीडे रेटिंग प्राप्त भारतीय और विदेशी खिलाड़ी आ रहे बीकानेर

बीकानेर, (कासं)। एक बार फिर इंटरनेशनल चैस टूर्नामेंट आयोजित हो रहा है, जिसमें भारतीय और विदेशी खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। विजेताओं को करीब तीस लाख रुपए के नगद पुरस्कार अलग अलग कैटेगरी में दिए जाएंगे। टूर्नामेंट की तैयारी को अब अंतिम रूप दिया जा रहा है।

राजस्थान शतरंज संघ के तत्वावधान में हो रही इस शतरंज प्रतियोगिता में देश और दुनिया के ग्रांडमास्टर से लेकर बिना फीडे रैंकिंग तक के खिलाड़ी शिरकत करेंगे। दरअसल, ऐसे खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के साथ ही फीडे रेटिंग भी मिलेगी। विभिन्न देशों से आए शतरंज के ग्रांडमास्टर 1 अक्टूबर से 9 अक्टूबर के बीच बीकानेर में अपने मोहरे लेकर भिड़ेंगे, इस प्रतियोगिता में न केवल ग्रांडमास्टर बल्कि फीडे रेटिंग प्राप्त भारतीय और विदेशी खिलाड़ी भी शामिल होंगे। ग्रुप ए में शामिल खिलाडियों के दस राउंड का खेल नौ दिन चलेगा, वहीं ग्रुप बी में शामिल खिलाड़ी पांच अवटूबर तक अपने मोहरे लेकर डटे रहेंगे। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को इसी प्रतियोगिता के माध्यम से इंटरनेशनल मास्टर अथवा ग्रांडमास्टर के नॉर्म मिलने का अवसर भी मिल सकता है।

■ विजेताओं को करीब तीस लाख रुपए के पुरस्कार अलग-अलग कैटेगरी में मिलेंगे

विदेशी ग्रांडमास्टर बीकानेर पहुंचना शुरू हो चुके हैं। एसोसिएशन ने खिलाड़ियों के ठहरने और आयोजन स्थल तक लाने ले जाने की व्यवस्था की है। शीर्ष श्रेणी के खिलाड़ियों के ठहरने आदि की व्यवस्था नि:शुल्क की गई है, जबकि शेष खिलाड़ी निर्धारित राशि जमा करवाकर प्रतियोगिता में शिरकत कर सकते हैं। प्रतियोगिता में शामिल होने की अंतिम अवधि 28 सितम्बर तय की गई थी, विशिष्ट स्थितियों में प्रतियोगिता शुरू होने से ठीक पहले तक खिलाडियों को शामिल किया जा सकता है। राजस्थान से शामिल होने वाले खिलाड़ियों को एंट्री फीस में एक हजार रुपए की विशेष छूट भी दी जा रही है।

प्रतियोगिता निदेशक एस एल हर्ष ने बताया कि इसमें शीर्ष खिलाड़ियों में कई देशों के ग्रांडमास्टर्स शामिल हो रहे हैं, इनमें भारत के अभिजीत गुप्ता (फीडे रैंकिंग 2603), जॉर्जिया के पंतसुलिया लेवान (2596) तथा लुका पाइचडज़े (2560), रूस के बोरिस सर्वेको (2547), पोलिश ग्रांडमास्टर माइकल क्रासेनको (2545), मंगोलियाई खिलाड़ी त्सेग्मेड बैचुलुउन (2478), भारत के दीपन चक्रवर्ती (2439), यूक्रेन के वेलेरी नेवरोव (2430), ब्लिट्ज किंग कहे जाने वाले भारत के लक्ष्मण आर आर (2388), वियतनामी ग्रांडमास्टर गुयेन डुक होआ (2365) शामिल हैं।

इसके अलावा फीडे मास्टर ओजस्वा सिंह, इंटरनेशनल मास्टर में तहबाज अर्श, कैंडिडेट मास्टर कुशाग्र मोहन, इंटरनेशनल मास्टर नितीश बेलुकर, नितिन एस, अनुज श्रीवात्री, गुसैन हीमल सहित साठ से अधिक खिलाड़ियों की अनुशंसा एसोसिएशन को प्राप्त हो चुकी है। आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के समक्ष आशीर्वाद भवन में प्रतियोगिता का आयोजन होगा। ग्रुप ए में जहां प्रथम पुरस्कार 3 लाख रुपए रखा गया है वहीं ग्रुप बी में प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपए है।

अब पंद्रह अक्टूबर तक पूर्व समय से खुलेंगे स्कूल

शिक्षा विभाग ने समय परिवर्तन के आदेश को स्थगित किया

बीकानेर, (कासं)। प्रदेशभर में सरकारी व प्राइवेट स्कूल्स के समय में एक अक्टूबर से आमतौर पर समय बदल जाता है लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। शिक्षा विभाग ने शुक्रवार को एक आदेश जारी करके पन्द्रह अक्टूबर तक स्कूलों के समय में परिवर्तन के आदेश को स्थगित कर दिया है। ऐसे में शनिवार से स्कूलों का समय पूर्व की तरह ही रहेगा।

एक पारी व दो पारी स्कूलों का समय अलग-अलग होता है। शिक्षा विभाग में सर्दी और गर्मी के हिसाब से अलग- अलग समय होता है। आमतौर पर सर्दी का समय एक अक्टूबर से बदल जाता है। जबकि गर्मी का समय एक अप्रैल से बदल जाता है। इस बार अप्रैल के समय में भी विलम्ब से परिवर्तन किया गया। इसी तरह अब सर्दी का समय भी विलम्ब से बदलेगा। एक अक्टूबर के आदेश को पंद्रह अक्टूबर तक स्थगित किया गया है।

■ इस बार अप्रैल के समय में भी विलम्ब से परिवर्तन किया गया

संभव है कि ये पंद्रह अक्टूबर से एक नवम्बर तक चला जाए। फिलहाल शिक्षा विभाग ने पंद्रह दिन के लिए समय परिवर्तन को स्थगित किया है। वर्तमान में गर्मी के दौर में एक पारी स्कूल का समय साढ़े सात बजे से एक बजे तक है।

अब पंद्रह अक्टूबर तक ये ही समय रहेगा। सर्दी के दौर में स्कूल का समय दस बजे से चार बजे तक हो जाता है। उम्मीद की जा रही है कि सोलह अक्टूबर से या फिर एक नवंबर से ही स्कूलों का समय बदलेगा। फिलहाल शिक्षा विभाग ने पंद्रह अक्टूबर तक के लिए समय टाला है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग जिला खण्ड-द्वितीय उदयपुर

क्रमांक-अअ/टी.एस./2022-23/डी-810 दिनांक-23.09.2022

निविदा सूचना संख्या 09/2022-23

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से मय डिफेक्ट लाइबिलीटी अवधि के लिये राजस्थान सरकार के 'एए' 'ए' 'बी' एवं 'सी' श्रेणी के संवेदकों एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के 'एए' 'ए' 'बी' एवं 'सी' श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो उनसे निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.dipronline.org, http://sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है।

कुल निविदा के कार्य	1 कार्य
निविदा की लागत	रूपये 197.47 लाख
कुल धरोहर राशि	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत 394940/- अनुमानित लागत की ½ प्रतिशत 98735/-
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की तारीख	12.10.2022 (बुधवार) प्रातः 11.00 बजे से 14.10.2022 (शुक्रवार) सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा कराने की तारीख	12.10.2022 (बुधवार) प्रातः 11.00 बजे से 14.10.2022 (शुक्रवार) सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	17.10.2022 (सोमवार) सायं 4.00 बजे

NIB CODE : PWD2223A2098
UBN CODE: PWD2223WSOB07982
DIPR/C/12593/2022

(डी.के.शाह) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. जिला खण्ड-II, उदयपुर

ओबीसी वर्ग का 21 फीसदी आरक्षण मांगने जयपुर के शहीद स्मारक पर जुटे हजारों लोग

पंजाब कांग्रेस के प्रभारी व पूर्व मंत्री हरीश चौधरी और विधायक बलजीत यादव भी इस प्रदर्शन में शरीक हुए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में ओबीसी वर्ग के 21 फीसदी आरक्षण बहाल करने और विसंगतियों को दूर करने की मांग को शुक्रवार को जयपुर के एम.आई. रोड स्थित शहीद स्मारक पर हजारों लोग जुटे। कांग्रेस विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश चौधरी भी अपनी ही पार्टी की सरकार के खिलाफ धरने पर बैठे। उनके साथ बहरोड़ से निर्दलीय विधायक बलजीत यादव भी आंदोलन का हिस्सा बने। इसके बाद वार्ता के लिए ओबीसी वर्ग का प्रतिनिधि मंडल सीएमओ पहुंचा, जहां अधिकारियों से चर्चा हुई।

राजस्थान जाट महासभा प्रदेशाध्यक्ष

- **आंदोलन के बाद प्रतिनिधिमंडल सीएमओ में वार्ता करने पहुंचा, जहां आरक्षण की विसंगतियां दूर करने की मांग उठाई**
- **राज्य में भर्तियों के लिये जारी-2018 के परिपत्र में संशोधन करने और सही रोस्टर बनाने की मांग**

और किसान नेता राजाराम मील के साथ शुक्रवार को हरीश चौधरी ने जयपुर के शहीद स्मारक पर सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन कर सरकार को चेतावनी दी कि जब तक हमारा हक और अधिकार नहीं मिलेगा, यह संघर्ष जारी रहेगा।

जाट महासभा प्रदेशाध्यक्ष राजाराम मील ने कहा कि प्रदेश में सालों से ओबीसी वर्ग के साथ ज्यादती हो रही है। आज एक दिन का धरना देकर सरकार को चेतावनी दी जा रही है। अगर जल्द ही ओबीसी आरक्षण की विसंगतियों को दूर नहीं किया गया, तो किसान आंदोलन की तरह शहीद स्मारक पर हजारों की संख्या में ओबीसी वर्ग धरना देगा। परमानेंट टैंट और लंगर लगा दिया जाएगा। जयपुर की सड़कें जाम हो जाएंगी।

जयपुर में ओबीसी वर्ग के बड़े धरने-प्रदर्शन और कांग्रेस के पूर्व मंत्री के धरने की सूचना पर गहलोत सरकार तुरंत एक्शन में आ गई। ओबीसी आरक्षण संघर्ष समिति को वार्ता के लिए सीएमओ बुलाया गया। जहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की मौजूदगी में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव कुलदीप रांका को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान विधायक हरीश चौधरी, विधायक बलजीत यादव, किसान नेता राजाराम मील, सरकारी अफसरों में डीओपी के प्रिंसिपल सेक्रेटरी हेमंत गेरा और सीएमओ में कार्यरत आईएएस आरती डोगरा मौजूद रहे। राजाराम मील ने बताया कि सरकार ने 2018 के सर्कुलर में संशोधन के लिए 2 दिन का समय देने की बात कही।

सीएमओ में वार्ता के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट किया कि ओबीसी आरक्षण के संबंध में पैदा हुई विसंगतियों का सकारात्मक हल करने के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया है। इसके अनुसार विभागीय एवं कानूनी राय लेकर इस मुद्दे का जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा, जिससे यह न्यायिक प्रक्रिया में ना अटके।

प्रदर्शन के दौरान मीडिया से रूबरू होकर हरीश चौधरी ने कहा कि वर्ष 2018 के डीओपी के सर्कुलर और भूतपूर्व सैनिकों के संबंध में गलत दृष्टि के कारण 21 फीसदी आरक्षण ओबीसी को होने के बावजूद भी शून्य पद हमें मिल रहे है। पिछली भर्तियों के नतीजों में यह पता चला है। हमारे साथ अन्याय हो रहा है। हम तब्दीली चाहते हैं। महिला आरक्षण की तर्ज पर भूतपूर्व सैनिकों के आरक्षण की व्यवस्था हो और सही रोस्टर के आधार पर नियुक्तियां दी जाएं। 2018 के बाद जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई की जाए। जब तक हमारा हक और अधिकार नहीं मिलेगा, यह संघर्ष जारी रहेगा।

राजस्थान में ओबीसी वर्ग के 21 फीसदी आरक्षण बहाल करने और विसंगतियों को दूर करने की मांग को शुक्रवार को जयपुर के एम.आई. रोड स्थित शहीद स्मारक पर हजारों लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

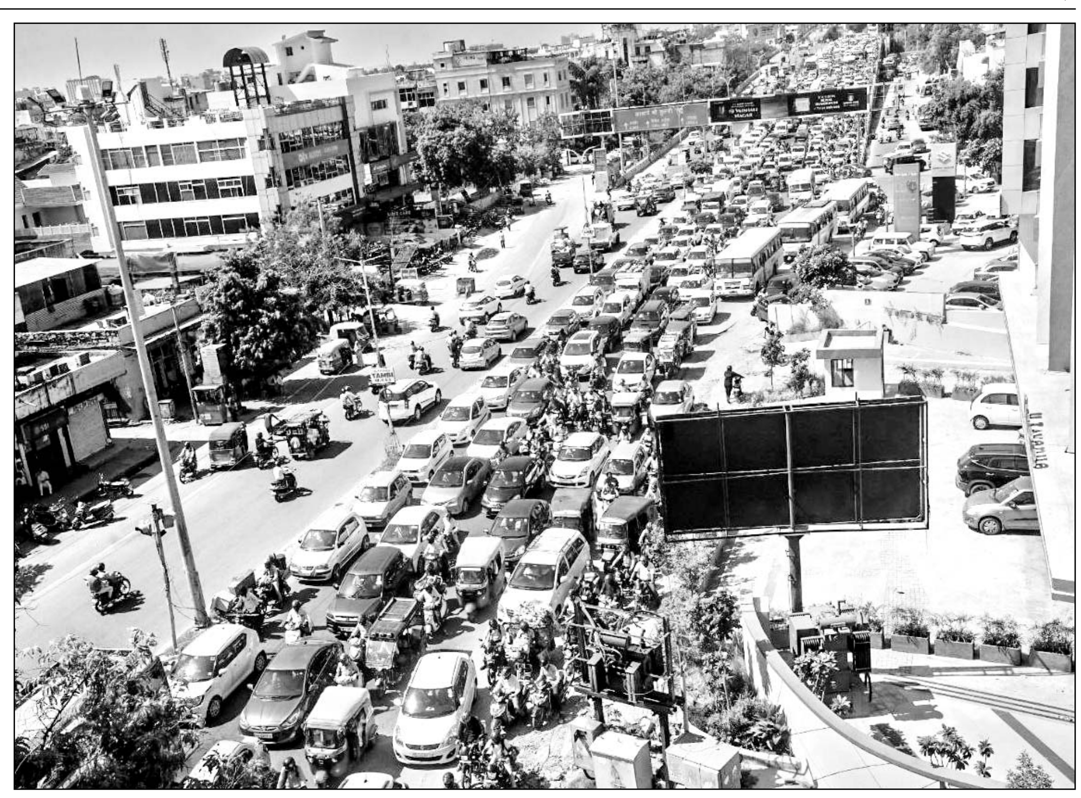

प्रदेशभर के ओबीसी वर्ग के हजारों लोग जब शहीद स्मारक पर इकट्ठे हुए तो एम.आई.रोड, खासाकोठी, अजमेर पुलिया पर भारी ट्रेफिक जाम लगा। वाहन रैंग-रैंगकर आगे बढ़ते रहे, यातायात सुचारू करवाने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी।

लोगों से रुपये ऐंठने वाला फर्जी पुलिसकर्मी पकड़ा

जयपुर (कासं)। शिप्रा पथ पुलिस ने फर्जी पुलिसकर्मी बनकर लोगों को झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर रुपये ठगने वाले शातिर ठग को धर-दबोचा है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस की वर्दी भी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपित पूर्व में भी पुलिसकर्मी बनकर ठगने के आरोप में सांगानेर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी योगेश गोयल ने बताया कि शिप्रा पथ थाना पुलिस ने फर्जी पुलिसकर्मी बनकर लोगों को झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर रुपये ठगने वाले एक शातिर ठग राजेन्द्र निवासी मानखेडा कठूमर जिला अलवर हाल गायत्री नगर महारानी फार्म शिप्रापथ को गिरफ्तार कर उसके पास से एक पुलिस की वर्दी बरामद की है। आरोपित फर्जी पुलिसकर्मी बन साधारण व्यक्तियों को झूठे पुलिस केस में फंसाने की धमकी देकर रूपये ऐठता है। वह पहले भी सांगानेर थाने में ऐसे ही प्रकरण में गिरफ्तार हो चुका है। इस संबंध में शिप्रा थाने में टोक हाल महावीर नगर मानसरोवर निवासी मलेश जांगिड ने मामला दर्ज करवाया था कि उसके घर पर पुलिस की वर्दी पहने हुए एक युवक आया और जिसने खुद को एसओजी में तैनात बताते हुए झूठे पुलिस केस में फंसाने की धमकी देकर 14 हजार रुपये ऑनलाइन अपने वॉलेट में ले लिए। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेजों के आधार पर आरोपित की पहचान कर उसे पकड़ा है। पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका है।

नौकर ने बुजुर्ग महिला की हत्या का प्रयास किया

जयपुर। राजधानी के चित्रकूट इलाके में एक घर में नौकर ने 87 वर्षीय महिला की तकिए से मुंह दबाकर हत्या करने का प्रयास किया। हालांकि इस दौरान घर में मौजूद अन्य नौकर ने महिला की जान बचाई। साथ ही आरोपी को पकड़कर सर्वेंट क्वार्टर में बंद कर दिया। पीड़िता के बेटे ने इस संबंध में गुरुवार को थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस आरोपी नौकर को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है।

व्यवसायी अमित सेठी ने पुलिस को बताया कि उसने बिहार निवासी मनोज राय को करीब डेढ़ वर्ष पहले घरेलू काम के लिए घर में नौकर के तौर पर रखा था। उनके एक परिचित के यहां मनोज की बहन काम करती है। उन्होंने परिचित के कहने पर ही उसे काम पर रखा था। नौकर घर पर बने सर्वेंट क्वाटर में रहता था। घर पर अन्य क्वार्टर में कुक नंतुन और बीमार मां की देखभाल करने वाली नर्स मीना भी रहती है।

वे 28 सितम्बर को विदेश से परिचित के आने पर उनके साथ घर से बाहर गए थे। पीछे से मनोज ने बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट की और तकिए से मुंह दबाकर हत्या करने का प्रयास किया। आवाज सुनकर नर्स मीना और कुक नंतुन वहां पहुंच गए और मनोज के चंगुल से उसे छुड़ाया।

मनोज भागने लगा तो उसे पकड़कर सर्वेंट क्वार्टर में बंद कर दिया। पीड़िता के कमरे में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिनमें घटना भी कैद हो गई। व्यवसायी ने नौकर का पुलिस वैरिफिकेशन नहीं करवाया हुआ था।

सार-समाचार

दुर्गा पूजा महोत्सव आज से

जयपुर (कासं)। राजधानी में निवास कर रहे पश्चिम बंगाल के लोग एक अक्टूबर से दुर्गा माता की आराधना में जुटेंगे। मुख्य आयोजन सी स्कीम के जय क्लब, बनीपार्क के दुर्गाबाड़ी में होगा। बंगाली कल्चरल एसोसिएशन, मानसरोवर की ओर से दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन एक से पांच अक्टूबर मानसरोवर स्थित क्रिकेट स्टेडियम के पीछे कम्यूनिटी सेंटर में होगा। एक अक्टूबर को दोपहर 12 बजे महाषष्टी पूजन के साथ महोत्सव की शुरुआत होगी। सीकर रोड पर अल्का सिनेमा के पीछे अल्का मैरिज गार्डन में मुरलीपुरा क्षेत्र में निवास करने वाले बंगाली तीन दिन उत्सव मनाएंगे। पूर्व संध्या पर 30 सितंबर को आनंद मेला होगा जिसमें बंगाली व्यंजन परोसे जाएंगे। शनिवार, 1 अक्टूबर को महासप्तमी पूजा होगी। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। रविवार 2 अक्टूबर को महासप्तमी पूजा, पुष्पांजलि, भोग वितरण, संध्या आरती के बाद सांस्कृतिक आयोजनों में बंगाली समाज की संस्कृति सरकार होगी। सोमवार 3 अक्टूबर को महाअष्टमी पूजा, 4 अक्टूबर को महानवमी पूजा, 5 अक्टूबर को लक्ष्मी पूजन होगा।

'अधिशेष अध्यापकों की काउंसलिंग हो'

जयपुर (कासं)। परशुराम सेना ने जयपुर शहर में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग कराने की मांग उठाई है। संगठन के मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष दीपक कुमार व्यास ने इस संबंध में शिक्षा मंत्री बी.डी.कल्ला को पत्र भी लिखा है। व्यास ने कहा कि जयपुर शहर में स्कूलें अंग्रेजी माध्यम होने के कारण हिन्दी मीडियम विद्यालयों में पद रिक्त पडे हैं, इस कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। आधा सत्र निकल चुका है, लेकिन उनकी पढ़ाई नहीं हो पा रही है। गत 23 सितंबर को जिला शिक्षा अधिकारी ने काउंसलिंग के संबंध में आदेश निकाला था, जिसे चार दिन बाद 27 सितंबर को स्थगित कर दिया गया। ऐसे में शिक्षा मंत्री स्वयं दखल देकर जयपुर शहर के अधिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग करवाए।

बाइक चुराने वाले तीन नशेड़ी गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। नशे की लत पूरा करने के लिए बाइक चुराने वाले 3 शातिर बदमाशों को रामनगरिया थाना पुलिस ने दबोचा है। आरोपी स्मैक का नशा करते हैं, इसलिए बाइक चुराकर उन्हें औने-पौने दामों पर बेच देते हैं। पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर निवासी आसु, जगतपुरा कच्ची बस्ती निवासी अर्जुन और शिव कॉलोनी झालाना डूंगरी निवासी महेश को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से चुराई हुई 4 मोटरसाईकिल बरामद की है। इस संबंध में 23 जून को परिवादी कुंज कौशल शर्मा ने शिवदासपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि उसकी मोटरसाईकिल उसने रात को दुकान ब्लेक पर्ल रेस्टोरेंट के पास खड़ी की थी, इसके बाद वह सो गए। सुबह उठकर देखा तो बाइक गायब मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपी अर्जुन, आसु और महेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी नशा करने के आदि है और अपनी नशे की आदत के चलते मोटरसाईकिल चोरी की वारदात करते है।

विधानसभा के चार कर्मचारी सेवानिवृत्त

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष डा.सी.पी.जोशी की ओर से महावीर प्रसाद शर्मा ने शुक्रवार को विधान सभा से सेवानिवृत्त चार अधिकारी,कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह भेट किये। विधान सभा सचिवालय में कार्यरत महेश चन्द्र शर्मा वरिष्ठ उप सचिव, प्रवीण कुमार जैन उप सचिव, मान सिंह खारवाल निजी सचिव एवं संजीव कुमार जमादार को अधिवार्षिक आयु प्राप्त करने के फलस्वरूप आयोजित सेवानिवृत्त समारोह में विभिन्न संघो दवारा विदाई दी गई। विधान सभा में सचिव महावीर प्रसाद शर्मा द्वारा साफा एवं माला पहनाई एवं शॉल ओढाकर अभिनन्दन किया। राजस्थान विधान सभा सचिवालय कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति लिमिटेड, जयपुर द्वारा शर्मा, जैन, खारवाल एवं संजीव कुमार को बचत का चेक प्रदान किया। पदोन्नति-राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी ने विनोद कुमार मिश्रा मुख्य अन्वेषण एव सन्दर्भ अधिकारी को वरिष्ठता-सह-योग्यता के आधार पर प्रमुख अनुसंधान एवं सन्दर्भ अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

हिंगौनिया गौशाला पहुंची दोनों महापौर

जयपुर (कासं)। हिंगौनिया गौशाला में लम्पी पीड़ित गायों का हाल जानने शुक्रवार को जयपुर की दोनों महापौर शील धाभाई और मुनेश गुर्जर पहुंची। दोनों अलग-अलग समय पर पहुंची, लेकिन जब मिलान हुआ तो एक-दूसरे का अभिवादन किया।

मुनेश गुर्जर ने शुक्रवार को अपने जन्मदिवस पर नंगे पांव ही गौशाला पहुंची और गायों को चारा खिलाया। अपने दो महीने के वेतन-भत्तों से यहां गायों के उपचार के लिए दिए। उधर शील धाभाई ने लम्पी बीमारी से ग्रसित गायों को देखा और उन्हें आयुर्वेदिक लड्डू के साथ ही चारा खिलाया।

महापौर ने अधिकारियों और यहां का प्रबंधन संभाल रही अक्षय पात्र फाउंडेशन के पदाधिकारियों से साफ तौर पर कहा कि गायों की देखभाल में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सामान्य वार्डों का भी दौरा किया। धाभाई ने आश्वस्त किया कि वे राज्य सरकार को पत्र लिखकर सहायता की मांग करेंगी।

गायों को लंपी से बचाने के लिए महामृत्युंजय यज्ञ

जयपुर। किरण पथ मानसरोवर स्थित श्री वेदमाता गायत्री वेदना निवारण केन्द्र में चल रहे शारदीय नवरात्र सामूहिक अनुष्ठान में शुक्रवार को पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ किया गया। केन्द्र के व्यवस्थापक नेतराम शर्मा ने बताया कि प्रारंभ में देव पूजन किया गया।

अग्नि प्रज्जवलन कर यज्ञ देवता को आहुतियां अर्पित की गई। शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशानुसार गायों को लंपी बीमारी से बचाने के लिए महामृत्युंय मंत्र के साथ आहुतियां अर्पित की गई। यहां सुबह से शाम तक गायत्री महामंत्र का अखंड जप किया जा रहा है प्रतिदिन करीब एक लाख गायत्री महामंत्र का जाप किया जा रहा है। वहीं सद्साहित्य के माध्यम से आधे मूल्य पर पुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही है। साहित्य केंद्र के प्रभारी भोजराज पारीक ने बताया कि व्यक्तित्व विकास, योग, स्वास्थ्य, महापुरुषों की जीवनी, महिला सशक्तीकरण, नशा मुक्ति, बाल साहित्य सहित स्वावलंबन से जुडी पुस्तकें आधे मूल्य पर खरीदने के लिए लोगों में भारी उत्साह है। शांतिकुंज प्रतिनिधि आर.डी.गुप्ता ने बताया कि गायत्री परिवार के साधक शारदीय नवरात्र में विश्व कल्याण की कामना के साथ गायत्री महामंत्र की सामूहिक साधना कर रहे हैं। गायत्री परिवार के उप जोन कार्यालय ब्रह्मपुरी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में प्रतिदिन पंचकुंडीय यज्ञ में सबके उज्जवल भविष्य और सबके मंगल की कामना के साथ यज्ञ देवता को गायत्री महामंत्र और महामृत्युंजय मंत्र के साथ आहुतियां की जा रही है। शक्तिपीठ के सह व्यवस्थापक सोहनलाल शर्मा ने बताया यज्ञ के साथ प्रतिदिन विभिन्न संस्कार भी कराए जा रहे हैं। प्रतापनगर के गायत्री चेतना केन्द्र में रणवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में प्रतिदिन पंच यज्ञ किया जा रहा है। कुंभा मार्ग प्रतापनगर के नव चेतना विस्तार केन्द्र में बच्चे गायत्री मंत्र लेखन कर रहे हैं। दुर्गापुरा के गायत्री चेतना केन्द्र में प्रतिदिन 80 लोग सुबह से शाम तक मंत्र जाप करते हैं। वैशालीनगर, मुरलीपुरा, गांधीनगर, मालवीयनगर, विद्याधरनगर, बनीपार्क, करधनी, झोटवाड़ा चेतना केन्द्रों पर सामूहिक नवरात्र हो रहे हैं।

युवती के भाई ने पीटा तो प्रेमी ने आत्महत्या की

जयपुर (कासं)। मुहाना इलाके में कुछ लोगों ने मिलकर एक लड़के को इतना पीटा कि उसने अपने घर आने के बाद आत्महत्या कर ली। उसका शव पेड़ से लटका मिला। पिता ने शव उतारा और उसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस अब नामजद लोगों के खिलाफ सुसाइड़ के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच करने में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि मुहाना इलाके में रहने वाले राजू का करीब 20 साल का बेटा मुहाना इलाके में ही एक फार्म हाउस पर काम करता था। फार्म हाउस पर अन्य सर्वेंट भी रखे गए थे, जिनके अलग-अलग काम थे। आरोप है कि इनमें से ही एक सर्वेंट की बहन के साथ राजू का बेटा प्रेम में था। बताया जा रहा है कि युवती के भाई ने दोनों को पकड़ लिया और उसके बाद राजू को फोन कर पूरी जानकारी दी। उसने कहा कि बेटे को बांधकर पीट रहे है। राजू ने बेटे को बचाने की मिन्नत की और कहा कि बैठकर बात कर सकते हैं। घायल हाल में बेटा शाम को घर लौटा, कुछ देर बाद उसने फांसी लगा ली।

चार अस्पतालों ने नहीं किया उपचार, घायल ने दम तोड़ा

सड़क दुर्घटना में घायल महेश को लेकर पत्नी घूमती रही अस्पताल से अस्पताल

जयपुर (कासं)। सड़क हादसे में एक घायल व्यक्ति को इलाज नहीं मिला तो उसकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी अपने घायल पति को जयपुर के 4 हॉस्पिटल में लेकर इलाज के लिए घूमती रही। आखिर में जब वह एक प्राइवेट हॉस्पिटल में अपने पति को इलाज के लिए लेकर पहुंची तो वहां पति ने दम तोड़ दिया।

करधनी पुलिस ने बताया कि नांगल जैसा बोहरा क्षेत्र में रहने वाली सोनिया के पति महेश कुमार की विद्याधर नगर इलाके में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि 24 सितंबर को महेश किसी काम से बाजार गए थे, वहां किसी वाहन ने उनको टक्कर मार दी। पत्नी और परिवार के लोगों को जानकारी मिली तो वे लोग घायल महेश कुमार को लेकर विद्याधर नगर इलाके में स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे। वहां से अस्पताल प्रबंधन ने महेश कुमार को कांवटिया अस्पताल के लिए रैफर कर दिया। कांवटिया अस्पताल में भी कुछ समय इलाज चला और उसके बाद महेश कुमार को एसएमएस अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। एसएमएस अस्पताल स्टाफ ने भी महेश की हालत देखते हुए उन्हें किसी निजी अस्पताल में ले जाने की सलाह दी। एसएमएस अस्पताल में कई मिन्नत करने के बाद भी जब महेश का इलाज नहीं हुआ तो परिवार उन्हें लेकर निजी अस्पताल के लिए रवाना हो गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से कुछ देर पहले ही उनकी मौत हो गई। करधनी थाना पुलिस ने टक्कर मारने वाले के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शैल्बी हॉस्पिटल ने सीपीआर तकनीक से लोगों की जान बचाने का प्रशिक्षण दिया

जयपुर, (का.सं.)। शैल्बी हॉस्पिटल जयपुर ने विश्व हृदय दिवस को "दिल धड़कने दो" की थीम पर एक नए तरीके से मनाया। इसका उद्देश्य हृदय रोग की महामारी के बारे में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को अगर उनका कोई करीबी दिल का दौरा पड़ने के कारण बेहोश हो जाता है और सांस रुक जाती है तो उसके लिए कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (जो आमतौर पर सीपीआर के रूप में जाना जाता है) करने के लिए प्रशिक्षित करना था। सीपीआर एक आपातकालीन प्रक्रिया है जिसमें एम्बुलेंस जैसी अन्य सहायता आने तक मस्तिष्क और अन्य अंगों में रक्त प्रवाहित करने के प्रयास में मुंह से मुंह तक सांस देने के साथ छाती के संकुचन (कंप्रेसन) शामिल होते हैं। जयपुर के एक मल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें कई लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर शैल्बी हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ. ललित ए मलिक, डॉ. अमित गुप्ता, डॉ. अंकित गुप्ता और आईसीयू इंचार्ज डॉ. सुरेश भार्गव ने लोगों को सीपीआर करने का प्रशिक्षण दिया। इस आयोजन में हृदय स्वास्थ्य से संबंधित विशेष खेल भी शामिल थे। सीपीआर पर प्रशिक्षण एक सतत गतिविधि होगी जो प्रत्येक बुधवार को शाम 5 बजे से शाम 6 बजे के बीच शैल्बी अस्पताल में आयोजित की जाएगी ताकि अधिकतम लोगों को सीपीआर करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सके।

शैल्बी अस्पताल के मुख्य कार्डियक सर्जन डॉ. ललित मलिक ने कहा, "हमने इस कार्यक्रम का आयोजन लोगों में हृदय रोग की भयावहता के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सीपीआर करके किसी की जान बचाने के तरीके के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया था। सीपीआर तब किया जा सकता है जब कोई दिल का दौरा पड़ने पर या डूबने जैसी अन्य स्थितियों में सांस लेना बंद कर दे। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि इस आयोजन में सभी उम्र के लोगों ने भारी संख्या में भाग लिया।"

शैल्बी हॉस्पिटल जयपुर के सीएओ डॉ. प्रतीक शर्मा ने बताया कि "पिछले 5 वर्षों से शैल्बी इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंसेज शहरवासियों के दिल का ईलाज के लिए समर्पित है, इसी कड़ी में शैल्बी ने एक मुहिम शुरू की है, जिसमें हम हर बुधवार शाम को 5 से 6 बजे हर किसी को निःशुल्क सीपीआर सर्टिफाइड ट्रैनिंग प्रोग्राम उपलब्ध करवाएंगें। समस्त जयपुरवासियों से मेरा निवेदन है कि इस मूहीम के साथ जुड़कर अपने और अपनो के दिल का ख्याल रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं"।

'प्रकृति रक्षा के लिए भगवान ने धारण किया गिर्राज पर्वत'

जयपुर (कासं)। किरण पथ मानसरोवर स्थित श्री वेदमाता गायत्री वेदना निवारण केंद्र में अखिल विश्व गायत्री परिवार की संस्थापिका वंदनीया माताजी भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में आयोजित श्रीमद्भागवत भागवत कथा में शुक्रवार को पांचवे दिन श्री कृष्ण की बाल लीलाओं पर प्रवचन हुए।

व्यास पीठ से शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे पंडित श्याम बिहारी दुबे ने भगवान कृष्ण की माखनचोरी, ऊखल बंधन, कालिया नाग दमन, राक्षसों का संहार सहित विविध बाल लीलाओं पर प्रवचन किए। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का दर्शन करने के स्वर्ग से 87 हजार ऋषि गोपियों के रूप धारण करके आए थे। क्योंकि तपस्या करने के बाद भी उन्हें आनन्द की अनुभूति नहीं हो रही थी। वेणुगीत प्रसंग के माध्यम से उन्होंने कहा कि भगवान को अपना सब कुछ समर्पित करने से ही उनका सामिप्य सुख प्राप्त होता है। जिस प्रकार एक लकड़ी बांसुरी बनने के दौरान अनेक परीक्षा देकर खुद को खाली कर लिया, तब वह भगवान श्री कृष्ण के होठों तक पहुंच सकी। हम भी समर्पण करके ही भवगान को प्राप्त कर सकते हैं। गोवर्धन धारण लीला प्रसंग में उन्होंने कहा कि भगवान प्रकृति का सदैव संरक्षण किया है। जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा के लिए हमें भी सतत प्रयासरत रहना चाहिए। दौरान हरिप्रसाद चौधरी, सोमेश्वर तांडी, रुद्रगिरी, मनोज ने सरस भजनों की सुंदर प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

भजनों की मधुर स्वर लहरियों पर श्रोता अपने स्थान से उठकर नाचने लगे। पांचवें दिन की कथा के विश्राम पर न्यायाधीश सतीश कौशिक, गायत्री परिवार राजस्थान के समन्वयक ओमप्रकाश अग्रवाल, पुष्कर आंचलिक कार्यालय से वरिष्ठ परिजन घनश्याम पालीवाल, टी आर शर्मा, शांतिकुंज प्रतिनिधि आर डी गुप्ता, वेदना निवारण केन्द्र के व्यवस्थापक नेतराम शर्मा, सतीश भाटी, सोहनलाल शर्मा, डॉ प्रशांत भारद्वाज ने भागवतजी की आरती उतारी।

World Vegetarian Day

Every year there are thousands of people making the move to a healthier, more socially responsible way of living. These people care about the lives of animals and want cruelty to come to an end, they want to live long healthy lives and avoid the perils of heart disease, and they want to have beautiful bodies sustained by living in tune with the Earth. Who are these people? They're vegetarians, and World Vegetarian Day celebrates their decision to eliminate meat and animal products from their diet and live a more conscientious life.

#ENTERPRISING

Elevating the F&B Industry

The Food Craft Company has till now worked on over 100 brands. From culinary curation and designing the ambience to marketing, branding as well as manpower hiring and training, their work revolves around the diverse aspects of running a restaurant.

Akuri.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

There are three friends who are really fond of eating and trying out different kinds of cuisines and restaurants. Doesn't sound like anything out-of-the box, right? Each of them translated their passion for food into opening different eateries. As luck would have it, all of their restaurants fail and this paved the way for a one-of-its-kind restaurant consultancy in Pink City. They pooled in their resources and learnings from their failures to open a consultancy for eateries so that other restaurateurs and café owners do not make the same mistakes as they did.

Meet Ronak Maheshwari, Ujjwal Gupta and Ayush Khandelwal – the enterprising Jaipur-based trio behind Food Craft Company. Till now they have worked on over 100 brands not just in Jaipur but also in cities like Udaipur, Pali, Surat, Kota and Delhi. From culinary curation and designing the ambience to marketing, branding as well as manpower hiring and training, their work revolves around the diverse aspects of running a restaurant. A master checklist created from their several successes and failures in the industry now helps new restaurant owners to elevate their game and put their best foot forward. In a one-on-on chat with Arbit, one of the co-founders, Ronak Maheshwari shares some insights of the F&B industry, some DOs and DON'Ts for restaurateurs as well as the challenges of running such a consultancy, among other interesting points.

Digital Experience is a must

"Before actually experiencing a new place, people these days like to explore a restaurant online – be it on the eatery's own social media pages or reviews on Zomato or those put by food bloggers and influencers. It is the first point of interaction between a customer and the restaurant", shares Ronak. Thus, it is essential that the digital experience that a customer has is high-quality as it rewards in the long run. Furthermore, it is also important that this digital experience translates well into the on-ground experience as well. One must show on social media what one can really deliver at the eatery.

Repetitive customer is the key to success

The rate at which new cafes and restaurants are opening these days is bewildering. But what's even more bizarre is the even faster rate at which these places shut. In such a scenario, an obvious question that arises is what makes a restaurant not just survive but also thrive? "There is no one thumb rule of running an eatery. All restaurants cater to different demography, have a different geography, cuisine etc. and that's what sets them apart. One must understand that it is not possible to catch a new customer every day. You are the game changer when you can gain repetitive customers", opines Ronak.

Acceptability is the biggest challenge

Ask the culinary entrepreneur about the challenges of this field and he says: "Acceptability is the biggest challenge. The people in Jaipur are still not open to whole-heartedly accepting global cuisine. It takes time for them to acquire a liking for such cuisines. In addition to this, the restaurant owners too think that it is a fast-catch business. One needs a lot of patience in this field apart from dedication, energy and hard work."

Interesting Projects

Shedding light on some of their most popular projects in the Pink City, Ronak says that their focus is on opening cuisine-specific and customer-centric spaces. Their consultancy has been instrumental in opening and running Napoli (a C-Scheme located eatery specializing in Neapolitan Pizzas), Akuri (a Tonk Road situated eatery that specializes in Parsi, Irani and Mumbai-inspired cuisines) and Silk Route (a MI Road situated vegetarian Pan-Asian restaurant). Each of these restaurants added something new to the culinary landscape of Jaipur. "Our latest project is Sub Rosa which is designed like an apartment and gives the feel and vibe of a home and is ideal for house parties", shares Ronak.

Ayush, Ronak and Ujjwal.

The unpalatable truth is that the present opposition is not hardworking and is not as credible as the past. People do not come to them as whistle-blowers. People do not help them with information. They have been too many Party hoppers. The elected MLA / MP are, apparently, not trusted by potential deep throats and whistle-blowers. In the past they were credible. They sought out whistle blowers. One member of the opposition, who often exposed the government, was the late Gurudas Dasgupta. He approached me to give him information on Harshad Mehta and the RBI Governor in the infamous stock market scam which a CBI team under me was investigating. As member of the Joint Parliamentary Committee he wanted information. I was then a newly appointed. Joint Director of CBI overseeing investigating public servants involved in the Stock Market Scam. I spoke to the Director, S. K. Dutta. He approved and I met the retinue of his co-workers. They were all in their own way "deep throats". They worked for him. They trusted him.

The CBI Works... Hard

Shantonu Sen
Former CBI Joint Director

The misuse of central agencies has been occupying mind space in recent days. The former CJI N V Ramana said on CBI's foundation day in April 2022 (CBI was founded on 1st April 1963 and I joined it on August 1963, selected by Union Public Service Commission sometime in May 1963). "When it comes to the CBI, it possessed immense trust of the public in its initial phase -- but with the passage of time--- CBI has also come under deep public scrutiny".

The last alleged major misuse of the CBI was on July 22, 2022. The Lt. Governor Delhi recommended a CBI probe into the liquor policy of the Delhi Government on that date. The CBI took action. It registered a First Information Report (FIR).

The searches were carried out in 31 locations in seven states on August 20; after 28 days from the reference. That is how we know CBI is investigating.

How does the CBI deal with a complaint from a competent authority? The CBI units, wherever they may be located in the country, are presided over by a Superintendent of the CBI, and are not regular police stations. They entertain no complaints from the members of the public. The CBI is a subordinate central government department. When it receives a complaint from a competent authority, it follows its crime manual. First, it fully verifies the complaint. In other words, the veracity of the allegation is confirmed by:

(a) Checking everything verifiable with reference to documents, exhibits and by seeking views, in absolute confidence, of people in the know;
(b) Identifying all those who are primary persons of interest in the matters alleged in the complaint and then verified by CBI;
(c) Fixing their present known location and their other locations that may not be publicly known but have become relevant since they are persons of interest;
(d) Determining their involvement. In other words, are they witnesses; are they suspects; are they the accused who need to be put through custodial interrogation and/or whether any searches are necessary.

> When the CBI or the ED, the ACB or the SFIO are just starting any investigation, there is nothing to discuss on what could be the truth in the allegations.

Searches are normally not done on festive days. They are done after confirming that there is illegality and there is corruption in the deal and it is so, prima-facie, that if proved it will end in conviction of, at least, some of those under investigation.

Criminal Procedure Code 1973

A search, whether done by CBI after exercising its own powers vested in the investigating officer under Criminal Procedure Code 1973 or done after obtaining a search warrant from the competent Magistrate, is a carefully-planned exercise. It requires a force comprising CBI men and women. Among them have to be a group of CBI detectives, who are drilled and coached to search for what is relevant. The presence of independent witnesses is mandatory. The presence of local police is also mandatory. They are required to be informed as the person searched may otherwise think that it is a robbery and inform the police who, not being privy to the raid, may arrest the CBI officers.

The search therefore, is an operation and needs time to organise with thoroughness. There is hardly ever any connection of any search with any newspaper report. In this case, what has been published in the New York Times a few days earlier on Delhi Schools and the raids on August 20, are unconnected. These raids had to be planned and could not be in response to any publication.

The flurry of activity in the electronic media after a raid is relevant. However, its direction is somewhat on a tangent, off target even, to an extent, wayward. Admittedly, when the raid starts, the CBI or for that matter any agency conducting the raid is at the starting point of the investigation. It is sifting the chaff and chatter from the allegations to find its way to the facts. Based on these facts, it will, in time of over one to three years, prepare its chart of charges. This will give the allegations that it was probing feet; a finding. That is a good year or more from the date of FIR. Yet, the electronic media is on a spree of spending its channel time dis-

#WORKINGS

secting a finding that is not yet given on any of the allegations. For instance, here the allegations made on the Lt. Governor's complaint are already a finding their way into news channels. That is really jumping the gun. When the CBI or the ED, the ACB or the SFIO are just starting any investigation, there is nothing to discuss on what could be the truth in the allegations.

Questions Of Interest

Does it mean that for media, any media, this case is off limits? No, certainly not. What it should discuss is what triggered the complaint. Here it could discuss what was the liquor policy that was scrapped? What is the present policy? The CV of the persons, their credentials and the records of all those named in the FIR could be discussed too. Who in the investigation agency are in charge and what is their record and such other questions of interest?

Another point must be made. It is a sad reflection of times that our opposition is not able to seek any action on any government misdemeanours. In the past, the opposition could do it. It started in the 50's and continued well beyond 2000. Dalmia Airways and the Vivian Bose Commission, Haridas Mundhra and the LIC scandal, ONGC Scam involving Serajuddin and Minister K D Malvea, ONGC East and its corruption with the Congress Treasurer O P Tantia in the matter of excess payment for acquiring land from his Tea Garden for oil drilling, Harshad Mehta playing the Stock Market and the RBI and some bank's role in them, the Hawala diaries, the Urea Scam are some of the major instances .

That is how the Opposition got the party in power to investigate themselves and those enjoying illegal pecuniary gains because of their corruption.

The last case, the Urea Scam merits special mention.

Rs. 133 crores was paid in advance to a non-existent Turkish Company in 1994-1995 to import Urea and not a gram of urea arrived in the country! This is investigated by CBI 1996- 1998. I have some hitherto hidden information about this case as I was appointed Consultant to the Ministry of Chemicals in May 1996 (I retired from CBI in 1996) to advise how to deal with this sort of siphoning. I am aware how important public servant, a Secretary to the Prime Minister' and a Cabinet Secretary escaped prosecution. They were later indicted by the Parliamentary Committee on Chemicals which was chaired by Abdul Rehman Antulay, a veteran Congress Member of the Parliament and former Chief Minister of Maharashtra and later Health Minister in the Union Cabinet when I was introduced to him. Even that report was not placed in Parliament. I heard the story from A R Antulay himself. The former Prime Minister P V Narsimha Rao requested him not to. He, then on the plea, that elections were on the anvil (14 days Vajpayee Government was on its way out) did not place it in that Parliament. Later it was carried by the Statesman Delhi. The trial lasted 23 years and all accused including Turkish citizens, public servants and kith and kin of then Minister of Chemical's and then Prime Minister of India were convicted.

Our Parliament has boasted of MPs like Feroze Gandhi, Hiren Mukherjee, Jyotirmoy Basu, Ram Manohar Lohia, H. V. Kamath, in the yesteryears and V. P. Singh, George Fernandis, Gurudas Dasgupta in later years who were at their best when reporting in parliament on government-abetted misdeeds.

BJP's Subramanium Swamy as an Opposition BJP leader did the same. He reported on Jayalalita's wealth and the Gandhis National

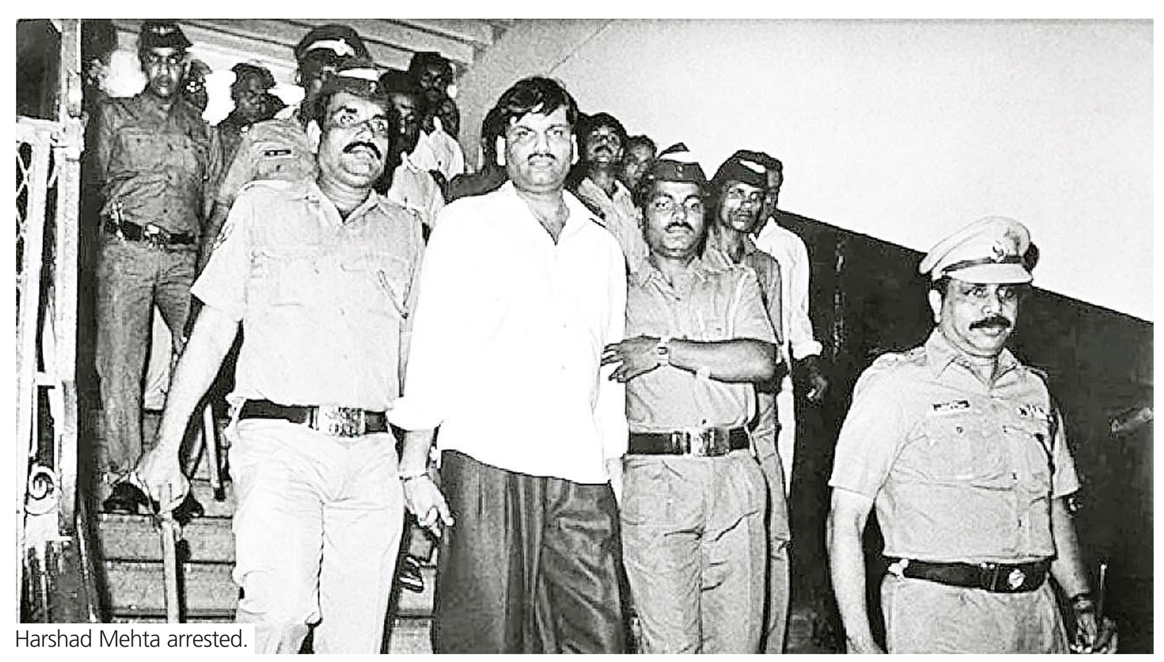

Harshad Mehta arrested.

Former CJI RM Lodha.

Herald deals while still in the opposition. Jayalalita died but her collaborator V K Sasikala was convicted by Karnataka court on his complaint. In the National Herald matter his complaint is under consideration of ED and Courts.

Credibility

Today the opposition has corruption cases in like Vyapam in Madhya Pradesh, the land deals in Karnataka, cases of crony capitalism, bank scandals, allegations by Contractor Association of Karnataka in their hands. But has the Opposition been able to score even any brownie point anywhere so far?

The unpalatable truth is that the present opposition is not hardworking and is not as credible as the past. People do not come to them as whistle-blowers. People do not help them with information. They have been too many Party hoppers. The elected MLA / MP are, apparently, not trusted by potential deep throats and whistle-blowers. In the past they were credible. They sought out whistle blowers. One member of the opposition, who often exposed the government, was the late Gurudas Dasgupta. He approached me to give him information on Harshad Mehta and the RBI Governor in the infamous stock market scam which a CBI team under me was investigating. As member of the Joint Parliamentary Committee he wanted information.

I was then a newly appointed.

Joint Director of CBI overseeing investigating public servants involved in the Stock Market Scam. I spoke to the Director, S. K. Dutta. He approved and I met the retinue of his co-workers. They were all in their own way "deep throats". They worked for him. They trusted him.

I have known of some of those opposed to government cracking down on corruption in Government in the past. The likes of Pillo Mody, Feroze Gandhi and Jyotirmoy Basu all, like Gurudas, Members of Parliament, had their bevy of informers like Gurudas had. I saw for myself Jyotirmoy Basu's office and his carefully filed dossiers of information. His informers trusted him. Similarly others. Today, with nearly 300 of people's elected hopping into the lap of a party they opposed, who will trust them? Also, most of the political opposition today is dynastic and is limited in its spread and influence. It fears the BJP and supports it in Parliament. So, they get no inside information.

> CBI is also misused, it is increasingly alleged, when it is ordered to investigate those opposed to the ruling party. This actually, started long ago. In 1967, CBI was unleashed by Mrs Gandhi against the Birlas because its scion supported the C. Rajagopalachari-led Swatantra Party. Courts were active those days.

The CBI has also been cut to size. The government felt uncomfortable when CBI investigated decisions of public servants. These are cases where there is illegal pecuniary gain either to the public servant as a result of this decision or to another party or to both. These investigation have been stopped without orders of the competent authority after the Prevention of Corruption Act 1988 was amended in 2018.

CBI is also misused, it is increasingly alleged, when it is ordered to investigate those opposed to the ruling party. This actually, started long ago. In 1967, CBI was unleashed by Mrs Gandhi against the Birlas because its scion supported the C. Rajagopalachari-led Swatantra Party. Courts were active those days. The Supreme Court squashed the search when approached on behalf of one Birla firm. When Ramnath Goenka of the Indian Express was charged with crimes related to newsprint in 1970 CBI did start an investigation against him but nothing much came off it. When its editor Arun Shourie was investigated in 1987- 88 by the CBI for, allegedly, forging a letter that he claimed as genuine which he believed and reported as a case of aborted search of a Union Minister's kin he was able to prove the allegation against him was wrong to the Parliamentary Committee. CBI investigation also concluded similarly. I am aware that Rajiv Gandhi as Prime Minister was

> The CBI is subordinate to the government. It will investigate whenever so ordered. But now it cannot investigate on its own any public servant for any decision he or she may have taken. That a law had to be passed to compel CBI to act only on orders of the government is a testimony to CBI's independent role in matters of investigation earlier to 2018.

keen to see Arun Shourie indicted for forgery but I who was leading the investigation into allegations levelled against Arun Shourie cleared him off all charges. The facts are that a Minister' kin was being searched by ED Kolkata and on orders of one Central Minister they were stopped. The ED Deputy Director conducting the search had reported the matter. A whistle blower had given a copy of this report to Arun Shourie who published it. He was hauled up by a Parliamentary Committee for forgery and investigated by a unit under me also for forgery. Misuse of CBI was not easy those days and the tribute to the old CBI by CJI N V Ramana is deserved.

Investigations

The CBI, being a subordinate office of the government, has to start an investigation on government orders but its finding is not dictated. I hope it never will. There are checks and balances with in CBI to ensure this. In recent times, the CBI investigated Sushant Singh Rajput's unnatural death. CBI investigated on orders. Rhea Chakraborty was investigated but neither arraigned nor indicted, much to the chagrin of as those who got issued orders on CBI to investigate the suicide of Sushant Singh Rajput.

The CBI is subordinate to the government. It will investigate whenever so ordered. But now it cannot investigate on its own any public servant for any decision he or she may have taken. That a law had to be passed to compel CBI to act only on orders of the government is a testimony to CBI's independent role in matters of investigation earlier to 2018. In 2018, with 17A incorporated in the Prevention of Corruption Act (PC Act and 1988) neither the CBI nor the ACBs can initiate any investigation of their own. This incorporation prohibits the CBI/ ACBs from verifying, enquiring, and investigating any action of corruption that is based on a decision by a public servant without prior permission of the competent authority. Effectively, now the CBI/ ACBs investigate only on orders.

In 2013, during the coal scam hearings, then CJI Justice R M Lodha, called the CBI a 'caged parrot.' The name has stuck. Is it a parrot? Is it caged? CJI Lodha called it a parrot not in an obit, not in an order and not in any judgement of his court. Above all, it was said without notice to the CBI. It is an off-the-cuff remark. So it is not, speaking in the language of the Supreme Court, a pronouncement of any bench of the Supreme Court.

Since it was so described, I can question it- A parrot repeats; it does not investigate. So whom is CBI repeating? The Government? Today, since 2018 by law CBI investigates on orders of a competent authority in Government. Those days too some control was exercised. The famous ' Single Directive', first introduced by Rajiv Gandhi and then by BJP. Twice brought and twice removed by the Supreme Court and now brought back as more comprehensively as 17 A of P C Act 1988. These provisions do cage CBI. But it never was a parrot. Its findings are its own. That has always been the case. I believe it shall always be that.

I see CBI as an eagle. I agree it is caged and effectively so after section 17A was introduced in 2018 in the P C Act of 1988. But that is not of its own volition. It is by an act of Parliament. It swoops on orders of Government. To emphasize I believe its findings are its own even today.

writetoarbit@rashtradoot.com

The liquor policy of the Delhi Government.

#MUSIC-DAY

Where Words Fail, Music Speaks

Music occurs within nature and humans have been recreating it probably since the beginning of time, as singing or humming seems to be a natural part of human development.

Music is the light of life for many people. It inspires, encourages and brings people together. Studies even show that music is good for the health and the brain, providing positive physical, mental and emotional responses when people simply listen to music as well as when they play or sing it.

History of International Music Day

Music occurs within nature and humans have been recreating it probably since the beginning of time, as singing or humming seems to be a natural part of human development. Babies can even begin to sing as early as three months old!

While music has its unique attributes based on the culture and area of the world it comes from, it is a human activity that is exclusive to the human race and part of every culture in the world. Music unites human beings!

With that in mind, in 1949, the International Music Council was created as an associate organization of the United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (UNESCO). Its purpose was to express solidarity between human beings in the global music ecosys-

tem. Connecting, encouraging and providing access for musicians around the world, this organization started International Music Day

Initiated in 1973 by the 15th General Assembly of the International Music Council, the first International Music Day was celebrated in 1975. The intention behind the day was to promote musical art among all sectors of society as well as applying the UNESCO ideas of peace and friendship among people. Many methods of teaching music have been embraced all over the world, some of these specific to certain cultures. In Europe, the Americas, Asia, Africa and other places, children are often taught different versions of music in schools including singing and the playing of instruments such as recorders or percussion like drums and bells.

Whether a professional musician or novice, whether an opera singer or someone who really can't carry a tune, International Music Day encourages people all over the globe to join in with five goals:

- To allow children and adults to express themselves freely through music.
- To give opportunities for children and adults to learn musical skills and languages.
- To provide access to musical involvement for all.
- To allow musical artists to develop and communicate through media and using proper facilities.
- For musical artists to obtain recognition and fair remuneration for their work.

THE WALL

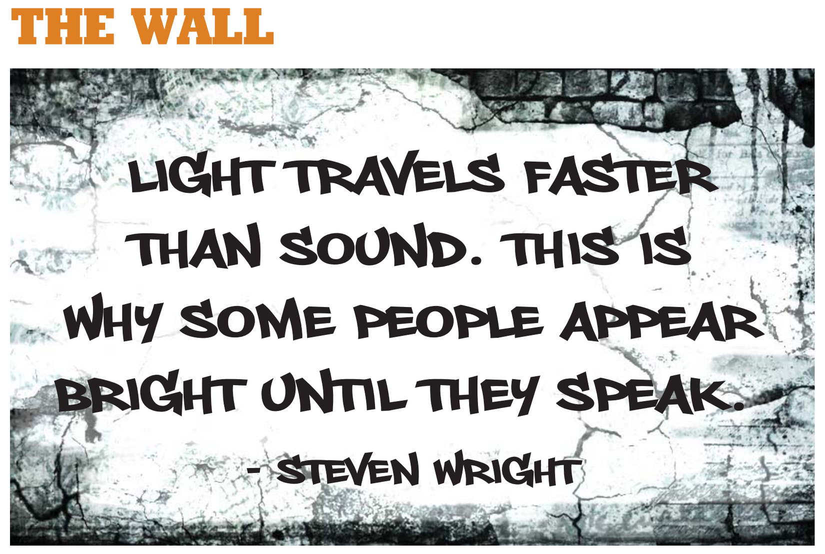

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

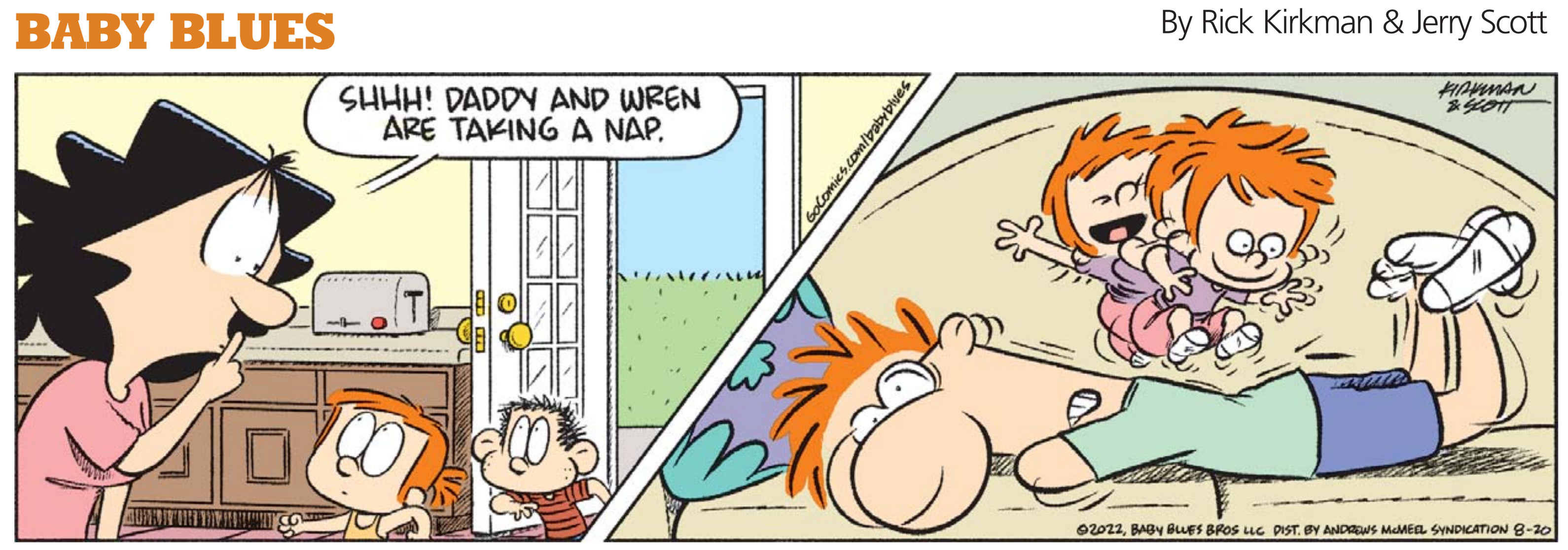

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

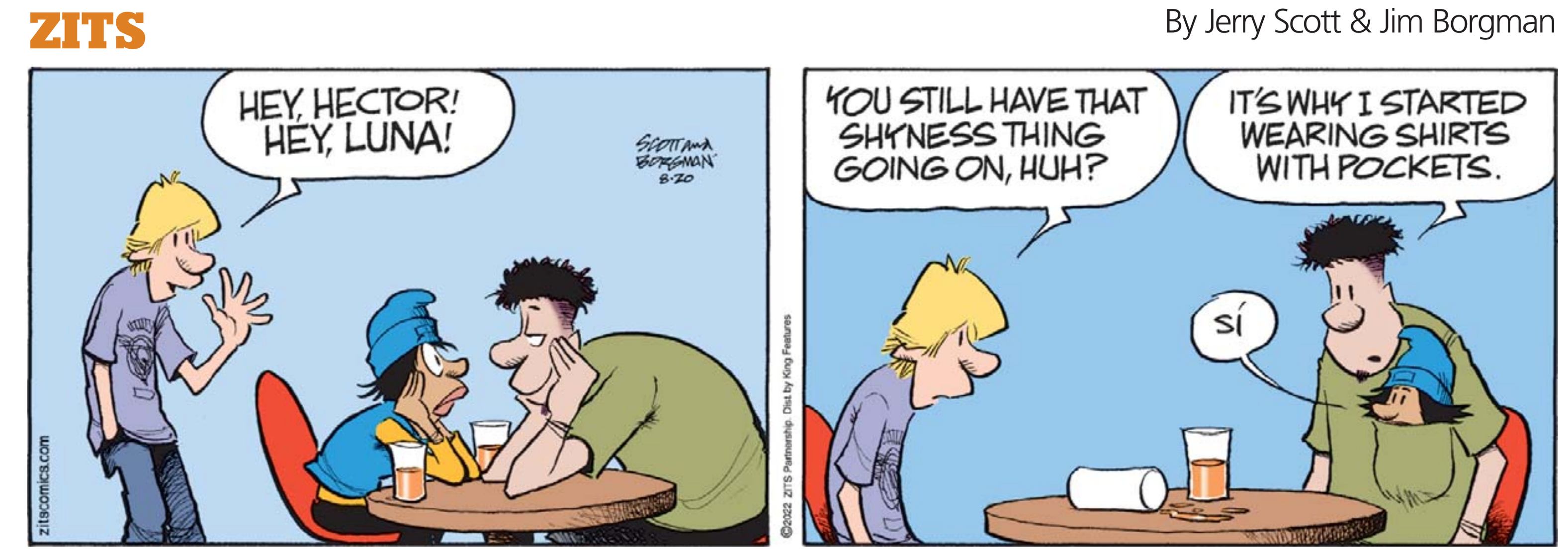

'जिला जनता की सुविधा के लिए बनाया जाए ना कि दुविधा के लिए'

पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी सहित अन्य ने प्रस्तावित नीमकाथाना जिला में उदयपुरवाटी विधानसभा के तहसील गुढागौड़जी और उसके 50 गांव विलय का विरोध किया

लोगों ने प्रेसवार्ता कर प्रस्तावित नीमकाथाना जिले में उदयपुरवाटी को शामिल करने का विरोध किया।

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। तिरुपति कॉम्पलेक्स में हुई प्रेसवार्ता में पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, मरू सेना के जयंत मूंड, शहीद भगत सिंह जन संघर्ष समिति के अध्यक्ष जेपी महिला एवं मेघवाल समाज के पूर्व सरपंच दारासिंह आदि ने प्रेस वार्ता कर प्रस्तावित नीमकाथाना जिले में उदयपुरवाटी को शामिल करने का विरोध किया है।

पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने कहा कि हमारे समाज में रामदेव करणीराम सहित अन्य महापुरूषों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। उसी प्रकार हम भी देने के लिए तैयार हैं और यह तानाशाही यह अंधेरगर्दी है नहीं चलने दी जाएगी। क्षेत्रीय भाषाओं सरकार का काम जनता को फायदा पहुंचाना है। लेकिन इस सरकार ने जनता को परेशान करने के लिए इस क्षेत्र के निकटवर्ती जिला मुख्यालय हटाकर परेशान करने के लिए नीम का थाना में जोड़ने का कुठाराघात किया जा रहा है। वह हम कदापि सफल होने नहीं देंगे को नीमकाथाना जिला में जोड़ने का विरोध प्रकट किया है एवं सरकार को आगाह किया है।

खबरों की मानें तो नीमकाथाना को अलग जिला बनाने की मांग सन 1952 से चल है जो बेहद जरुरी व महत्वपूर्ण है। सीकर जिला मुख्यालय से नीमकाथाना की दूरी काफी अधिक है। जिससे क्षेत्र का सर्वांगीण विकास नहीं हो पाया। खनन माफिया से लेकर बेलगाम अपराध भी बढ़ा है। हम स्वयं जिले की मांग का पुरजोर समर्थन करते है व मानना है कि छोटे जिले व राज्य विकास का आधार है। पर यहां एक बड़ा अन्यायपूर्ण व जनता के हितों पर कुठाराघात करने वाली है कि उदयपुरवाटी की तहसील गुढागौड़जी के गांव बड़ागांव, केसरीपुरा, सीथल, बजावा, छऊ, बालाजी, टीटनवाड़, केड, छावसरी, भाटीवाड़, टोडी, गुढागौड़जी, दुड़ियां, पोषाणा, भोड़की, सिंगनौर, मझाऊ, धमोरा, ढाणियां भोड़की, गुढ़ाबावनी आदि की दूरी जिला मुख्यालय झुंझुनूं से 15 किमी. से 40 किमी अधिकतम है।

मरु सेना के जयंत मूंड ने सरकार को आगाह किया कि अगर हम तथ्यात्मक बात करे तो ये गांव भौगोलिक व सांस्कृतिक परिदृश्य से प्रस्तावित जिले नीमकाथाना से एकदम भिन्न है। इन गांवों की नाते-रिश्तेदारी, साख-संबंध भी झुंझुनूं जिले के साथ है। भौगोलिक रुप से प्रस्तावित नीमकाथाना एकदम पहाड़ी व पथरीला इलाका है। हमारी व इनकी भाषा, पहनावे में भी में विभिन्नता है। नए नीमकाथाना जिले के विकास के लिए राजस्व की जरुरत रहेगी जो इन गांवों से नहीं मिल सकता। क्योंकि यहां मुख्य व्यवसाय खेती व नौकरी है।' वहीं रींगस के लिए भी सीकर जिला मुख्यालय नजदीक है।

मरू सेना के ज्यंत मुंड ने प्रेसवार्ता में कहा मेरा सुझाव है कि कोटपूतली तहसील का भाग इसमें शामिल किया जाए। ताकि खेतड़ी, नीमकाथाना व कोटपूतली का इलाका खनिज उत्पादन से राजस्व अर्जित कर सके व इसका विकास नीमराणा की तर्ज पर हो सके। जेपी मेला शहीद भगत सिंह जन संघर्ष समिति अध्यक्ष ने कहा कि हम तथ्यात्मक आधार पर सरकार से मांग करते है कि जनभावना को देखकर वोटिंग के जरिए आमजनता से रायशुमारी ली जाए। दिए गए हमारे पक्ष के दृष्टिकोण पर अमल किया जाए। इसको लेकर जल्द आंदोलन की रुपरेखा बनाई जाएगी व गांव-गांव से जनसमर्थन लेकर एक बड़ी हुंकार गुढ़ागौड़जी से भरी जाएगी। जिसकी आवाज कांग्रेस के गलियारों तक सुनाई देगी। पूर्व सरपंच दारासिंह मेघवंशी ने सरकार को आगाह किया कि हम मरते दम तक नीमकाथाना में शामिल नहीं होने होंगे। इसके लिए चाहिए हमें जान गवानी पड़े।

पुलिस ने पांच दिन में ब्लाइन्ड मर्डर का खुलासा किया

मृतक के गांव का ही निकला हत्यारा

गंगापुर सिटी, (निस)। वजीरपुर पुलिस ने ब्लाइन्ड मर्डर का खुलासा करते हुए आरोपी जयप्रकाश मीना निवासी खण्डीप थाना वजीरपुर को गिरफ्तार किया है।

अनुसंधान अधिकारी पुलिस उपाधीक्षक मुनेश कुमार मीना ने बताया कि फरियादी योगेश निवासी खण्डीप थाना वजीरपुर ने 25 सितम्बर को रिपोर्ट दर्ज करवाई कि मेरा भाई योगेन्द्र उर्फ अतरा की रात 8-9 बजे शराब ठेके के सामने खण्डीप में बदमाशों ने हत्या कर दी। विभिन्न पुलिस टीमों ने मृतक के परिवार जनो व मित्रों व घटनास्थल के आसपास लोगों से पूछताछ कर सूचनाओं का संकलन किया। घटना की बिन्दूवार जांच की गई।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

सूचनाओं के आधार पर 24 सितम्बर की शाम को जयप्रकाश, महेश मीण, जीतेन्द्र, शेरसिंह, रतन उर्फ हठीला शराब के ठेके के सामने शराब पी रहे थे । उस समय मृतक योगेन्द्र से जयप्रकाश का झगड़ा हुआ था। जयप्रकाश मीना निवासी खण्डीप ने दातली से योगेन्द्र की हत्या कारित की है। इस पर जयप्रकाश को घर पर तलाश किया गया तो वह घर से गायब मिला।

- 24 सितम्बर की रात को किया था मर्डर

पुलिस ने जयप्रकााश की तलाश शुरू की तो पता चला की रेलवे स्टेशन की तरफ जीप से गया है जिस पर जीप चालक के बताए अनुसार रेलवे स्टेशन पर तलाश की तो पाया की कोटा गया है। जब पुलिस कोटा पहुंची तो आरोपी कोटा से मथुरा चला गया।

पुलिस टीम जब मथुरा पहुंची तो आरोपी पुलिस को गच्चा दे कर भरतपुर आ गया। लेकिन पुलिस ने आरोपी का पीछा करते हुए भरतपुर में रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो आरोपी ऑटो रिक्शा चालकों से वार्ता कर रहा था। पुलिस ने ऑटो चालकों से पूछताछ के आधार पर जयप्रकाश को दबोचा और अपनी गिरफ्त में लिया।

गैस रीफिलिंग के दौरान मारुति वैन में आग लगी

टोडाभीम, (निसं)। कस्बे के नाहरखोहरा रोड पर स्थित एक ब्रेकरी संचालक की मारुति वैन में गुरुवार की रात्रि करीब 8 बजे के लगभग गैस भरते समय विस्फोट के साथ आग लग गई। जिससे कुछ ही देर में मारुति वैन जलकर राख हो गई। इस दौरान मारुति वैन के समीप खड़ी हुई एक मोटरसाइकिल ने भी आग पकड़ ली और वह भी 50 फ़ीसदी जल गई। आग लगने के दौरान हुए भयंकर विस्फोट से आसपास के सैकड़ों लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। मारुति वैन में आग लगने की सूचना वहां मौजूद लोगों के द्वारा नगरपालिका प्रशासन को दी गई। जिस पर पालिका प्रशासन की दमकल घटनास्थल पर पहुंची। दमकल ने कुछ देर में आग पर काबू पा लिया। लेकिन तब तक मारुति वैन पूरी तरीके से जल चुकी थी। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि पालिका प्रशासन को सूचना देने के लगभग आधा घंटे बाद दमकल घटनास्थल पर पहुंची। दमकल के देरी से पहुंचने के बारे में लोगों ने बताया कि दमकल चालक पहले दमकल में पानी भरने गया उसके बाद घटनास्थल पर पहुंचा। तब जाकर उसने आग बुझाई। मारुति वैन चालक वेन में अवैध तरीके से घरेलू एलपीजी सिलेंडर से गैस भर रहा था । इस दौरान यह हादसा हुआ।

ऑनलाइन तथा मोबाइलों से सट्टा पर्ची लिखने वाले दो गिरफ्तार

- चूरू में एसबीआई बैंक के सामने वाली गली में रामा अपार्टमेंट के फ्लैट नम्बर दो में पहुंची पुलिस
- सट्टा पर्ची राशि कुल 3070 रुपए व 11 मोबाईल सहित एक लेपटॉप मय चार्जर आदि बरामद

चूरू, (कासं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने आज ऑनलाईन व मोबाईलों से सट्टा पर्ची लिखने वाले दो सटोरियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनन्द आई.पी.एस ने बताया कि राजेन्द्र मीणा आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू व राजेन्द्र बुरडक आरपीएस वृताधिकारी वृत चूरू के निर्देशन और थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली चूरू महेन्द्र कुमार पुनि के नेतृत्व में रमेश पन्नू उनि, रामचंद्र कानि, सचिन कुमार कानि, जयवीर कानि द्वारा गस्त के दौरान कस्बा चूरू में लाल घंटाघर रोड पर एसबीआई बैंक के सामने वाली गली में रामा अपार्टमेंट में फ्लैट नम्बर 2 द्वीतिय मंजिल पर फ्लैट के अन्दर ऑनलाईन तथा मोबाईलों से सट्टा पर्ची लिखने वाले गैरसायल अवकाश सैनी पुत्र स्व. कमल कुमार सैनी निवासी वार्ड 43 अगुणा मोहल्ला चूरू और विक्रम पुत्र श्रवण कुमार सैनी निवासी वार्ड 1 गोगामेडी के पास रामगढ शेखावाटी सीकर को गिरफ्तार किया है।

फ्लैट के अन्दर अवकाश सैनी और विक्रम सैनी के कब्जे से पुलिस ने सट्टा पर्ची राशि कुल 3070 रुपए व कुल 11 मोबाईल, 4 चार्जर, 2 तख्ती जिन पर सट्टा पर्ची का हिसाब लगा हुआ है, 1 डाट पैन, 1 इन्टरनैट डान्गल, 4 केल्कुलेटर, 1 एक्सटेंशन केबल मय तार, एक लेपटॉप मय चार्जर को अपने कब्जे में लिया है। पुलिस ने दोनों के विरूद्व धारा 3/4 आरपीजीओ का इस्तगासा तैयार किया है। पुलिस की ओर से मामले की जांच की जा रही है। उक्त कार्यवाही में जयवीर कानि का अहम योगदान रहा है। यहां एसबीआई बैंक के सामने वाली गली में रामा अपार्टमेंट के फ्लैट नम्बर दो द्वीतिय मंजिल पर पुलिस की कार्यवाही होने से शहर के सटोरियों में हड़कम्प मच गया। आमजन ने पुलिस द्वारा सटोरियों को दबोचे जाने की सराहना की है। उल्लेखनीय है कि चूरू शहर में सट्टे का कारोबार काफी पनप रहा है। इससे कई घर बर्बाद हो चुके हैं।

अतिक्रमण हटाने गए दस्ते का लोगों ने किया विरोध

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र के गुलाबबाड़ी फाटक पर उस समय हंगामा हो गया, जब फाटक के पास अस्थाई अतिक्रमण हटाने पहुंचे नगर निगम के दस्ते का लोगों ने विरोध किया। क्षेत्रवासियों ने निगम कर्मचारियों पर बेवजह परेशान करने का आरोप लगाते हुए घेर लिया। सूचना पर मौके पर पहुंची अलवर गेट थाना पुलिस ने क्षेत्रवासियों से समझाइश कर मामला शांत कराया।

नगर निगम द्वारा शहर में अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की है, जिसके चलते शुक्रवार को अतिक्रमण हटाओ दस्ते की प्रभारी श्वेता चौधरी निगम कर्मचारियों के साथ शुक्रवार को जब गुलाब बाड़ी फाटक के पास अस्थाई अतिक्रमण हटाने पहुंची और एक चाय की थड़ी से सिलेंडर जब्त किया तो वहां लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। लोगों ने निगम कर्मचारियों और अधिकारी का घेराव कर बेवजह परेशान करने का आरोप लगाते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। हंगामे की सूचना पर पूर्व पार्षद रजनीश चौहान भी मौके पर पहुंच गए। पार्षद चौहान ने निगम के अतिक्रमण हटाओ दस्ते की प्रभारी श्वेता चौधरी और कर्मचारियों से कहा कि पार्षद का क्षेत्र की जनता से सीधा जुड़वा होता है और उन्हें जनता को जवाब देना पड़ता है, बिना नोटिस दिए कार्रवाई करना गलत है। श्वेता चौधरी का कहना रहा कि कार्यवाही के दौरान ठेला या थड़ी चालक को नहीं हटाया गया है, बल्कि उनके द्वारा किए गए अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया है। चौधरी ने पूर्व पार्षद पर धमकाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अस्थाई अतिक्रमण हटाया जा रहा था कार्यवाही के दौरान लोगों को एकत्रित कर उनका घेराव करने का प्रयास किया गया।

एसयूवी गाड़ी में 477 किलो अवैध डोडा-पोस्त मिला

- पीछा करने पर गाड़ी छोड़ भागे तस्कर

जोधपुर, (कासं)। जिला पूर्व की डीएसटी टीम को मुखबिरी सूचना मिली कि एक एसयूवी अवैध डोडा पोस्त लेकर जोधपुर आने वाली है। इस पर करवड पुलिस के सहयोग से नाकाबंदी करवाई गई। पुलिस ने बाद में इसका पीछा किया। तस्कर गाडी को नदी की रपट पर लेकर खेतों में भाग गए।

डीएसटी पूर्व को मुखबिरी सूचना मिली कि जोधपुर की तरफ आ रही एक एसयूवी में अवैध रूप से डोडा पोस्त लादा गया है। इस पर डीएसटी पूर्व के प्रभारी दिनेश डांगी, करवड थानाधिकारी कैलाशदान की तरफ से थाना क्षेत्र में नाकाबंदी करवाई गई। तस्करों ने पुलिस की गाडी और नाकाबंदी को देखते हुए गाडी को भगा ले गए। पुलिस की टीमों ने पीछा किया। तब तस्कर गाडी को भवाद के पास में नदी की रपट पर लेकर खेतों के रास्ते उतर गए। जहां बीच में गाडी का टायर भी फट गया। अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर भागने में सफल हो गए। पुलिस ने मौके पर गाडी में लादा गया 477 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद किया।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का मामला अब तूल पकड़ने लगा

- एक्सईएन ने नानूवाली बावड़ी सरपंच सहित अन्य के खिलाफ राजकार्य में बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज कराया

खेतड़ी, (निसं)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के तहत बनाए जा रहे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। परियोजना के एक्सईएन ने नानूवाली बावड़ी सरपंच सहित अन्य के खिलाफ राजकार्य में बाधा पहुंचाने का मामला थाने में दर्ज करवाया है।

सीआई विनोद सांखला ने बताया कि सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की योजना इकाई के अधिशासी अभियंता दिनेश कुमार वर्मा ने रिपोर्ट दी कि राजस्थान नगरिय आधारभूत विकास परियोजना के चतुर्थ चरण परियोजना क्रियान्वयन को लेकर नानू वाली बावड़ी में प्रस्तावित भूमि पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। राजस्व गांव नानूवाली बावड़ी में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की खातेदारी भूमि पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण के लिए अनुबंध किया गया था। वहीं पूर्व में भी 23 अगस्त को पत्र के माध्यम से अवगत करवाया गया था। प्रस्तावित भूमि पर कार्य करने पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कार्य में बाधा उत्पन्न की गई तथा कार्य को नहीं करने दिया गया। अधिकारियों द्वारा जानकारी जुटाने पर सामने आया कि सरपंच रमेश कुमार सैनी ने कुछ महिलाओं को लाकर मौके पर कार्य को बाधित कर बंद करवा दिया। जिस पर जिसकी सूचना पर वह मौके पर पहुंचे तो सरपंच रमेश सैनी महिलाओं के साथ जेसीबी के आगे खड़े होकर कार्य करने पर मारपीट की धमकी देने की बात सामने आई। साइट पर काम बंद होने पर एसडीएम जयसिंह चौधरी को मौखिक तौर पर जानकारी दी गई तथा निर्माण कार्य में सहयोग करने की मांग की गई। उन्होंने बताया कि नानूवाली बावड़ी के ग्रामीण सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य पूर्ण नहीं करने दे रहे हैं, जिससे कार्य बाधित हो रहा है।

इस संबंध में सरपंच रमेश सैनी ने बताया कि नगर पालिका अपने क्षेत्र में कुछ भी बनाए उन्हें इससे कोई दिक्कत नहीं है, जहां सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बन रहा है वह ग्राम पंचायत नानू वाली बावड़ी के क्षेत्र अधिकार में है। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड तो यहां खातेदार है, जबकि अधिकार क्षेत्र ग्राम पंचायत नानूवाली बावड़ी की है। यहां नगर पालिका द्वारा गंदगी नहीं फैलाने दी जाएगी, क्योंकि यहां सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनने से नानूवाली बावड़ी के ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। सीआई विनोद सांखला ने बताया कि एक्सईएन की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं मामले की जांच एएसआई देवेंद्र सिंह कर रहे हैं।

झांसा देकर नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। नौकरी दिलाने के एवज में नकदी वसूल कर हड़पने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकरी के अनुसार पीड़ित ठाकुर दाता चौराहा तीतरडी निवासी केसुलाल पुत्र मेघा मीणा ने शंकरलाल नामक अरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

जिसमें पीड़ित ने बताया कि सवीना क्षैत्र में चाय का थेला लगाता हू। वहां पर अरोपी का आना जाना लगा रहता था। वर्ष 2017-18 में आए शंकर ने मुझे चतुर्थश्रेणी कर्मचारी पद पर नौकरी दिलाने की बात कही। दोनों के बीच बातचीत में नौकरी दिलाने का आश्वासन देकर आरोपी मुझसे 50 हजार रूपये ले गया। उसके बाद से आज दिन तक न तो नौकरी दिलाई और नहीं नकदी लौटाई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

दूसरे राउण्ड की रिपोर्टिंग का अंतिम मौका आज

- आईआईटी-एनआईटी काउंसलिंग 2022-कई स्टूडेंट्स की सीट कैंसिल

कोटा, (निसं)। देश की आईआईटी, एनआईटी समेत 112 संस्थानों की 54477 हजार सीटों के लिए जोसा काउंसलिंग का दूसरे राउण्ड की ऑनलाइन रिपोर्टिंग 1 अक्टूबर शाम 5 बजे तक करनी होगी। ऐसे स्टूडेंट्स जिनके ऑनलाइन रिपोर्टिंग में अपलोड किये गए दस्तावेजों में कमी पाई गई है, उन्हें 2 अक्टूबर शाम 5 बजे तक प्राप्त क़्वेरी का रेस्पॉन्स देना होगा अन्यथा उनकी सीट निरस्त कर दी जाएगी।

एलन के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि दूसरे राउंड के सीट आवंटन के बाद कई स्टूडेंट्स ऐसे सामने आये हैं जिन्होंने पहले राउंड के सीट आवंटन के बाद अपनी मिली सीट के लिए ना तो सीट अक्सेप्टेन्स फीस जमा नहीं करवाई। ना ही उन्होंने डाक्यूमेंट्स अपलोड किए, उनकी आवंटित कॉलेज सीट को निररूत कर दिया गया और वो आगे की काउंसलिंग से बाहर हो गए है। इन सभी स्टूडेंट्स को परेशान होने की जरुरत नहीं है ये सभी स्टूडेंट्स जोसा काउंसलिंग के बाद एनआईटी ट्रिपलआईटी की खाली रही सीटों के लिए होने वाली सीएसएबी काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं। सीएसएबी काउंसलिंग 24 अक्टूबर से प्रारम्भ होगी। एक्सपर्ट आहूजा के अनुसार ऐसे विद्यार्थी जिन्हें दूसरे राउण्ड में आईआईटी से एनआईटी एवं एनआईटी से आईआईटी सीट का आवंटन हुआ है, उनके पहले राउण्ड सीट आवंटन में अपलोड किए गए दस्तावेजों को नए आवंटित सिस्टम से दोबारा वेरिफाई किया जा रहा है। उसके बाद नई आवंटित सीट कन्फर्म की जाएगी। इसके विपरीत जिन विद्यार्थियों को पूर्व में सीट का आवंटन हो चुका है और फ्लॉट व स्लाइड का विकल्प चुना है, उन्हें दूसरे राउण्ड में आईआईटी से आईआईटी एवं एनआईटी से एनआईटी सीट का आवंटन हुआ है और उनके पूर्व में सत्यपित डॉक्यूमेंट्स के आधार पर ही नई सीट कन्फर्म की गई है।

1 करोड़ 3 लाख के कपड़े खरीद कर धोखाधड़ी करने का आरोपी पकड़ा

- राज बंसल बनकर कपड़ा व्यापारी से की थी धोखाधड़ी

भीलवाड़ा, (निस)। जिले की कारोई थाना पुलिस ने राज बंसल बनकर गाडरमाला के एक कपड़ा व्यापारी से उधार में कपड़ा खरीद कर 1 करोड़ 3 लाख, 47 हजार 318 रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोपित लोकेश को मुंबई से गिरफ्तार किया है।

कारोई पुलिस ने बताया कि गाडरमाला निवासी राहुल सोनी पुत्र सुखलाल सोनी ने 2 सितंबर 21 को थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि परिवादी व उसका भाई जीवन सोनी दोनों अमृता इम्पेक्स के नाम से कपड़ का व्यवसाय करते है। परिवादी कंपनी का प्रोपराईटर है। परिवादी अपना व्यवसाय भिन्न-भिन्न शहरो में करता आ रहा है। इसी व्यापार के सिलसिले में परिवादी की मुलाकात अहमदाबाद के कपड़ा दलाल एजेंट अमित काबरा के मार्फत हरीश आहुजा से हुई जो डेनिम एक्सो प्रा. लि. फर्म का डायरेक्टर है। हरीश आहुजा व अमित काबरा दोनों ने परिवादी को राज बंसल एव संजय बंसल से मिलवाया जो कि कोहिनुर टेक्सटाइल में पार्टनर है। परिवादी पक्ष को विश्वास में लेकर बताया कि वे अहमदाबाद में इसी प्रकार का कपड़े का काम करते है। एमएफजी ऑल गारमेंन्टस कोहिनुर टेक्सटाईल के नाम से तैयार करते है जिसमे हमे कपड़े की आवश्यकता होती है। इसी व्यापारिक संव्यवहार से ये चारो गाडरमाला ऑफिस आये। इन्हें कपडे का सेम्पल दिखाया जो उन्होंने पास किया तथा कपड़े का आर्डर दिया ।

26 अप्रैल 2021 से उक्त कपडे को क्रय करने का आर्डर मिला। उसके अनुसार परिवादी ने अपना अमानतन कपडा उन्हे भेजा जिस पर उन्होंने विश्वास दिलाया कि हमारे डायरेक्टर नीरज कुमार गुप्ता से आपकी मुलाकात करा देंगे, जिस पर परिवादी अपने भाई जीवन सोनी के साथ अहमदाबाद आरोपितों के ऑफिस नारोल अहमदाबाद गये, जहां पर पहले से एक आफिस में 'नीरज कुमार गुप्ता मुख्य सीट पर बैठा था। राज बंसल और संजय बंसल ने उससे परिचय कराते हुये बोले कि ये कोहिनुर टेक्सटाईल के हैड है। यह फर्म पार्टनरशिप फर्म है। इनसे हम तीनो पार्टनर है। इन्होंने विश्वास दिलाते हुए फर्म के बैंक खाते की ब्रांच कैनरा बैंक से रकम अदा की ताकि हमें विश्वास दिला सके। इससे परिवादी को विश्वास हो गया और लेनदेन होने लगा। कुछ बिलो की एवज में पैसा ट्रांसफर होता रहा और व्यापार चलता रहा।

विश्वास पर परिवादी फर्म से फर्दन फर्दन करीब 1 करोड़ 3 लाख 47 हजार 318 रूपये का कपड़ा उधार पर ले लिया।अमानतन कपडे की रकम की अदायगी के लिये विश्वास दिलाया कि उक्त रकम शीघ्र ही अदा कर देंगे परन्तु लगातार फोन करने पर मात्र टालमटाल करते रहे। इस कारण परिवादी अपने भाई के साथ हिसाब करने गये तो आरोपितों का मोबाइल स्विच ऑफ आया। ऑफिस बंद कर भाग छूटे। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपित पहले पकडा जा चुका है, जबकि परिवादी से राज बंसल बनकर मिले अहमदाबाद के लोकेश कुमार पुत्र भगवान दास को कारोई पुलिस मुंबई से दबोचकर ले आई। पुलिस उससे पूछताछ कर राशि बरामद करने का प्रयास कर रही है।

बड़े भाई ने कैंसर पीड़ित छोटे भाई का हिस्सा हड़पा

छोटे भाई की पीड़ित पत्नी ने जिला पुलिस अधीक्षक से लगाई गुहार

चूरू, (का.सं.)। जिला मुख्यालय पर स्थित वार्ड संख्या सोलह निवासी राजू देवी पत्नी वासुदेव सोनी मुमताज अस्पताल के पास, चूरू ने पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद को ज्ञापन देकर मामले से अवगत करवाया।

शुक्रवार को जिला पुलिस अधीक्षक को दिये गये ज्ञापन में बताया कि उसके पति वासुदेव सोनी जो पिछले करीब एक साल से कैंसर से पीड़ित हैं। जो अहमदाबाद रह रहे थे। बीमार अवस्था में ससुर महावीर प्रसाद सोनी की पुश्तेनी संपति को चुन्नीलाल की पुत्रवधु सुनीता ने जालसाजी व धोखे में रखकर फर्जी वंशावली बनाकर स्वर्गीय अमरसिंह व चंदा सोनी एवं पिंकी सोनी उर्फ पूजा को इंतकालनामा वंशावली में नहीं दर्शाया गया केवल महावीर प्रसाद के तीन पुत्र दर्शा कर एक बटा छह हिस्से के बजाय एक बटा तीन हिस्सा विभाजन कर उसे धोखे से फर्जी विक्रय पत्र अपनी पुत्र वधु सुनीता के नाम करवा दिया।

विक्रय पत्र पर वासुदेव के हस्ताक्षर आपसी बंटवारा कर पंजीयन बनाकर रजिस्ट्रार कार्यालय में जाकर दर्ज करवा दिया। प्रार्थी का पति वासुदेव कैंसर से पीड़ित है एवं गंभीर स्थिति में है। उसको धोखे में रखकर हस्ताक्षर करवा लिये। इसी के साथ विक्रय राशि भी नहीं दी। चुन्नीलाल ने अपने हिस्से का पेमेंट मनोज कुमार की ओर से नगद भुगतान बताया है।

पीड़िता राजू देवी ने अपने जेठ चुन्नीलाल व षड़यंत्र में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने दिनेश पुत्र चुन्नीलाल, सुनीता पत्नी दिनेश को गिरफ्तार करने व धोखाधड़ की मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। चूरू पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद ने मामले को गंभीरता से सुनकर पीड़िता को कार्रवाही किए जाने का आश्वासन दिया।

विधायक घोघरा ने आक्रोश रैली पर पलटवार किया

गिरफ्तारी नहीं होने पर महारैली की चेतावनी दी

- बीटीपी के दो विधायकों ने राज्य के बाहरी लोगों को रैली में किया था शामिल

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा ने आदिवासी परिवार के नाम पर एक अर्मादित शिक्षक जिसने जनजाति की महिलाओं पर धर्म और संस्कृति को लेकर की गई टिप्पणी के बाद क्षेत्रीय जनजाति महिलाओं ने प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। जिसको लेकर गुरूवार को बीटीपी के दो विधायकों के नेतृत्व में बाहरी राज्यों के लोगों को बुलाकर जिला मुख्यालय पर प्रभाव बनाने के उदेश्य से निकाली गई रैली पर विधायक ने खुली चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे तत्वों के खिलाफ यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्यवाही नहीं की तो 6 अक्टूबर को जिले को जनजाति समुदाय महारैली का आयोजन करेगा। ताकि इस क्षेत्र के सामाजिक तानाबाना बिगाड़ने वालो को मुहंतोड़ जवाब दिया जा सके।

विधायक गणेश घोघरा ने आक्रोश रैली पर पलटवार करते हुए सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि शिक्षक का वीडियो जो वायरल हुआ है उसमें महिलाओं को अपमानित किया है। वीडियो में शिक्षक द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग किया है। उसके खिलाफ कुछ दिन पहले महिलाओं ने कानूनी कार्रवाई के लिए कलेक्टर एसपी को ज्ञापन सौंपा कर शिक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। बीते दिन कानून को दबाने के लिए महिलाओ को धमकी देकर व दवाब बनाया जा रहा है। एफआईआर दर्ज करवाने वाली महिलाओं के घर जाकर धमकियां दी जा रही हैं। गुरुवार को रैली निकाली जिसमें छत्तीसगढ़, एमपी, गुजरात सहित अन्य जिलों से लोगों को लेकर डूंगरपुर में तांडव मचाना चाह रहे है।

विधायक ने प्रशासन को भी आड़े-हाथों लेकर कहा की इसमें प्रशासन ने भी ढिलाई बरती है। आज जिस तरह से यहां अशांति पैदा हो रही है प्रशासन की कमजोरी है। जिससे लोगों के परेशान होने के साथ उनमें भय का माहौल बनाया। विधायक ने कहा की पहले भी उन्होंने ने भय का माहौल बनकर लोगों का आने जाने का रास्ता रोका था। उसके खिलाफ प्रशासन उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही करनी चाहिए। चुनाव से पहले इन्होंने घोषणा की थी समाज सेवा करेंगे। अब ये समाज को गुमराह कर रहे हैं। समाज की मां बेटियों अपमान किया है उनका कडा विरोध करते हैं। कानून इनके खिलाफ कार्यवाही नहीं करता है तो 6 को महाआंदोलन करना हम भी जानते हैं।

संक्षिप्त

मोदी परिवार के भामाशाहों का सम्मान

पावटा, (निसं)। जयपुर के भामाशाह मूल निवासी पावटा ने अपने हिस्से की बेशकीमती जमीन को समाज को दान कर मिसाल पेश की हैं। इस भूमि पर अब सभी के सहयोग से पावटा अग्रवाल महासभा द्वारा अग्रसेन महाराज के मंदिर का निर्माण करवाया जायेगा। सांवर मल मोदी व रामोतार अग्रवाल मोदी सहित समस्त मोदी परिवार समाज सेवा को समर्पित हैं। वे शिक्षा और समाज के उत्थान के लिए सहयोग करते रहते हैं। उन्होंने जमीन देने का फैसला हाल ही में पावटा अग्रवाल महासभा द्वारा मनाई जाने वाली अग्रसेन जयन्ती में घोषणा कर किया। इस नेककार्य के लिए पावटा अग्रवाल महासभा पदाधिकारी संस्थापक व्यापार मंडल किशनलाल गोयल, संरक्षक सीताराम कारौली वाले, दौलतराम ठीकरिया वाले, घनश्याम गोयल भोनावास वाले, कैलाश गर्ग छितौली, महामंत्री नवीन गर्ग, पावटा अग्रवाल महासभा पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल, एडवोकेट दीपक गोयल, सामाजिक कार्यकर्ता निर्मल पंसारी, वस्त्र व्यापार मंडल प्रवक्ता संतोष गुप्ता, वार्ड पार्षद विजय गुप्ता, अशोक मंगल, एम एम ग्रुप निदेशक मनोज मित्तल, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि गोपाल अग्रवाल, सुशील चौधरी, पंकज जिंदल, सुरेश गुप्ता, नितेश गुप्ता, धर्मेंद्र गोयल सहित बडी संख्या में अग्र बंधुओं ने मोदी परिवार का आभार व्यक्त किया व स्वागत करते हुए समानित किया।

सड़कों का शिलान्यास आज

मंडावरी, (निसं)। नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में शनिवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा करीब साढे चार करोड लागत से बनने वाली 8 किलोमीटर लंबी सडक का विधिवत शिलान्यास कर निर्माण कार्य का शुभारंभ करेंगे। अधिशासी अधिकारी नमन शर्मा ने बताया कि नगरपालिका क्षेत्र मंडावरी के विभिन्न वार्डो में मुख्यमंत्री बजट घोषणा की मुख्य सडक मेजर रिपेयर कार्य के तहत बनने वाली इंटरलॉकिंग सीसी आदि सडकों का शिलान्यास नगरपालिका कार्यालय में समारोह पूर्वक शिलान्यास करेंगे।

ई-रिक्शा चोर और खरीददार गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। शास्त्री नगर पुलिस ने ई-रिक्शा चुराने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए शातिर बदमाशों सहित चोरी का ई रिक्शा खरीदने वाले आरोपियों को भी गिरफ्तार किया हैं।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि बदमाशों के निशाने पर ई-रिक्शा रहता था और वह ई-रिक्शा चुराने के साथ साथ ई रिक्शा से बैटरी और उनके पार्टस भी चुराने का भी काम करते थे। पुलिस

■ शास्त्री नगर, सदर, विद्याधर नगर, करधनी, हरमाड़ा और झोटवाड़ा क्षेत्र में सक्रिय है गैंग

ने उनके कब्जे से चुराए हुए ई-रिक्शा बरामद कर लिए हैं। पुलिस पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ कर यह पता लगा रही है कि उन्होंने अब तक कितनी वारदातों को अंजाम दिया हैं।

थानाप्रभारी दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आरोपी अमित कुमार उर्फ मोनू (22) निवासी लोसल जिला दौसा हाल बैनाड़ रोड करधनी, किशन भार्गव उर्फ भूरिया(23) निवासी नाहरी का नाका शास्त्री नगर, शकील खान(50) निवसी हिण्डौन जिला

शास्त्री नगर पुलिस ने ई-रिक्शा चुराने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए शातिर बदमाशों सहित चोरी का ई रिक्शा खरीदने वाले आरोपियों को भी गिरफ्तार किया।

करौली हाल मोहल्ला डाकोतान बास बदनपुरा गलता गेट और श्याम स्वामी (40) निवासी स्वामी बस्ती संजय सर्किल को गिरफ्तार किया गया हैं। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में परिवादी बजरंग नगर कच्ची बस्ती निवासी शफीक ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि वह अपने ई रिक्शा को कांवटिया अस्पताल के सामने खड़ा कर रिश्तेदारों को अस्पताल में खाना देने के लिए गया था। 15 मिनट बाद वापस आया तो ई-रिक्शा गायब था। इसी तरह नाहरी का नाका शास्त्री नगर निवासी अब्दुल रशीद ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि वह अपनी बीमार मां का खाना देने कांवटिया अस्पताल के सामने ई रिक्शा खड़ा करके अंदर चला गया। कुछ देर बाद वापस आया तो ई रिक्शा गायब था।

पुलिस ने मामला दर्ज आरोपियों अमित, किशन, शकील और श्याम स्वामी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित अमित और किशन ई-रिक्शा ,बैट्री और अन्य सामान मिलकर चोरी करते है और टेम्पों में रखकर कबाडियों को सस्ते दामों में बेच कर खुर्द-बुर्द कर देते है। ई-रिक्शा चुराने वाला गिरोह शास्त्री नगर, सदर, विद्याधर नगर, करधनी, हरमाड़ा और झोटवाड़ा आदि जगह में सक्रिय हैं।

"स्मृतियों में अशोक काम्बोज" पुस्तक का विमोचन आज

जयपुर। युवा साथी संगठन की ओर से शनिवार को "स्मृतियों में अशोक काम्बोज" पुस्तक का विमोचन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इन्द्रेश कुमार और संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख स्वांत रंजन होंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री गजेन्द्रसिंह रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. महेश चंद्र शर्मा (अध्यक्ष, एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एंव विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली) करेंगे।

अनिल चौहान को सीडीएस बनाने पर आभार जताया

जयपुर। राजपूत सभा भवन जयपुर के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर जनरल अनिल चौहान को नया चीफ ऑफ डिफरेंस नियुक्त करने पर धन्यवाद किया। बालाकोट स्ट्राइक के हीरो अनिल चौहान को नया सीडीएस बनाकर राजपूत समाज की वीर परंपरा को सम्मानित किया।

सीवर सेक्शन मशीन मिलने से आमजन को मिलेगा लाभ

खाटूश्यामजी, (निसं)। स्वायत शासन विभाग द्वारा खाटूश्यामजी नगरपालिका को करीब बीस लाख रुपए लागत की सीवर सेक्शन मशीन उपलब्ध करवाई है।

नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी विशाल यादव ने बताया कि खाटूश्यामजी क्षेत्र में बरसात के दिनों में जगह-जगह भरने वाले पानी,कीचड सहित गंदे पानी के नालों में होने वाली रूकावट के चलते परेशानी का सामना करना पडता था। अब खाटूश्यामजी नगरपालिका को करीब बीस लाख रुपए की लागत से डीएलबी ने यह मशीन उपलब्ध करा दी है।

इससे अब खाटूश्यामजी क्षेत्र में गंदा पानी निकालने को लेकर परेशानी नहीं उठानी पडेगी और त्वरित कार्रवाई के साथ समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही इस मशीन से आमजन के घरों का सीवरेज के लिए भी शुल्क लगाकर खाली कराने की व्यवस्था भी जल्दी की जाएगी।

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री शिव दत्त शर्मा पुत्र श्री चन्द्र दत्त शर्मा व उर्मिला शर्मा पत्नी श्री शिव दत्त शर्मा निवासी- 5-स 19, मेडिकल कॉलोज के पास, डूपलेक्स कॉलोनी, बीकानेर (राज.) का है का पुत्र विनायक दत्त शर्मा व उसकी पत्नी निवेदिता शर्मा मेरे अभिभाष्यगण के कहने व सुनने में नही है। उसके द्वारा अनावश्यक रूप से मेरे अभिभाष्यगण को परेशान किया जाता है एवं उससे लडाई झगडा किया जाता है इसलिये मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र विनायक दत्त शर्मा व उसकी पत्नी निवेदिता शर्मा को अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है एवं उससे समरत रिश्ता तोड लिया है। उसके द्वारा किसी भी व्यक्ति, संस्था, सरकारी व अर्द्ध सरकारी संस्था से किसी भी प्रकार का लेनदेन, ऋण या आपराधिक संव्यवहार किया जाता है तो वह उसकी स्वंय की जिम्मेदारी होगी। मेरे अभिभाष्य का उस कार्यवाही से कोई लेना देना नही होगा। सूचित रहें। भवदीय
(श्रीराम शर्मा) एडवोकेट, मो. 9314454282

आम सूचना यह है कि मेरा अभिभाष्य फसीहउद्दीन के द्वारा क्रयशुदा प्लाट नं. 153, संजय नगर सी झोटवाडा जयपुर "पूर्वी भाग" का रजिस्टर्ड मूल विक्रय पत्र दिनांक 09/04/2012 क्रयशुदा एवम् "पश्चिमी भाग" रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 09/01/2012 का दस्तावेजात् मेरे अभिभाष्य से कही गुम हो गये है। काफी तलाश करने पर भी प्राप्त नही हुए है किसी को भी मिले मुझे सूचित करे।
MOHAMMAD SALIM, ADVOCATE
Mob.-9414248870

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय ने टी.आई. नम्बर 901/2022 उनवानी मोहम्मद अकील बनाम कुमारी देवी मेनन में दिनांक 28.09.2022 को प्लाट नम्बर 16, जयसिंह नगर दिल्ली बाईपास जयपुर को विक्रय एवं अन्य किसी भी प्रकार से हस्तान्तरण पर पाबन्दी लगा दी है। कोई भी नहीं खरीदे, ना ही इकरार करें। अन्यथा स्वयम् जिम्मेदार होगा।
जयपुर (अब्दुल हारून कुरैशी) एडवोकेट
दिनांक मो.-9950116133

प्रेस-विज्ञप्ति मेरे अभिभाष्य महेन्द्र कुमार सबल पुत्र स्वर्गीय गणेश राम जाति रैगर, निवासी-ग्राम सामोद तहसील चौमू, जयपुर के निवासी हैं। जो कि एक निर्माणशुदा मकान संख्या पुराना 136, नया 142, सीतारामपुरी, माचडा, सीकर रोड, जयपुर को शंकर भवन गृ.नि.स.स. जयपुर द्वारा आवंटन किया गया था जो कुल 200 वर्गगज का श्रीमती पूजा सेठी पत्नी श्री जितेश खण्डेलवाल से खरीद किया है जिस संबंध में किसी को आपत्ति हो तो 7 दिवस में संपर्क करे।
(महेन्द्र कुमार कमल) एडवोकेट, मो. नं. 9982313201

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री नवल किशोर जी गोयल पुत्र श्री मोहन दास जी गोयल निवासी प्लाट नम्बर 9, संग्राम कॉलोनी, सी- स्कीम, जयपुर के द्वारा अपने पुत्र सौरभ गोयल एवं पुत्रवधु जो कि मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है, को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति, हक अधिकारों से बेदखल कर रखा है। इस कारण आज से पूर्व तथा भविष्य में मेरे अभिभाष्य के पुत्र के द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के कार्य इत्यादि के लिए वह व्यक्तिश रूप से जिम्मेदार होगा और यदि कोई व्यक्ति मेरे अभिभाष्य के पुत्र से किसी भी प्रकार का लेन-देन, संव्यवहार करता है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।
जयपुर (अजीत कुमार शर्मा) एडवोकेट
दिनांक-30.9.2022 मो.नं.9414075285

हिंदी का महत्व श्रोताओं को बताया

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान , मानद् विश्वविद्यालय के संस्थान सभागार में हिन्दी पखवाड़ा के समापन समारोह का आयोजन कुलपति प्रो. संजीव शर्मा के निर्देशन में किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ उपकुलपति प्रो. मीता कोटेचा, प्रो. सुरेन्द्र शर्मा (विभागाध्यक्ष रोगनिदान) एवं प्रो. राममूर्ति द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनोद भारद्वाज (वरिष्ठ लेखक, पत्रकार एवं संपादक), डॉ. यशवंत व्यास (वरिष्ठ लेखक, पत्रकार एवं संपादक) को मुख्य वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया। विनोद भारद्वाज ने "आधुनिक शिक्षा प्रणाली में हिंदी की आवश्यकता" और डॉ. यशवंत व्यास ने जनसामान्य की भाषा हिंदी-क्या छूटा क्या जोडा पर प्रकाश डाला। दोनों वक्ताओं ने अपने-अपने विषय उद्बोधन से हिंदी के महत्व को श्रोताओं को बताया। साथ ही आयुर्वेद को हिंदी भाषा के साथ जोड़कर हर-जन, हर- घर तक कैसे पहुंचाया जाये इस पर भी अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यक्रम में हिंदी भाषा के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले अध्यापकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र उपकुलपति प्रो. मीता कोटेचा, प्रो. राममूर्ति एवं प्रो. सुरेन्द्र शर्मा द्वारा वितरित किये गये।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. राकेश नागर (प्रवक्ता राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान) ने किया। इन्होंने बताया कि हिन्दी का एक वर्ण भी अपने आप में पूर्ण वाक्य हो सकता है। हम हिन्दी में जितना स्वयं को अच्छी तरह से व्यक्त कर सकते हैं, उतना किसी और भाषा जो हमारी मातृ भाषा नहीं है, उसमें नही।

संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने हिन्दी में बिंदी की शक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला, हिन्दी में कोई भी वर्ण साइलेंट नहीं होता, यह भी बताया। कुलपति ने बताया कि संस्थान का अधिकांश कार्य हिन्दी भाषा में किया जाता है। अंग्रेजी का प्रयोग शिक्षण एवं अनुसंधान में आवश्यकता अनुसार किया जाता है। मरीज़ो की चिकित्सा एवं परामर्श में भी हिन्दी का उपयोग प्रमुख रूप से किया जाता है।

विशेष म्यूजिक कॉन्सर्ट आज

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर विरासत फाउंडेशन (जेवीएफ) द्वारा शनिवार, 1 अक्टूबर को जेवीएफ परिसर में शाम 6.30 बजे से विशेष म्यूजिक कॉन्सर्ट का आयोजन किया जाएगा। कॉन्सर्ट में 9 सदस्यीय ग्रुप तू भी कबीरा द्वारा प्रस्तुीत दी जाएगी। लोक संगीत भारतीय संगीत का मूल है, इसी को ध्यान में रखते हुए यह म्यूजिक कॉन्सर्ट आयोजित किया जा रहा है। इसका उदेश्य लोक और रॉक संगीत के भारतीय इतिहास से प्रेरणा लेते हुए संत कबीर दास की कविताओं और भजनों को संगीत की विभिन्न शैलियों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना है। कॉन्सर्ट के दौरान कबीर की मूल रचनाओं के साथ-साथ कुछ बहुत पसंद किए जाने वाले कबीर भजन भी प्रस्तुत किए जाएंगे। तू भी कबीरा का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर लोक संस्कृति को पुनर्जीवित करना और स्थानीय लोक कलाकारों को आय और पहचान दिलाने के लिए रोड मैप तैयार करना है। जिन्हें हमारे जीवन को आधुनिक बनाने के प्रयास में भुला दिया गया है। तू भी कबीरा अपने आप में एक विजन है, जो संगीत और मनोरंजन उद्योग में संगीत, रचनात्मकता और परंपरा के मिश्रण के रूप में और अधिक रंग जोड़ेगा।

'राज्य सरकार शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कटिबद्ध'

अलवर, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि राज्य सरकार बजट घोषणा के तहत प्रदेश में अपराधों पर नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य पुलिस चौकियों को थाने में क्रमोन्नत तथा पुलिस उपाधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय खोल रही है।

मंत्री जूली ने शुक्रवार को अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अकबरपुर पुलिस चौकी को अकबरपुर थाने में क्रमोन्नत होने पर विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि अलवर जिले की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार यह जिला राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र में शामिल है। उन्होने कहा कि अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई हेतु राज्य सरकार चौकियों को निरन्तर क्रमोन्नत कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार जताते हुए कहा कि अकबरपुर को थाने में क्रमोन्नत होने के बाद यहां अपराधों पर अंकुश लगेगा साथ ही क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था माकूल बनाए रखने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जन आकांक्षाओं को बजट की घोषणा के अनुसार निरंतर विकास कार्यों एवं घोषणाओं को अमलीजामा पहनाने में कार्य कर रहे है।

उन्होंने अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रा सहित भर्तृहरि एवं सिलीसेढ में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रा के अकबरपुर, गोपालपुरा, कालीखोल, बेरा, धर्मपुरा, खेडका, रिसाला, अहमदपुर, परसा का बास, कुशलपुरा, सारंगपुरा, मानपुरा, चांद पहाडी, निर्भयपुरा, नटनी का बारां, लालपुरा, डाबली, सिया का बास, नावली, अलापुर, माचडी, नांगल रटावत, सावडी, सावडी का बास, सूकल, कटारा, धवाला, घाटी तला, बलदेवपुरा, कालाछारा, कुशालगढ, बावडी, माधोगढ, इन्दोक, रईका सूकेला, लीलूण्डा, इम्टीपुरा, किशनपुर, परतापुर, सिलीसेढ, पीपलगढ, श्योदानपुरा, रिंगसपुरी, ढहलावास, रोगडा, बख्तपुरा, ढोबा, सीरावास, सुन्दरवास, उमरैण, पलखडी, बल्लाना को अकबरपुर थाने में सम्मिलित किया गया है।

सार्वजनिक सूचना सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य अजीमुद्दीन प्रो. नईम बुक डिपो, रामगंज, जयपुर के नाम राजस्थान कोटा कलेण्डर पंजीकृत है। इसकी नकल करने वाले पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जायेगी। सूचित रहे।
आबिद रहमानी एडवोकेट, 4302, घोड़ा निकास रोड़, जयपुर मो.-9351619665

Press Note
पंजाब नेशनल बैंक शाखा मानसरोवर द्वारा मिस्टर सूरज मल असवाल को स्वीकृत ऋण के एवज में प्रोपटी प्लॉट संख्या सी-1 -17, प्रेम विला स्कीम, पत्रकार कॉलोनी, ग्राम रामसिंघपुरा उर्फ धोलाई तहसील सांगानेर जयपुर के दस्तावेज (Certified कॉपी) बंधक रखे जाने हैं यदि किसी भी आमजन को इस पर कोई आपत्ति है तो निम्नलिखित पते व मोबाइल पर सूचित करें
शाखा प्रबन्धक पंजाब नेशनल बैंक
3/3 एसएफएस मानसरोवर जयपुर 8003693634
वरिष्ठ प्रबन्धक/Senior Manager
मानसरोवर, जयपुर/Mansarovar, Jaipur

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
क्रमांक:- DHC-II/1793 जाहिर आम सूचना दिनांक: 30/09/22
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 112/312, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 52.52 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन सुशीला शर्मा पुत्री श्री सांवर मल शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1882 दिनांक 27.01.1988 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 01.03.1988 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 7138 दिनांक 08.11.2006 के द्वारा श्रीमती कृष्णा भाटिया पत्नी श्री चन्द्रभान भाटिया के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 2947 दिनांक 05.03.2013 के द्वारा श्री दिवाकर भाटिया पुत्र श्री चन्द्रभान भाटिया के नाम मृत्यु पश्चात हस्तान्तरण कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 20.03.2013 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री दिवाकर भाटिया की मृत्यु दिनांक 14.05.2021 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती कविता भाटिया पत्नी स्व. श्री दिवाकर भाटिया ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं उत्तराधिकारियों का हकत्याग प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। श्रीमती कविता भाटिया पत्नी स्व. श्री दिवाकर भाटिया के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त आवास का मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती कविता भाटिया पत्नी स्व. श्री दिवाकर भाटिया के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
(राजस्व-द्वितीय प्रकोष्ठ)
क्रमांक : एफ-6() उपा.राज.-द्वितीय(सा.प्र.)/ननिज./2022/1343
सार्वजनिक सूचना दि. 22.09.2022
मूल भूखण्ड संख्या ए-10, मोती डूंगरी योजना, जयपुर का अर्बन इम्प्रूवमेंट बोर्ड, जयपुर द्वारा श्री शमशेर सिंह के नाम से क्षेत्रफल 1588.8 वर्गगज भूमि का आवंटन एवं पट्टा जारी किया गया था। श्री शमशेर सिंह पुत्र श्री शेर सिंह द्वारा भूखण्ड संख्या ए-10, मोती डूंगरी योजना, जयपुर क्षेत्रफल 1588.8 वर्गगज श्री रविन्द्रनाथ मुखर्जी को बेचान किया गया। इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या ए-10, मोती डूंगरी योजना, जयपुर श्री आर. मुखर्जी के नाम से नाम हस्तान्तरण जारी किया गया। श्री आर. मुखर्जी की मृत्यु उपरान्त नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा उक्त भूखण्ड श्रीमती सुजाता मुखर्जी पत्नी स्व. श्री आर. मुखर्जी एवं श्री अनुराधा मुखर्जी पुत्र स्व. श्री आर. मुखर्जी के नाम से संयुक्त नाम हस्तान्तरण पत्र जारी किया गया। श्री अनुराधा मुखर्जी पुत्र स्व. श्री आर. मुखर्जी एवं श्रीमती सुजाता मुखर्जी पत्नी स्व. श्री आर. मुखर्जी द्वारा उक्त भूखण्ड को 1. श्री डी.पी. गुप्ता 2. श्रीमती सरोज गुप्ता 3. श्री प्रदिप गुप्ता को बेचान किया गया। नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या ए-10, मोती डूंगरी योजना, जयपुर 1. श्री डी.पी. गुप्ता 2. श्रीमती सरोज गुप्ता 3. श्री प्रदिप गुप्ता (कर्ता हिन्दु संयुक्त परिवार श्री डी.पी. गुप्ता) के नाम से संयुक्त नाम हस्तान्तरण जारी किया गया। श्री डी.पी. गुप्ता पुत्र स्व. श्री गणेशी लाल द्वारा भूखण्ड संख्या ए-10, विजय पथ, तिलक नगर, जयपुर क्षेत्रफल 1588.8 वर्गगज श्री रश्मिकान्त दुर्लभजी, श्रीमती सुषेषा दुर्लभजी, श्री मेहुल दुर्लभजी एवं कुमारी मोनिशा को बेचान किया गया। जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या ए-10, योजना तिलक नगर, जयपुर क्षेत्रफल 1588.8 वर्गगज श्री रश्मिकान्त दुर्लभजी के नाम से नाम हस्तान्तरण पत्र जारी किया गया। जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या ए-10, योजना तिलक नगर, जयपुर क्षेत्रफल 1588.8 वर्गगज श्री रश्मिकान्त दुर्लभजी के साथ-साथ श्रीमती सुषेषा दुर्लभजी, श्री मेहुल दुर्लभजी, कुमारी मोनिशा के नाम संशोधित नाम हस्तान्तरण जारी किया गया। श्रीमती सुषेषा दुर्लभजी पत्नी स्व. श्री रश्मिकान्त दुर्लभजी द्वारा उक्त भूखण्ड में से अपना 1/4 अविभाजित हिस्सा अपनी पुत्री मोनिशा बाफना के पक्ष में रजिस्टर्ड वसीयतनामा निष्पादित की गई। श्रीमती सुषेषा दुर्लभजी की मृत्यु उपरान्त आवेदिका द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, नाम हस्तान्तरण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, रजिस्टर्ड वसीयतनामा, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा मोनिशा प्रशांत बाफना पुत्री स्व. श्री रश्मिकान्त खेलशंकर दुर्लभजी के पक्ष में क्षेत्रफल 397.22 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व-द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी। (सोहन राम चौधरी) उपायुक्त(राजस्व-द्वितीय) नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

राज्य स्तरीय समारोह कल

जयपुर, (का.सं.)। जिला कलैक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती एवं विश्व अहिंसा दिवस 2 अक्टूबर के अवसर पर सवाई मानसिंह स्टेडियम में प्रातः 9 बजे सर्वधर्म प्रार्थना सभा का राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। कलैक्टर ने बताया कि गांधी सप्ताह के दौरान 2 से 8 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि 2 अक्टूबर को विश्व अहिंसा दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तर एवं उपखंड स्तर पर श्रंद्धाजली सभा आयोजित की जायेगी। 3 अक्टूबर को उपखंड स्तर पर अहिंसा-सामाजिक चेतना पर संगोष्ठी, 4 अक्टूबर को जिला मुख्यालय महाविद्यालय स्तर पर गांधी दर्शन भाषण प्रतियोगिता, 5 अक्टूबर को उपखंड स्तर पर गांधी के सपनों का भारत विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता, 6 अक्टूबर को जिला स्तर पर गांधी अतीत ही नहीं भविष्य भी है विषय पर सेमीनार, 7 अक्टूबर को पीस मैराथन एवं 8 अक्टूबर को जिला स्तर पर महाविद्यालय के छात्रों हेतु गांधी जीवन पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

न्यायालय उपतहसीलदार रामपुराडाबड़ी जिला-जयपुर
क्रमांक -भू.अ.-2022- 2425 **सार्वजनिक सूचना** दि. 30.09.2022
सर्वसाधारण आम या खास को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का विचाराधीन प्र.स. 35/2022 में प्रार्थी श्री वासुदेवसिंह, सहदेवसिंह वगै. जाति-चारण नि. ग्राम हरमाडा ने प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर ग्राम-हरमाडा के ख.न. 250, 251, 252 कुल किता 03 रकबा 0.24 हेक्टे. के मृतक खातेदार रघुवीरसिंह पुत्र शिवदयालसिंह हि.1/5 के स्थान पर प्रस्तुत दस्तावेज समझौता-पत्र में मृतक रघुवीरसिंह द्वारा व्यक्त की गई अंतिम इच्छा अनुसार प्रार्थीगणों ने स्वयं के नाम नामान्तरण खुलवाना चाहा है। अतः प्रकरणागत आराजी के संबंध में मृतक रघुवीरसिंह के वारिसान या किसी अन्य आम/खास को आपत्ति/ एतराज हो या अन्य कोई दस्तावेज हो तो मय साक्ष्य सबूतों के सार्वजनिक सूचना प्रकाशित होने की दिनांक से अन्दर 10 दिवस में किसी भी कार्यदिवश को हस्तगत न्यायालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करे। बाद मियाद कोई उज्/ एतराज नही सुना जाकर प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा। सूचित रहे। **उपतहसीलदार**
रामपुराडाबड़ी जिला- जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone NO. 0141-2782772
क्रमांक- DHC-II/1764 दिनांक-29.9.22
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 30/22/06, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 22.24 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री बनवारी लाल रूंगटा पुत्र श्री शंकर लाल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 821 दिनांक 01.11.1989 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 30.11.1989 को प्राप्त कर लिया गयाथा। इसके पश्चात श्री बनवारी लाल रूंगटा की मृत्यु दिनांक 18.7.2002 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री चन्द्रकान्त रूंगटा पुत्र स्व. श्री बनवारी लाल रूंगटा ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। श्री चन्द्रकान्त रूंगटा पुत्र स्व. श्री बनवारी लाल रूंगटा के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त आवास का मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया है।अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री चन्द्रकान्त रूंगटा पुत्र स्व.श्री बनवारी लाल रूंगटा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

आम सूचना सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री धर्मपाल पुत्र स्व. श्री पुरखा राम के स्वामित्वाधिकार की सम्पत्ति आवासीय प्लाट नम्बर -116, श्री कल्याण विहार-प्रथम, ओतडावाला रोड, ग्राम-शिकारपुरा, तहसील-सांगानेर, जिला-जयपुर, राजस्थान में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 100.00 वर्गगज है, तथा उक्त सम्पत्ति श्री पुरखा राम को लुनियावास गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा आवंटित किया गया था तत्पश्चात श्री पुरखा राम का स्वर्गवास हो गया था उनके स्वर्गवास के पश्चात उनके सम्पत्ति के मालिक उनके वारिसान हुये, उनकी पत्नी श्रीमती कुल्छी देवी, तीन पुत्र श्री बहादुर राम, श्री पवन भाटव श्री धर्मपाल एवं उनकी दो पुत्रियां श्रीमती प्रियका देवी व श्रीमती ममता देवी उक्त सम्पत्ति के संयुक्त रूप से मालिक स्वामित्व व काबिज हुये इनके अलावा इनके कोई ओर उत्तराधिकारी व वारिसान नहीं है, तत्पश्चात उनकी पत्नि श्रीमती कुल्छी देवी, दो पुत्र श्री बहादुर व श्री पवन भाट एवं दो पुत्रियां श्रीमती प्रियका देवी व श्रीमती ममता देवी इन सभी के द्वारा श्री धर्मपाल को दिनांक 06.02.2022 ईस्वी को अपना -अपना 1/6 हिस्सा हक त्याग पत्र द्वारा अपना-अपना मालिकाना हक दे दिया जिस हक त्याग पत्र का पंजीयन उप पंजीयन उप पंजीयन कार्यालय सांगानेर द्वितीय के यहां पंजीकृत है इस पंजीकृत हक त्याग के द्वारा श्री धर्मपाल सम्पूर्ण रूप से एकमात्र मालिक स्वामी व काबिज हुआ। तथा श्री धर्मपाल द्वारा इण्डिया शेल्टर फाईनेन्स कॉपारेशन लिमिटेड से गृह ऋण प्राप्त कर रहे है।तथा उक्त ऋण बाबतकिसी भी व्यक्ति/संस्था/बैंक या अन्य किसी भी पक्ष को किसी प्रकार की आपत्ति या आक्षेप हो तो निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता को अन्दर मियद 7 दिवस में मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधि अनुसार शून्य मानी जावेगी।
सुरेश चन्द शर्मा, एडवोकेट
मो.09214318413, AD/7A, देवी मार्ग बनीपार्क जयपुर-302016

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 93/2022
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्रीमती भगवती पत्नी देशराज सिंह गुर्जर, मकान नं.11, मुण्डघिस्या दौसा राजस्थान 303506 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत गिरिराज प्रसाद घूरैया फांउडेशन, दौसा राजस्थान प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, मे हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 1.09.2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 9.11.2022
मोहर अदालत
रतनलाल योगी
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

आजादी के 75 वर्ष बाद भी दलितों पर अत्याचार बढ़ रहे हैं : डॉ.रमेश बैरवा

जयपुर, (निसं)। दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) सीकर का जिला कन्वेंशन कल्याण सर्किल स्थित गोपाल भवन में आयोजित हुआ। इसमें 21सदस्यीय संयोजक मंडल का गठन हुआ। संयोजक मंडल में सुरेंद्र फुलवारिया जिला संयोजक, ओमप्रकाश, भंवर लाल पंवार, हेमाराम,रतन लाल सिंघल, महेश पालीवाल, ज्योति पंवार सह संयोजक तथा शुभकरण, कुलदीप, किशनलाल महरिया, श्रीकांत महरिया, बंशीधर तिरदिया, अनिल वर्मा, गोपाल पंवार, अशोक वर्मा, बाबू लाल वर्मा, चेताराम संयोजक मंडल के सदस्य चुने गए। सम्मेलन में विभिन्न तहसीलों से बडी संख्या में प्रतिनिधि शामिल हुए।

मुख्य अतिथि डीएसएमएम प्रदेश सहसंयोजक एवं बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर में राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ.रमेश बैरवा ने उद्घाटन भाषण देते

डीएसएमएम का जिला सम्मेलन में 21 सदस्यीय संयोजक मंडल चुना गया।

हुए आक्रोश प्रकट किया कि देश आजादी के 75 वर्ष पूरे कर चुका है। संविधान लागू हुए 72 साल हो चुके हैं। अमृतकाल का आगाज किया जा चुका है लेकिन हम शहीदों और बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर के सपनों का समतामूलक भारत नहीं बना पाए। बडी शर्मिंदगी होती है यह जानकर कि देश में दलितों पर जुल्म और ज्यादती तेजी से बढ रहे हैं,जोकि लोकतंत्र एवं देश की एकता के लिए शुभकर नहीं है। प्रतिदिन 140 दलित उत्पीडन के

■ बढ़ते दलित उत्पीड़न के खिलाफ साझा संघर्ष को तेज करने का आव्हान

शिकार होते हैं। प्रतिदिन 3 दलितों की हत्या होती है। प्रतिदिन 11 दलित महिलाओं के साथ दुष्कर्म होते हैं। प्रतिदिन 42 दलितों के साथ मारपीट कर चोट पहुंचाई जाती है जिनमें जानलेवा हमले भी हैं। यह हाल तो तब है जब बडी संख्या में दलितों के साथ अत्याचार की रिपोर्ट थानों में जल्दी से दर्ज ही नहीं की जाती। उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान इन 3 राज्यों में अकेले 55 प्रतिशत दलित अत्याचार घटना घटित हुई हैं। सभ्य समाज के लिए बडे शर्म की बात तो यह है कि दलित महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाओं में पिछले 20 वर्ष में 196 प्रतिशत की बढोतरी हुई है।

नगर पालिका ने घंटाघर पर रिनोवेशन का कार्य शुरू कराया

किशनगढबास, (निसं)। नगर पालिका ने शहर के मुख्य बाजार स्थित घंटाघर के रिनोवेशन के लिए पटेल कंस्ट्रक्शन को 3 लाख 54 हजार 420 रुपए का ठेका दिया है। यह कार्य कनिष्ठ अभियंता की देखरेख में 2 माह में पूरा किया जाना तय है। करीब 6 माह पहले अज्ञात कारणों से आग लगने पर घंटा घर जलकर स्वाह हो गया था। जिसे 5 साल पहले नगर पालिका ने लाखों रुपया खर्च कर तैयार कराया था। मजेदार बात यह है कि अधिकारी इस बार भी घंटाघर पर घडी लगाए जाने के लिए बजट में राशि पारित करना भूल गए हैं।

आग से जलकर स्वाह हुए घंटाघर के रिनोवेशन पर इस बार पालिका से 3 लाख 54 हजार रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इस राशि में रिनोवेशन करने वाली एजेंसी पटेल कंस्ट्रक्शन को दिए गए टेंडर में रोडी

■ स्टीमेट को लेकर चर्चा, घड़ी का लगाया जाना टेंडर में शामिल करना भूले अधिकारी

बजरी सीमेंट से लेकर ऊपर स्ट्रेचर तैयार करने के लिए एक एक सामान पर खर्च होने वाले पैसे व उपयोग में ली जाने वाली सामग्री का पूर्ण विवरण दिया गया है। इस पूरे निर्माण में कहीं पर भी नगर पालिका ने घडी लगाए जाने की बात नहीं की है और ना ही घडी के लिए कोई बजट खोला है। बिना घडी लगे घंटाघर भी अधूरा लगता है। करीब 5 साल पहले भी पालिका अधिकारी घंटाघर के पर लाखों खर्च करने के बाद घडी लगाना भूल गए थे। यह रिनोवेशन कार्य पालिका कनिष्ठ अभियंता की देखरेख में गुणवत्तापूर्ण कराया जाना है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022
अभिषेक कुमार, संपर्क नम्बर-7230013999-9874702021 ई-मेल-abhishek.kumar30@idfcfirstbank.com
IDFC FIRST Bank

परिशिष्ट-IV-ए
(नियम 8 (6) का प्रावधान देखें)
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री करने के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद् द्वारा जनसाधारण को तथा विशेष रूप से कालम (ii) के अनुसार ऋण ग्रहिता(ओ) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) को सूचित किया जाता है कि कालम (iii) के अनुसार नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों जो सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित रखी गयी है, तथा इन सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड जो पहले आईडीएफसी बैंक लि.के नाम से जाना जाता था, के प्राधिकृत अधिकारी ने ले लिया है। इन सम्पत्तियों की बिक्री 30.09.2022 को "जहाँ है जैसी है", "जो कुछ है यह है" तथा "जो कुछ है वहाँ है" के आधार पर, जेसा नीचे वर्णित है, कालम (i) के अनुसार ऋणग्रहिता (ओं) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता था (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड) को बकाया राशी की वसूली के लिये की जायेगी।

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तो के लिये क्रमशः आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वेब साइट पर उपलब्ध कराये गये लिंक, अर्थात http://idfcfirstbank.auctiontiger.net/EPROC को देखें।"

क्रम सं.	डिमांड नोटिस तिथी एवं राशि	ऋण	ऋण ग्रहिता (ओं) एवं सहऋणग्रहिता (ओं) के नाम	सम्पत्ति का पता	शाखा कार्यालय	राज्य	आरक्षित मूल्य राशि	ईएमडी राशि	ईएमडी तथा दस्तावेज जमा कराने का अन्तिम समय व तिथि (आनलाइन) तक/पहले	निलामी की तिथि तथा समय	सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि तथा समय	अधिकृत अधिकारी विवरण
1	23.06.2001 को रूपये 1227255.67/-	14024496	सुशील कुमार	यूनिट नं.एस-1, क्षेत्रफल 785.83 वर्गफिट, दूसरी मंजिल, 'श्री सांवरिया रेजीडेन्सी-6', प्लाट नं. 1-110, मंगलम सिटी विस्तार, ब्लाक-1, ग्राम पीथावास एवं निरवारू (हाथोज), कलवाड रोड, तहसील व जिला-जयपुर, राजस्थान, सीमायें है-पूर्व-प्लाट नं.1-105, पश्चिम-रोड 30 फिट, उत्तर-प्लाट नं.1-109, दक्षिण-प्लाट नं.1-111	जयपुर	राजस्थान	रूपये 1376000/-	रूपये 137600/-	02.11.2022 को सायं 5.00 तक	03.11.2022 प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक	25.10.2022 प्रातः 11.00 से सायं 4.00 तक	अभिषेक कुमार सम्पर्क नम्बर 7230013999 9874702021, ईमेल-abhishek.kumer30@idfcfirstbank.com

अस्वीकरण- कृपया ध्यान दें कि यह नोटिस केवल अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए जारी किया गया है तथा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को चल सम्पत्तियों को बेचने का अधिकार नहीं है, यदि कोई, अचल सम्पत्ति पर मौजूद हो।
ह./-
प्राधिकृत अधिकारी
दिनांक- 29.09.2022
स्थान- जयपुर
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड, पूर्व में आईडीएफसी बैंक के नाम से जाना जाता था
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड)

शोक सन्देश
अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि
श्रीमती सरिता देवी
पत्नी महेंद्र तिवाडी का स्वर्गवास 28.9.22 को हो गया है।
शोकाकुलः रामस्वरूप, कैलाश, लालचंद, रामअवतार चंद्रप्रकाश, कमल किशोर, (ससुर), श्यामसुंदर, जितेंद्र (जेठ), मनीष, अनिल, निखिल (देवर) आरव (पुत्र) एवं समस्त तिवाडी परिवार कालवाड वाले।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम Vijay Kumar Lalwani से बदलकर Vijy Lalvani पुत्र भगवान दास रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी-114/370, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

मैंने अपना नाम मोहम्मद फरीद से बदलकर फरीद खान रख लिया है भविष्य में मुझे फरीद खान पुत्र अब्दुल गनी निवासी 3042 डूमो का कुआं रेगरों की कोठी, घाटगेट, जयपुर के नाम से जाना जावें।

I Harman Ram Saran S/o Bhanwar Lal R/o Ward No-05, Gav-Udasar, Bikaner, Rajasthan-334804, have changed my name to Hanuman Saran

खोया पाया
ID Card of ICICI Bank Ajay Choudhary Card No. 270854 has been lost if any one found please inform us on Mo. No.-9057224635

मेरे प्लाट नम्बर एस-66, स्पेशल इकोनामीक जोन, (SEZ) खटवाडा के मूल दस्तावेज जिनमें पट्टा, साइट प्लान, रसीद है, खो गये हैं। मिलने पर सूचित करें- विशाल कायत पुत्र स्व. श्री रामप्रसाद कायत, निवासी- पी-20, अम्बेडकर कॉलोनी, अशोकपुरा, सोडाला, जयपुर।

मेरे प्लॉट 361-ए, प्रताप नगर विस्तार, मुरलीपुरा का जेडीए पट्टा, साइट प्लान रसीदे एवं अन्य जरूरी कागजात खो गये है मिलने पर सूचित करें- दिनेश कुमार अग्रवाल-9414788224

संक्षिप्त

माया सुवालका सदस्य मनोनीत

टोंक/देवली, (निसं)। राज्य सरकार के आदेशानुसार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव हरि मोहन मीना ने राजस्थान राज्य वरिष्ठ नागरिक बोर्ड में टोंक जिले से बाल कल्याण समिति टोंक की पूर्व अध्यक्ष माया सुवालका को सदस्य मनोनीत किया गया है। इस पर जिले के सामाजिक सेवा के क्षेत्र के जुडे लोगों ने उन्हे बधाई दी। वर्तमान में माया सुवालका प्रदेश महासचिव शिक्षा प्रकोष्ठ राजस्थान कांग्रेस कमेटी जयपुर, अखिल भारतीय राष्ट्रीय महिला महासचिव सर्वगीय जायसवाल कलाल महासभा, अध्यक्ष महिला राजस्थान हैहय वंशी कलाल महासभा है।

माया सुवालका

तीन वर्ष से फरार आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना पुलिस ने लगभग 3 वर्ष से फरार चल रहे एनडीपीएस एक्ट के आरोपी को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मोहर सिंह पुत्र हजारी जाति यादव 57 साल निवासी बालावास प्रागपुरा थाना के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में फरार चल रहा था। गठित टीम प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह, हेड कांस्टेबल संतलाल, कांस्टेबल रामजीलाल द्वारा अपनी सूझबूझ से आसूचना एकत्रित कर मुखबिर की सूचना व 3 दिन तक दिन व रात अथक प्रयास करते हुए संभावित स्थानों को चिन्हित करते हुए अपराधी के हुलिये के आधार पर हर सुक्ष्म जानकारी एकत्रित कर आरोपी मोहर सिंह को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की।

सीता देवी व रामबिलास अध्यक्ष

निवाई, (निसं)। ग्राम सेवा सहकारी समिति जामडोली व बहड में चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी गिर्राज चौधरी ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए सीता देवी व भैरूलाल चौधरी ने पर्चा दाखिल किया। जिसमें में सीता देवी को 7 मत मिले तथा उनके प्रतिद्वद्वी को भैरूलाल 4 मत मिले जिसमे सीता देवी 3 मतों से विजयी रही। इसी प्रकार जामडोली में अध्यक्ष के पद के लिए रामबिलास मीणा व बजरंगलाल मीणा अपना नामांकन दाखिल किया। जिसमें दोनों प्रत्याशियों को बराबर मत मिले। निर्वाचन अधिकारी द्वारा दोनों प्रत्याशियों की आम सहमति से लॉटरी निकाली गई जिसमें रामबिलास मीणा को विजयी घोषित किया। अध्यक्ष बनने पर ग्रामीणें ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

इस्हाक नकवी महासचिव

मालपुरा, (निसं)। भारतीय किसान मजदूर यूनियन सिंघानिया के प्रदेशाध्यक्ष नईम अली ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एसके सिंघानिया की और से अल्पसंख्यक प्रदेशाध्यक्ष कमरूदीन बुगडिया की अभिषंशा पर मालपुरा निवासी मो. इस्हाक नकवी को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रदेश महासचिव मनोनीत करते हुए नियुक्ति पत्र जारी किया गया। इस्हाक नकवी को महासचिव बनाये जाने पर संगठन से जूडे पदाधिकारियो व शुभचिन्तको ने बधाई दी। तो नवनियुक्त महासचिव ने संगठनहित मे संगठन की मजबूती के लिए कार्य किये जाने का विश्वास दिलाया। राजस्थान राज्य बॉलमिंटन संघ की नवीन कार्यकारिणी के हुए चुनाव मे डॉ. राजपाल शर्मा को अध्यक्ष, सोकत अली मंसुरी महासिचव, लक्ष्मीकांत शर्मा कोषाध्यक्ष व मो. इस्लाम नकवी को उपाध्यक्ष का दायित्व सोंपा गया।

फूड लाइसेंस के 180 आवेदन

थानागाजी, (निसं)। खाद्य विभाग द्वारा आयोजित कैंप में फूड लाइसेंस के 180 आवेदन प्राप्त है। कस्बे के नारायणपुर रोड स्थित कोहिनूर गार्डन में खाद्य विभाग द्वारा फूड लाइसेंस के लिए आयोजित एक दिवसीय कैंप में 180 आवेदन प्राप्त किए गए। खाद सुरक्षा अधिकारी केशव गोयल ने बताया कि मौके पर प्राप्त आवेदनों में से 21 आवेदन ऑनलाइन कर लाईसेंस व्यापारियों को सौंपे गए। वही शेष आवेदनों का ऑनलाइन पंजीयन कर लाइसेंस उपलब्ध करवाए जाएंगे। शिविर में खाद विभाग के रोशन लाल यादव, केसरी नंदन शर्मा, ऑपरेटर अतुल गुर्जर थानागाजी व्यापार मंडल अध्यक्ष मोनू राजगढिया, राधेश्याम चावंडिया, महेश सैनी, पप्पू धौकरिया, पूरणमल शर्मा, मोहन खोज, रतन लाल सैनी, उपस्थित रहे।

चिकित्सा मंत्री ने साढ़े चार करोड़ लागत की सड़कों का किया शिलान्यास

■ '19 सड़कों का होगा निर्माण, आवागमन सुविधाजनक होगा'

लालसोट, (निसं)। करीब साढे चार करोड लागत से बजट घोषणा अंतर्गत नगर पालिका लालसोट में मुख्य सड़कों के मेजर रिपेयर कार्य का चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा द्वारा शुक्रवार को विधिवत शिलान्यास किया गया। चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा चेयरमैन रक्षा मिश्र एवं वाइस चेयरमैन संतोष स्वामी एवं प्रदेश स्वायत शासन संस्था के उपाध्यक्ष पूर्व चेयरमैन दिनेश मिश्र सहित कई पार्षदों की मौजूदगी में बजट घोषणा के तहत नगरपालिका में बनने वाली 19 सडकों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

चिकित्सा मंत्री मीणा ने शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछली बजट घोषणा के तहत चार करोड रुपए लागत की दस सडक का कार्य नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में हुआ है। वहीं मौजूदा वित्तीय वर्ष में बजट घोषणा की कुल 19 सडकों के मेजर रिपेयर कार्य से नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड की सुंदरता बढेगी एवं आवागमन ज्यादा सुविधाजनक होगा। मंत्री मीणा ने बताया कि मुख्य सडकों का मेजर रिपेयर कार्य सीमेंट कांक्रीट सडक बीटी सडक एवं इंटरलॉकिंग टाइल के रूप में किया जाना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका के चेयरमैन रक्षा मिश्र ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष की दस मुख्य सडकों के मेजर रिपेयर का कार्य लगभग पूरा होने को है। वहीं इन 19 सडकों को भी पूरी गुणवत्ता पूर्ण बनाकर सरकार की जवाबदेही पारदर्शी संवेदनशील सरकार होने की मिसाल कायम की जाएगी। उन्होंने बताया कि इन सभी सडकों का छह माह में कार्य पूरा करवाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अधिशासी अधिकारी सीमा चौधरी, कनिष्ठ अभियंता बस राम मीणा सुरेश शर्मा आर आई संतोष मीणा, केशियर उल्लास अग्रवाल, एटीपी रणधीर मीरवाल, रघु तिवारी पंचायत समिति प्रधान एडवोकेट नाथू लाल मीणा, नगर अध्यक्ष राजेंद्र पांखला, पीसीसी सदस्य रामविलास खेमावास, पार्षद मीना जोशी, रीना महावर, सद्दाम हुसैन, इरफान खान, जीतू बडाया, राजेश सैनी, हंसराज सैनी, विजय गुर्जर, मोनू शर्मा, सिराज मोहम्मद, विष्णु साहू, पुर्व पार्षद शंकर जमात आदि कई पार्षद के अधिकारी मौजूद रहे।

चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा (बाये से प्रथम) एवं चेयरमैन रक्षा मिश्र (बाये से द्वितीय) ने मुख्य सड़कों के मेजर रिपेयर कार्य का शिलान्यास किया।

साधारण सभा की बैठक मंत्री व पार्षदों की नोकझोंक की बलि छड़ी

■ चिकित्सा मंत्री ने पार्षदों को विकास में बाधक नहीं बनने की नसीहत दी

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय स्थित पंचायत समिति सभागार में आयोजित हुई नगरपालिका लालसोट बोर्ड की बैठक उस समय हंगामेदार हो गई जब बैठक में मौजूद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा एवं कुछ पार्षदों के बीच नोकझोंक हो गई।

बैठक के दौरान अधिशासी अधिकारी सीमा चौधरी द्वारा बनाए गए पट्टों के अनुमोदन की बात कहने पर कुछ पार्षदों द्वारा असहमति जताई गई। बैठक में मौजूद चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा समझाइश की गई लेकिन तनातनी के साथ नोकझोंक बढने पर कुछ पार्षदों द्वारा भेदभाव का आरोप लगाते हुए बोर्ड की बैठक को बीच में छोड दिया गया। इन पार्षदों द्वारा बोर्ड बैठक के बाहर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया गया। वही मामले को लेकर चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा पार्षदों को नसीहत देते हुए कहा गया कि पार्षद नगर पालिका विकास में सहायक बने बाधक नहीं बने।

चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा बैठक में अधिशासी अधिकारी एवं चेयरमैन को दो अक्टूबर गांधी जयंती पर ज्यादा से ज्यादा पट्टे वितरण करने सहित किसी का भी पट्टा बिना कारण नहीं रुके एवं आपत्तियों का तुरंत समाधान कर सकता बनाने के लिए निर्देशित किया गया। वही मंत्री मीणा द्वारा शहरी नरेगा का ज्यादा से ज्यादा पात्र लोगों को लाभ देने की बात कही। वहीं इस मामले को लेकर नगर पालिका चेयरमैन रक्षा मिश्र ने साफ-साफ कहा कि वे इस तरह पार्षद के दबाव में नहीं आएगी एवं किसी प्रकार का कोई गलत कार्य करने को मजबूर नहीं होगी। बैठक के दौरान पार्षदों द्वारा लंबित पदों को जल्द बनाने एवं कई कॉलोनियों में नहीं बन रहे आवासीय पट्टा को लेकर प्रक्रिया शुरू करने की मांग की गई।

इस दौरान पार्षदों द्वारा पूछे जाने पर अधिशासी अधिकारी द्वारा 1975 आबादी के बने पट्टों के परिवर्तन संबंधी जानकारी प्रदान की गई। बोर्ड बैठक के दौरान एसडीएम मोहर सिंह मीणा, पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार गोयल, तहसीलदार मदनलाल मीणा, अधिशासी अधिकारी सीमा चौधरी, प्रधान नाथू लाल मीणा, वाइस चेयरमैन संतोष स्वामी, आर आई संतोष मीणा, कनिष्ठ अभियंता बस राम मीणा, सुरेश शर्मा सहित कई पार्षद अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

राम बारात में उमड़े श्रद्धालु, तोरण-वरमाला की रस्म अदा

निवाई, (निसं)। नगर पालिका के तत्वावधान में संचालित रामलीला में भगवान राम की बारात निकाली गई। शाही लवाजमें के साथ राम बरात गणगौरी बाजार स्थित कंकाली माता मंदिर से रवाना हुई।

नगर पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने विधिवत पूजा अर्चना कर राम बारात को रवाना किया। राम बारात में भगवान राम, भरत, लक्ष्मण व शत्रुघ्न अलग-अलग घोडियों पर सवार थे। बारात के जुलूस में भगवान चारभुजा नाथ मंडल के कार्यकर्ता रामधुनी करते हुए चल रहे थे। श्रद्धालु डीजे के मधुर भजनों पर नाचते गाते चल रहे थे। राजा दशरथ बग्गी पर सवार थे। राम बरात में सैकडों महिला-पुरूषों ने उत्साह से भाग लिया। जुलुस गणगौरी बाजार, चौहट्टी बाजार, बिलाला मार्केट होते हुए बडा बाजार, बस स्टैंड एवं अहिंसा सर्किल से झिलाय रोड होते हुए भगत सिंह कॉलोनी पहुंची। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर बारात का लोगों ने स्वागत किया। भगतसिंह कालोनी पहुंचने पर श्रद्धालु नेहरु बडागांव के निवास पर भगवान राम ने तोरण मारने की रस्म अदा की गई। इस दौरान वरमाला की रस्म अदा की गई। इस दौरान धर्म चन्द,सुरेश जैन, निर्मला, उर्मिला, अनिता बडगांव परिवार द्वारा सीताजी की छोल भरवाकर जय माला की। इस दौरान पार्षद नितिंन छाबडा, सुनील कुमार, मनीष मित्तल, ललित बिंदल, राकेश कुमार, बंटी, राकेश सेन, पवन पराना, अंकेश गुप्ता, सपना छाबडा,अंजू मित्तल सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर भगवान राम एवं सीता जी को भोजन एवं सभी बारातियों को नाश्ता करवा कर बारात को रवाना किया। राम बरात प्रताप स्टेडियम में संचालित रामलीला मंच पर पहुंची। जहां पर मुख्य अतिथि तहसीलदार प्रांजल कंवर, नगर पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी सहित सभी पार्षदों एवं गणमान्य लोगों ने भगवान राम की आरती उतार कर रामलीला का शुभारंभ किया। इस दौरान रावण एवं जनक संवाद का मंचन करते हुए भगवान शिवजी के धनुष का वर्णन किया। इस दौरान राम बारात में पालिका उपाध्यक्ष जितेन्द्र चवरिया, पारस पहाडी, महावीर पराना, परसराम कुमावत, महेन्द्र सारसोप, प्रदीप पारीक, दुर्गाशंकर सेन, भानु कुमावत, गिर्राज चौधरी, अनिल तम्बोली, विनोद जायसवाल, शंकर सैनी, बाबूलाल सैनी, कमलेश किराड, गोपाल पारीक, घासी जैन, राकेश जैन, शिवराज चंवरिया, अविनाश पारीक, रवि अग्रवाल एवं आनन्द पारीक आदि शामिल थे।

शाही लवाजमें के साथ राम बरात निकाली गई।

लंपी बीमारी को लेकर घांस भैरु की सवारी निकाली

■ मानव, मवेशियों के स्वस्थ रहने की मनोकामना की

उनियारा/चौरु, (निसं)। उनियारा उपखंड क्षेत्र चौरू में शुक्रवार को समूचे ग्रामीणों द्वारा बालाजी मंदिर से घास भैरू की सवारी ढोल नगाडों के साथ, पूजा अर्चना के बाद निकाली गई। जो गांव के मुख्य मार्गो से होकर समूचे गांव के बाहर भी निकाली गई। घास भैरू की सवारी के दौरान रस्सियों से खींच कर (लाव) ग्रामीणों द्वारा खींचा गया।

घास भैरू की सवारी के साथ ग्रामीण गंगाजल, अक्षत, तिलक लेकर समूचे गांव में घास भेरू की सवारी के साथ विधिवत पूजा अर्चना करते हुए चलते रहे। बालाजी हनुमान मंदिर, कंकाली माता से होकर देलवाजी परिसर से निकाल गुर्जरों का मोहल्ला होते हुए घास भैरू की सवारी प्रारंभ हुई जो दो घंटे बाद गांव के चक्कर लगाने के बाद बालाजी के मंदिर पर पहुंची। जहां घास भैरू की सवारी का समापन किया गया।

घास भेरू लोक देवता होने के कारण समूचे गांव के ग्रामीणों ने सर्वप्रथम पूजा अर्चना की। घास भैरू की सवारी निकालकर ग्रामीणों ने पशुओं में हो रही बीमारी को लेकर साथ ही गांव के मानव, मवेशियों के स्वस्थ रहने की मनोकामना की।

इस दौरान रामप्रसाद धाकड, दिनेश, धाकड, रामराज धाकड, सिताराम धाकड, रविन्द्र कुमार धाकड, रामप्रसाद धाकड, छीतर लाल, प्रकाश धाकड, अंकीत धाकड, ग्रामवासियों सहित गांव के गणमान्य नागरिक, महिलाएं, बच्चे भी घास भैरू की सवारी में रहे।

आंगनबाड़ी कर्मियों की मांगों को बजट 2023 में शामिल करने की मांग

टोंक, (निसं)। जिला महिला आंगनबाडी कर्मचारी संघ टोंक भामस ने आंगनबाडी कर्मियों की मांगों को सरकार बजट 2023 में प्रावधान करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

संघ की अध्यक्ष शीला विजय, महामंत्री उर्मिला शर्मा, मनोहर सैनी सहित आंगनबाडी कर्मचारी महिलाओं ने दिए ज्ञापन में मांग करते हुए बताया कि सभी कार्मिकों को सरकारी एवं राज्य कर्मचारी कर तदनुसार वेतन व अन्य सुविधाएं दी जाएं। जब तक हमे सरकारी एवं राज्य कर्मचारी घोषित नहीं किया जाता है, तब तक 18 हजार रुपए प्रतिमाह न्यूनतम वेतन दिया जाएं। सेवानिवृति पर न्यूनतम 3 लाख रुपए ग्रेच्यूटी राशि प्रदान की जाएं। सेवानिवृति के बाद न्यूनतम 5 हजार रुपए प्रतिमाह पेंशन दी जाएं। आंगनबाडी कार्यकर्ता के 8 से 12 बजे तक केन्द्र पर 2 घंटे ग्रह भ्रमण के कुल 6 घंटे का कार्य लिया जा रहा है, जबकि मानदेय 4 घंटे का ही दिया जा रहा है। अतिरिक्त 2 घंटे का मानदेय दिया जाएं। हमसे आदेशों की अवहेलना कर अन्य विभागों का कार्य करवाया जा रहा है, इसको बंद किया जाएं।

आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को दीपावली पर बोनस दिलवाया जाएं। संगठन द्वारा बार-बार मांगे रखी जा रही है, परन्तु कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं होने से आंगनबाडी कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त है।

स्कूल के भूमि पूजन समारोह में पहुंची बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल

■ तीन घंटे देरी से पहुंची, हिंदुस्तान जिंदाबाद के लगे नारे

■ सचिन पायलट, भंवर जितेंद्र, टीकाराम जूली आदि कार्यक्रम में नहीं पहुंचे

किशनगढबास, (निसं)। सीएम की कुर्सी को लेकर जयपुर से दिल्ली तक कांग्रेस में चल रही जोड-तोड की राजनीति के चलते पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्रसिंह, मंत्री टीकाराम जूली, एआईसीसी सचिव एवं मेवात विकास बोर्ड के चेयरमैन जुबेर खान, विधायक साफिया खान, बलजीत यादव पूर्व सांसद डॉक्टर करणसिंह यादव किशनगढबास के खैरथल बाईपास पर खुलने जा रहे निरवाना ग्लोबल स्कूल के भूमि पूजन समारोह कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। समारोह में स्पेशल गेस्ट के रुप में बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल भी निर्धारित समय से करीब 3 घंटे देरी से पहुंची।

दोपहर करीब 1:30 बजे मंच पर पहुंची बॉलीवुड अभिनेत्री एवं ग़दर फिल्म में सकीना का रोल अदा करने वाली अमीषा पटेल ने जब मंच से 'कहो ना प्यार है' गाना गया और हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए तो पांडाल तालियों के साथ हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे से गूंज उठा। बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल ने दुनिया में शिक्षा को अहम बताते हुए कहा गदर फिल्म की सकीना से प्यार करते हैं तो अपने बच्चों को स्कूल में जरूर भेजना। इस अवसर पर अमीषा पटेल ने स्कूल प्रबंधन कमेटी को बधाई दी और कहा ग्रामीण अंचल में खुलने जा रहा निरवाना ग्लोबल स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के भविष्य को संवारने के साथ एक अच्छे स्कूल में होने वाली हर जरूरतों को पूरा करने वाला होगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में गृह राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह यादव, पूर्व विधायक रामहेत यादव, सीडब्ल्यूसी सदस्य एवं उत्तराखंड प्रभारी देवेंद्र यादव, जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर, विधायक दीपचंद खैरिया, तिजारा विधायक संदीप यादव, प्रधान बीपी सुमन, प्रधान कोटकासिम डॉ विनोद कुमारी, संस्थापक श्रीराम यादव, राजीव यादव सहित परिजनों ने विधि विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ हवन एवं भूमि का पूजन किया। पूर्व विधायक रामहेत यादव भूमि पूजन के बाद मंच कार्यक्रम में बिना शामिल हुए सीधे वहीं से वापस लौट गए।

समारोह में शहीद वीरांगनाओं के साथ व्यापारिक सामाजिक संगठनों जनप्रतिनिधियों एवं आमंत्रित अतिथियों का निरवाना ग्लोबल स्कूल आयोजक राम यादव, राजीव यादव व टीम की ओर से सम्मान किया। इस दौरान गृह राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह यादव विधायक दीपचंद खैरिया विधायक संदीप यादव सीडब्ल्यूसी सदस्य एवं उत्तराखंड प्रभारी देवेंद्र यादव जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर प्रधान विनोद कुमारी प्रधान बद्री प्रसाद सुमन ने ग्रामीण अंचल में एक अच्छे स्कूल की शुरुआत करने पर आयोजक टीम को बधाई दी और प्रदेश सरकार की ओर से शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की प्रशंसा की।

निरवाना ग्लोबल स्कूल के भूमि पूजन कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल (बीच में) के साथ स्कूल संस्थापक राम यादव आदि मौजूद रहे।

पदयात्रा कल

फुलेरा, (निसं)। जय माता दी पदयात्रा समिति के तत्वाधान में 2 अक्टूबर को प्रात: 8:15 बजे कस्बे के श्री रामनगर स्थित शिव मन्दिर परिसर से संतोष कुमार स्वामी एवं बाबूलाल अजमेरा के नेतृत्व में रवाना की जायेगी।

सार-समाचार

लंपी की दवाओं हेतु 5100 रुपए भेंट

बहरोड/नीमराना, (निसं)। नीमराना कस्बे में पूर्व विधायक स्वर्गीय ओपी मेजर की पुत्रवधु व राजस्थान प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी की सदस्या डाक्टर अंजली यादव ने लंपी बीमारी की गंभीरता को देखते हुए पशु चिकित्सालय नीमराना पहुंचकर जरूरी दवाओं के लिए 5100 रुपये ब्लॉक पशु चिकित्सा प्रभारी डाक्टर विजयपाल यादव को भेंट किए। इस उपलक्ष्य पर कॉंग्रेस नेत्री यादव ने ग्रामीणों व युवाओं का आव्हान किया कि गौवंशों में लंपी बीमारी को रोकने के लिए हम सबको आगे आना होगा व भामाशाहों को आगे आकर जितना हो सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि गौसेवा ऐसी सेवा है जो हर किसी को आगे आकर करनी चाहिए। इस बीमारी में राज्य सरकार से जो हर सम्भव मदद दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर पशु चिकित्सा सहायक रविदत्त, पशु धन सहायक गिर्राज गुर्जर, पशु धन परिचर अमर सिंह, समाज सेवक कौशल सिंह राजपूत, आई टी आई बानसूर सलाहकार समिति के सदस्य एवं पारले कम्पनी प्राइवेट कम्पनी के एच आर तथा इन्वेस्टमेंट एंड हैल्थ सेफ्टी पारले कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के पंकज शर्मा, एनवायरमेंट एंड हैल्थ व वन्य जीव प्राणी संरक्षण समिति के सदस्य एवं गौसेवा संगठन नीमराना के गुलशन भारद्वाज, रिंकू बडसीवाल, सोनू बडसीवाल, महिपाल सैनी आदि मौजूद रहे।

हादसे में बाइक सवार कांस्टेबल की मौत

राजगढ, (निसं)। टहला क्षेत्र के भोपाला तिराहे के पास ट्रेलर एवं बाइक की टक्कर में बाइक सवार कांस्टेबल की दर्दनाक मौत हो गई। बाइक सवार कांस्टेबल दोसा कोतवाली में कार्यरत था। टहला पुलिस थाने के हेड कांस्टेबल कैलाश चंद मीणा ने बताया कि राजगढ के ईशवाना गांव निवासी मुकुट बिहारी शर्मा 32 वर्ष पुत्र कैलाश चंद शर्मा राजकार्य से बाइक पर सवार होकर आ रहा था। शुक्रवार दोपहर को भोपाला तिराहे के पास सामने से आ रहे ट्रेलर चालक ने तेजी व लापरवाही से कांस्टेबल की बाइक को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार कांस्टेबल मुकुट बिहारी शर्मा गंभीर घायल हो गया। टहला सीएचसी में गंभीर घायल कांस्टेबल को प्राथमिक उपचार के बाद राजगढ के लिए रेफर कर दिया। राजगढ़ चिकित्सालय में पहुंचते ही गंभीर घायल कांस्टेबल ने दम तोड दिया। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर लाश परिजनों को सौंप दी। पुलिस ने बाइक सवार को टक्कर मारने वाले ट्रेलर को जप्त कर लिया है जबकि चालक फरार हो गया। इधर इस हादसे की सूचना पर बबली सरपंच गब्बर मीणा एवं अनेक जनप्रतिनिधियों ने चिकित्सालय में पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी।

अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

देवली, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए शराब माफिया को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार स्थानीय दोलता मोड अंडरपास पुलिया के पहले पुलिस ने नाकाबंदी करते हुए वहां से गुजरने वाले वाहनों की जांच शुरू कर दी। इस दौरान देवली की ओर आने वाली कार को रोककर छानबीन की। जहां पुलिस ने कार में रखें 10 पेटी देसी शराब के कार्टन और बीयर एवं अंग्रेजी शराब के भरे हुए कार्टून बरामद किए। इस दौरान पुलिस ने शराब माफिया सुरेश कुमार पुत्र देवकरण गुर्जर निवासी संथली थाना दूनी को गिरफ्तार कर अवैध शराब सहित कार को भी जप्त कर लिया। मामले में पुलिस ने उक्त आरोपी के विरुद्ध एक्साइज एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी लेकिन उक्त कार्रवाई में पुलिस ने मीडिया को केवल 10 पेटी देसी शराब और 1 पेटी बियर कार्टन जप्त किए जाने की जानकारी दी है। परंतु उक्त मामले में हुई कार्रवाई को लेकर चर्चाओं में यह भी जानकारी सामने आई कि पुलिस ने शराब माफिया सुरेश गुर्जर की कार से अंग्रेजी शराब के कार्टन भी बरामद किए।

बच्चों ने गरबा में प्रस्तुतियां दी

देवली, (निसं)। शहर के विजन इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में शारदीय नवरात्रा महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बालक बालिकाओं ने डांडिया के साथ गरबा नृत्य कर एक से बढकर एक प्रस्तुतियां पेश की। विजन इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य विनय जैन ने बताया कि नवरात्र महोत्सव पर्व के चलते स्कूल में पढने वाले बच्चों में धार्मिक संस्कृति के प्रति भावनाएं जागृत किये जाने हेतु शुक्रवार को स्कूल प्रशासन ने नवरात्र महोत्सव पर्व के चलते स्कूल परिसर में डांडिया गरबा नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें बच्चों ने अलग-अलग वेशभूषा में भाग लिया और डांडिया नृत्य करके अपनी ओर से एक से बढकर एक प्रस्तुति पेश की। इस मौके पर स्कूल के निदेशक विकास अग्रवाल डायरेक्टर कपिल अग्रवाल, हेमा जैन, मोनिका पाराशर, गीतांजलि चौधरी सहित कई अध्यापिका और स्टॉफ गण ने बच्चों की प्रस्तुतियों पर उनका मनोबल बढाने के लिए तालियों से सभी का स्वागत किया।

काली माता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के मुख्य चौराह स्थित श्री अवध बिहारी बगीची के काली माता मंदिर में माँ काली की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा शुक्रवार को विधि विधान से विविद् वेद मंत्रोच्चार द्वारा हवन यज्ञ के साथ की गई। इसको लेकर विगत सोमवार को नवरात्र स्थापना पर महामण्डेलश्वर महंत बालेश्वर दास महाराज के सानिध्य में पं. अनिल शर्मा, पं. राजेन्द्र शर्मा, पं. रामावतार शर्मा, पं. प्रशांत शर्मा व पं. केशव शर्मा द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना प्रारम्भ की गई थी। वहीं गुरूवार को माँ काली की मूर्ति को महंत बालेश्वर दास के सानिध्य में नगर भ्रमण भी करवाया गया था। जिसके बाद शुक्रवार को विधिवत् रूप से प्राण प्रतिष्ठा कर विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान रोहिताश सैनी, विवेक सैनी, रामसिंह भगतजी, प्रकाश चंद बंसल, अमरनाथ बंसल, महेश मीणा, राजेन्द्र सैनी, सुन्दर लाल, मामचंद, श्याम लाल, नवल किशोर गुप्ता, चीनु, रवि, लालचंद समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

विजय कुमार अध्यक्ष निर्वाचित

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय जय भीम रक्तकोष समिति के चुनाव शुक्रवार को यहां के डाक बंगला परिसर में चुनाव समिति अध्यक्ष बदलूराम आर्य व उपाध्यक्ष ओमप्रकाश की देखरेख में सम्पन्न हुए। इस मौके पर ग्राम जयसिंहपुरा निवासी विजय कुमार आर्य को समिति का नया अध्यक्ष चुना गया।

कार्यालय नगर पालिका मंडावरी

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री
राजस्थान सरकार

मंडावरी नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्ड में मुख्यमंत्री बजट घोषणा की स्वीकृत साढे चार करोड़ लागत की 8 किलोमीटर लंबी सड़को का भव्य शिलान्यास आज स्थानीय विधायक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व आबकारी मंत्री परसादी लाल मीणा करेंगे..

शान्ति धारीवाल
कैबिनेट मंत्री
राजस्थान सरकार

अपील

1. महात्मा गांधी शहरी रोजगार गारंटी नरेगा योजना में रोजगार के लिए रजिस्ट्रेशन कराएं एवं स्वाभिमान को रखे बरकरार
2. प्रशासन शहरों के संग अभियान में नगर पालिका क्षेत्र मंडावरी के शहरवासी खुद के मकान भूखंड आदि का पट्टा बनवाने के लिए नगरपालिका संपर्क करें
3. खुले में शौच न जाए एवं सड़कों नालियों इत्यादि को साफ रखने के लिए कूड़ा करकट निर्धारित स्थान पर डालें

नमन शर्मा प्रशासक अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मंडावरी

परसादी लाल मीणा

मैदान बड़े हैं, विकेटों में गति थोड़ी अधिक है, आप बड़ी बाउंड्री का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कर सकते हैं। यह इस पर निर्भर करेगा कि आप कहां खेल रहे हैं। - जोश हेजलवुड

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज, ऑस्ट्रेलिया में बड़े मैदान और तेजी गति वाली पिचों को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

वंदना कटारिया

भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी स्ट्राइकर वंदना कटारिया ने शुक्रवार को कहा कि इस समय टीम का लक्ष्य अगले साल एशियाई खेल जीतकर पैरिस ओलंपिक 2024 के लिये सीधा क्वालीफाई करना है। वंदना ने चीन में होने वाले एशियाई खेलों के बारे में कहा, ''हर किसी का लक्ष्य अगले साल एशियाई खेल जीतना है और इसके लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम राष्ट्र कप जैसे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करके सही गति बनाए रखें जिससे हमें एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिए क्वालीफाई करने में मदद मिलेगी।''

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकार्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

मीराबाई चानू ने राष्ट्रीय खेलों में जीता पहला पदक

अहमदाबाद, 30 सितंबर। टोक्यो ओलंपिक 2020 की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कलाई की चोट से पार पाते हुए 36वें राष्ट्रीय खेलों में शुक्रवार को स्वर्ण पदक हासिल किया। मीराबाई ने स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 107 किग्रा (कुल 191 किग्रा) का सर्वश्रेष्ठ प्रयास करके महिला भारोत्तोलन 49 किग्रा वर्ग में अपना पहला राष्ट्रीय खेल स्वर्ण जीता।

मीराबाई को मणिपुर की उनकी साथी संजीता चानू ने कड़ी टक्कर दी लेकिन अंततः संजीता को कुल 187 किग्रा भार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। संजीता ने सात साल पहले आयोजित राष्ट्रीय खेलों के 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण जीता था जबकि मीराबाई को रजत पदक मिला था, हालांकि मीराबाई ने यहां पासा पलट दिया।

मीराबाई ने जीत के बाद कहा, मणिपुर का ध्वजवाहक होना गर्व का क्षण था। यहां अपना पहला स्वर्ण जीतकर अच्छा महसूस हो रहा है। हाल ही में प्रशिक्षण के दौरान मेरी बाईं कलाई में चोट लगी थी, जिसके बाद मैंने दिसंबर में विश्व चैंपियनशिप से पहले इसे जोखिम में नहीं डालना बेहतर समझा। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से पहले राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहीं मीराबाई ने कहा, ''आमतौर पर उद्घाटन समारोह में भाग लेना काफी व्यस्त कर देता है, क्योंकि मेरा कार्यक्रम अगले दिन जल्दी शुरू होना था, लेकिन मुझे लगा कि मुझे इस बार खुद को चुनौती देनी चाहिए।''

चोटग्रस्त बुमराह की जगह सिराज ने ली

मुंबई/गुवाहाटी, 30 सितंबर। अखिल भारतीय वरिष्ठ चयनकर्ता समिति ने चोटग्रस्त जसप्रीत बुमराह के स्थान पर मोहम्मद सिराज को दक्षिण अफ्रीका टी20 शृंखला के लिए टीम में शामिल किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने शुक्रवार को कहा कि बुमराह की पीठ में चोट आई है और वह बीसीसीआई चिकित्सीय दल की देखरेख में हैं। अगर सिराज रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फील्ड पर उतरते हैं तो वह सात महीने बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेंगे। उन्होंने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय फरवरी 2022 में श्रीलंका के विरुद्ध खेला था। रोहित शर्मा की टीम को आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के लिए रवाना होने से पहले दो टी20 मैचों में प्रोटियाज का सामना करना है।

टी-20 विश्व कप 2022 जीतने वाली टीम को मिलेंगे 16 लाख डॉलर

दुबई, 30 सितंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष टी20 विश्व कप 2022 जीतने वाली टीम को 16 लाख डॉलर (13 करोड़ 53 हज़ार 760 रुपये) की पुरस्कार राशि से पुरस्कृत किया जायेगा। आईसीसी ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की।

आईसीसी ने बताया कि 13 नवंबर को होने वाले फाइनल हारने वाली टीम को आठ लाख डॉलर (छह करोड़, 50 लाख, 56 हज़ार 880 रुपये) की पुरस्कार राशि दी जायेगी, जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को चार-चार लाख डॉलर (तीन करोड़, 25 लाख 31 हज़ार 200) दिये जायेंगे।

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2021 की तरह ही सुपर-12 चरण से बाहर होने वाली आठ टीमों को 70 हज़ार डॉलर मिलेंगे। अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका सुपर-12 में पहुंच चुके हैं। पहले दौर में बाहर हुई चारों टीमों को प्रत्येक को 40,000 डॉलर मिलेंगे। जिन टीमों के अभियान पहले दौर में शुरू होंगे, उनमें नामीबिया, नीदरलैंड, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे शामिल हैं।

भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच के लिये इकाना में मिलेंगे टिकट

लखनऊ, 30 सितम्बर। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच छह अक्टूबर को लखनऊ में खेले जाने वाले पहले एकदिवसीय मुकाबले के लिये टिकटों की बिक्री इकाना स्टेडियम में शनिवार से शुरू होगी। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसियेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकित चटर्जी ने शुक्रवार को बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम पर भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला एकदिवसीय मैच छह अक्टूबर को खेला जायेगा उन्होंने कहा कि दर्शकों की सुविधा के लिये एक अक्टूबर से इकाना स्टेडियम पर गेट नम्बर दो के निकट टिकट खिड़की पर टिकटों की बिक्री की जायेगी। उन्होंने बताया कि दिन रात्रि का मैच अपराह्न 1:30 बजे शुरू होगा जिसके लिये दर्शकों का प्रवेश सुबह 10:30 बजे शुरू हो जायेगा। वाहनों के लिये तीन पार्किंग स्थल बनाये गये हैं जहां से दर्शकों को स्टेडियम के गेट तक पहुंचाने के लिये विशेष वाहन से की व्यवस्था की गयी है।

कार्यालय नगर पालिका लालसोट (दौसा)

स्वच्छ भारत — एक कदम स्वच्छता की ओर

Email ID:lalsot.jaipur@yahoo.com Ph-01431-260714

प्ररूप-13

(नियम-13 (2) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर पालिका लालसोट

क्रमांकः-न.पा.ला./3936 दिनांक-30-9-2022

लोक सूचना

अद्योहस्ताक्षरकर्ता की जानकारी में यह लाया गया है कि नगर पालिका क्षेत्र, लालसोट के निम्न खसरा नम्बरों में स्थित भूमि या उसके भाग का 17 जून 1999 से बाद की कालावधि से गैर कृषिक प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है/किया गया है और इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क की उपधारा (8) के अधीन पर्यवसित किए जाने के दायी है।

क्र. सं.	खसरा नम्बर	रकबा	राजस्व ग्राम	सुओमोटो 90-क हेतु प्रस्तावित रकबा	खातेदार का विवरण
1	13/4	24.10 बीघा	सालगरामपुरा चक नं.6	69802 वर्गगज	उमाकंवर पत्नी गणपतिसिंह राजपूत, कजोड़ी देवी पत्नी भगवान सहाय मीना, कल्याण प्रसाद पुत्र प्रभुलाल महाजन, कैलाश प्रसाद पुत्र रामेश्वर प्रसाद ब्राह्मण, कविता देवी पत्नी मनोज कुमार, ब्राह्मण, केसरीलाल पुत्र मोतीलाल खाती, कानाराम पुत्र भौरी लाल खाती, गगन पुत्र मोहनलाल महाजन, गिर्राज प्रसाद पुत्र प्रहलाद खाती, गिर्राज प्रसाद पुत्र भौरीलाल खाती चन्दा देवी पत्नी जगदीश प्रसाद महाजन, चन्दा देवी पत्नी कैलाश चन्द ब्राह्मण, जगदीश प्रसाद पुत्र गंगासहाय महाजन, दिनेश चन्द्र पुत्र माधोलाल महाजन, धोली देवी पत्नी रामप्रताप मीना, नन्दनी देवी पत्नी नन्दकिशोर ब्राह्मण नाथूलाल पुत्र गोपाल ब्राह्मण, नाबा योगेश पुत्र रमेश चन्द्र ब्राह्मण, प्रभूलाल पुत्र नाथूलाल खाती, पिंकी पत्नी, नन्दकिशोर महाजन, पिंकी पुत्री रामोतार ब्राह्मण, पिंकी देवी पत्नी देवकीनन्दन महाजन, बदाम देवी पत्नी नवलदास बैरागी, बाबूलाल पुत्र हजारी लाल खाती, बीना देवी पत्नी केसरी लाल खाती, भगवान सहाय पुत्र पुरूषोत्तम ब्राह्मण, भावना देवी पत्नी अशोक कुमार मीना, मंजू देवी पत्नी ओम प्रकाश ब्राह्मण, मंजू देवी पत्नी भगवान सहाय ब्राह्मण, मंजू देवी पत्नी सत्यनाराय नाई, मंजू देवी पत्नी राजेन्द्र कुमार खारोल, मर्दुलिका पत्नी अरविन्द कुमार ब्राह्मण, मुरारीलाल पुत्र किस्तुर चन्द ब्राह्मण, महेश चन्द पुत्र बसन्तीलाल ब्राह्मण, माया देवी पत्नी कृष्णगोपाल महाजन, मीनाक्षी देवी पत्नी दिनेश कुमार ब्राह्मण, मोहनलाल पुत्र माधोलाल महाजन, मोहनलाल पुत्र घासीलाल ब्राह्मण, रघुनाथ प्रसाद पुत्र दुर्गाप्रसाद महाजन, रमेश पुत्र माधोलाल ब्राह्मण, रमेशचन्द पुत्र जगदीश प्रसाद ब्राह्मण राजेन्द्र कुमार पुत्र रामस्वरूप ब्राह्मण, रामजीलाल पुत्र कजोड़मल महाजन, रामजीलाल पुत्र रामप्रताप ब्राह्मण, रामजीलाल पुत्र जगन्नाथ ब्राह्मण, लटूरचन्द पुत्र रघुनाथ गुर्जर नाबालिग लोकेश पुत्र रमेश चन्द संरक्षक सरपरस्त पिता रमेश चन्द ब्राह्मण, विनोद कुमार पुत्र प्रभूलाल ब्राह्मण, शम्भूलाल पुत्र रामेश्वर प्रसाद ब्राह्मण, शान्ति देवी पत्नि गंगासहाय खाती, शारदा देवी पत्नी रामस्वरूप गुर्जर, सजन कंवर पत्नी जगदीश सिंह राजपूत, सुधा देवी पत्नी यशराज सिंह राजपूत, सन्तरा देवी पत्नी जगदीश प्रसाद, ब्राह्मण, सुरेश चन्द पुत्र रामेश्वर प्रसाद ब्राह्मण, सरस्वती पत्नी रणजीत कुमार वैष्णव, हेमराज शर्मा पुत्र सीताराम शर्मा ब्राह्मण

अतः उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिवस के भीतर-भीतर कारण बताएं कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाए और इसलिए क्यों न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लंगमों से मुक्ति निहित किया जा सके। यह सूचना में हस्ताक्षर और मुहर के अधीन 30-9-2022 को जारी की जाती है।

स्थानः-लालसोट

नोट-संबंधित खातेदार इस लोक सूचना को व्यक्तिगत तामील भी समझें व कोई आपत्ति हो, तो 7 दिवस में प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगर पालिका लालसोट में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें।

प्राधिकृत अधिकारी
(हस्ताक्षर, नाम और पदनाम)

कार्यालय नगर पालिका लालकोट (दौसा)

Email ID :- lalsot.jaipur@yahoo.com Ph. 01431-260714

प्ररूप-13

(नियम-13 (2) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर पालिका लालसोट

क्रमांक :- न.पा.ला. / 3925-3928 दिनांक :- 30.9.2022

लोक सूचना

अद्योहस्ताक्षरकर्ता की जानकारी में यह लाया गया है कि नगर पालिका क्षेत्र, लालसोट को निम्न खसरा नंबरों में स्थित भूमि या उसके भाग का 17 जून, 1999 से बाद की कालावधि से गैर कृषिक प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है / किया गया है और इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार / हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क की उपधारा (8) के अधीन पर्यवसित किए जाने के दायी है।

क्र. सं.	खसरा नम्बर	रकबा	राजस्व ग्राम	सुओमोटो 90-क हेतु प्रस्तावित रकबा	खातेदार का विवरण
1.	315	0.4552 हैक्टेयर	लालसोट	5143 वर्गगज	अनिता पुत्री कैलाश माली, कल्या पुत्र भौरया महाजन, कैलाश प्रसाद पुत्र लल्लू प्रसाद तेली, कालूराम पुत्र कमलीराम मीना, गीता पुत्री छोट्या माली, धापा पत्नी नानगा तेली, बाबूलाल पुत्र नानगा तेली, बीना पुत्री कैलाश माली, भगवती पुत्री छोट्या माली, मंगली पत्नी कैलाश माली, मुरारी पुत्र छोट्या माली, महेन्द्र पत्र नानगा, रत्न लाल पुत्र, चौथमल तेली, रमेश चन्द पुत्र रामफूल महाजन, नाबालिग, रामबाबू पुत्र कैलाश संरक्षक सरपरस्त माता मंगली, रामसहाय पुत्र श्रीनारायण शर्मा, सावित्री देवी पत्नी सीताराम महाजन, हजारी पुत्र नानगा महाजन
2.	3616	0.3794 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	चौथमल पुत्र धन्नालाल ब्राह्मण
3.	1572	0.1517 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	रामकिशोर पुत्र गंगा सहाय ब्राह्मण
4.	1529	0.3667 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	दिनेश्वर पुत्र किस्तुर चन्द ब्राह्मण, राजेश पुत्र किस्तुर चन्द ब्राह्मण
5.	1549	0.4299 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	दिनेश्वर पुत्र किस्तुर चन्द ब्राह्मण, राजेश पुत्र किस्तुर चन्द ब्राह्मण
6.	4928/ 1556	0.1644 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	दिनेश्वर पुत्र किस्तुर चन्द ब्राह्मण, राजेश पुत्र किस्तुर चन्द ब्राह्मण
7.	3603	0.1897 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	कमला पत्नी लोहडिया माली, केला पुत्री लोहडिया माली, किस्तुर चन्द पुत्र मूल्या माली, गट्टो पत्नी मूल्या माली, दीपक कुमार पुत्र राजेन्द्र कुमार जांगिड़, ममता पुत्री लोहडिया माली, मौसमी पुत्री लोहडिया माली, रमेश पुत्र लोहडिया माली, रवि पुत्र लोहडिया माली, लड्डूराम पुत्र मूल्या माली, संतरा पुत्री लोहडिया माली, हरकेश पुत्र अमर चन्द माली
8.	2732	0.7461 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	कमली पत्नी लोहडिया माली, केला पुत्री लोहडिय माली, किस्तुर चन्द पुत्र मूल्या माली, गट्टों पत्नी मूल्या माली, बिरदी चन्द पुत्र मूल्या, ममता पुत्री लोहडिया माली, मौसमी पुत्री लोहडिया माली, रमेश पुत्र लोहडिया माली, रवि पुत्र लोहडिया माली, लड्डूराम पुत्र मूल्या माली, संतरा पुत्री लोहडिया माली, श्रवण दत्तक पुत्र भोरया माली
9.	3606	0.1897 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	कमला पत्नी लोहडिया माली, केला पुत्री लोहडिया माली, किस्तुर चन्द पुत्र मूल्या माली, गट्टों पत्नी मूल्या माली, श्रवण दत्तक पुत्र भोरया माली, ममता पुत्री लोहडिया माली, मौसमी पुत्री लोहडिया माली, रमेश पुत्र लोहडिया माली, रवि पुत्र लोहडिया माली, लड्डूराम पुत्र मूल्या माली, संतरा पुत्री लोहडिया माली, हरकेश पुत्र अमर चन्द माली
10.	2807	0.9610 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	केसर पत्नी सुगजी माली, गंगाधर पुत्र सुगजी माली, गोपाल पुत्र सुगजी माली, चौथ्या पुत्र पून्या माली, मोहन पुत्र सुगजी माली, लक्ष्मीनारायण पुत्र सुगजी माली
11.	3570	0.6196 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	केसर पत्नी सुगजी माली, गंगाधर पुत्र सुगजी माली, गोपाल पुत्र सुगजी माली, चौथ्या पुत्र पून्या माली, मोहन पुत्र सुगजी माली, लक्ष्मीनारायण पुत्र सुगजी माली
12.	3571	0.0506 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	केसर पत्नी सुगजी माली, गंगाधर पुत्र सुगजी माली, गोपाल पुत्र सुगजी माली, चौथ्या पुत्र पून्या माली, मोहन पुत्र सुगजी माली, लक्ष्मीनारायण पुत्र सुगजी माली
13.	3572	0.7461 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	केसर पत्नी सुगजी माली, गंगाधर पुत्र सुगजी माली, गोपाल पुत्र सुगज माली, चौथ्या पुत्र पून्या माली, मोहन पुत्र सुगजी माली, लक्ष्मीनारायण पुत्र सुगजी माली
14	3584	0.8852 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	केसर पत्नी सुगजी माली, गंगाधर पुत्र सुगजी माली, गोपाल पुत्र सुगजी माली, चौथ्या पुत्र पून्या माली, मोहन पुत्र सुगजी माली, लक्ष्मीनारायण पुत्र सुगजी माली
15.	3048	0.5817 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	जगदीश प्रसाद पुत्र गुलाब चन्द ब्राह्मण जगदीश प्रसाद पुत्र हरिचरण जांगिड़, मेघराज पुत्र रामेश्वर ब्राह्मण, नाबालिग लखन दत्तक पुत्र प्रभुलाल संरक्षक माला रूकमणी देवी
16.	3046	0.1391 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	भानूप्रिया शर्मा पत्नी मुरारी लाल शर्मा, नाबालिक लखन दत्तक पुत्र प्रभुलाल संरक्षक माता रूकमणी देवी
17.	3047	0.0506 हैक्टेयर	लालसोट	सम्पूर्ण	भानूप्रिया शर्मा पत्नी मुरारी लाल शर्मा, नाबालिक लखन दत्तक पुत्र प्रभुलाल संरक्षक माता रूकमणी देवी

अतः उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7दिवस के भीतर-भीतर कारण बताएं कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाए और इसलिए क्यों न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लंगमों से मुक्ति निहित किया जा सके। यह सूचना में हस्ताक्षर और मुहर के अधीन 30.9.2022 को जारी की जाती है।

स्थान :- लालसोट

नोट :- संबंधित खातेदार इस लोक सूचना को व्यक्तिगत तामील भी समझें व कोई आपत्ति हो, तो 7 दिवस में प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगर पालिका लालसोट में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें।

प्राधिकृत अधिकारी
(हस्ताक्षर, नाम और पदनाम)

टॉम डबलडे 60 साल से जंगलों में घूम रहे हैं, वे जाने माने बर्ड वॉचर हैं और जंगल में घूमते समय उनकी नज़र अधिकतर ऊपर की तरफ होती है, लेकिन कभी-कभी वो नीचे भी देख लेते हैं। इस बार जब उन्होंने नीचे देखा तो उनकी नज़र ऐसी चीज पर पड़ी जिसे लुप्त प्राय मान लिया गया था। वरमाँट के फिश एंड वाइल्डलाइफ डिपार्टमैंट के बॉटनिस्ट बॉब पॉप ने इस बारे में कहा, ''यह बिल्कुल ऐसे है जैसे कोई मर कर ज़िंदा हो गया हो। हमें तो यकीन था कि यह लुप्त हो गया है।'' असल में टॉम की नज़र एक ऐसे दुर्लभ ऑर्किड पर पड़ी, जो 1902 के बाद से दिखा नहीं था। तथापि, बॉब ने गत वर्ष इसे देखा था और टॉम ने इस वर्ष। अब यह पक्का हो गया कि, दुर्लभ ऑर्किड प्रजाति ''वॉर्ल्ड पोगोनिया'' की वापसी हो गई है। ये फूल बहुत आकर्षक या रंग बिरंगे नहीं होते लेकिन वनस्पति वैज्ञानिकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये छोटे फूल, वॉर्ल्ड (चक्करदार) पोगोनिया ''थ्रैटन्ड'' वर्ग में हैं। हालांकि फैडरल रिकॉर्ड में इन्हें अभी भी विलुप्त बताया जा रहा है, पर अब वरमाँट के वायनूस्की वैली पार्क डिस्ट्रिक्ट के वन में, जहां इंसानी दखल नहीं के बराबर है, इनकी वापसी हो गई है। बॉब पॉप ने कहा ''हम इन पर नज़र रखे हुए हैं, इन्हें घोंघों से खतरा है और हिरणों से भी, जो ऑर्किड के फूल खाते हैं।'' वायनूस्की वैली पार्क डिस्ट्रिक्ट असल में कई शहरों का एक को-ऑपरेटिव है जो विकास के लिए नहीं, बल्कि भूमि संरक्षण के फंड जुटाता है और जमीन का उपयोग प्राकृतिक वन क्षेत्र के विकास के लिए करता है। डबलडे कहते हैं, ''यह पौधा मैंने पहले कभी नहीं देखा था और मुझे तो जरा भी पता नहीं था कि यह ऑर्किड है।'' ज्ञातव्य है कि, अमेरिका में अब तक 1673 प्रजातियों को ''थ्रैटन्ड'' या ''एन्डेन्जर्ड'' वर्ग में रखा गया है, इनमें से 941 तो पौधे ही हैं। वर्ष 1902 में ऑर्किड को वरमाँट राज्य का संरक्षण प्राप्त था।

संसद भवन पर स्थापित 'सिंह' में बदलाव की आवश्यकता नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने माना कि '' सिंह चतुर्मुख'' स्थापित किए जाने में उसे आपत्तिजनक कुछ भी नहीं लगा

नयी दिल्ली, 30 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने नवनिर्मित संसद भवन की छत पर स्थापित भारत का राजचिन्ह, ''सिंह चतुर्मुख'' (लायन कैपिटल) की अनुकृति के कथित भाव एवं दृश्य में परिवर्तन के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका शुक्रवार की खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि, नवनिर्मित संसद भवन की छत पर स्थापित भारत का राजचिह्न (अनुचित उपयोग का निषेध) अधिनियम-2005 के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता है।

पीठ ने राजचिह्न के भाव एवं दृश्य परिवर्तन के संदर्भ में कहा, यह धारणा व्यक्ति के दिमाग पर निर्भर करती है। अधिवक्ता अल्दानिश रीन और रमेश कुमार मिश्रा की ओर से दायर याचिका में शीर्ष अदालत से गुहार लगाई गई थी कि, भारत के राजचिह्न को सुधारने के लिए केन्द्र सरकार को एक निर्देश जारी करे। याचिका में दावा किया गया था कि, हाल ही में नई दिल्ली में सैंट्रल विस्टा परियोजना के तहत निर्मित नए संसद भवन की छत पर स्थापित लायन कैपिटल में सिंह की अनुकृतियां खुले मुंह के साथ क्रूर और भी आक्रामक लगती हैं।

- **याचिका में दावा किया गया था कि हाल ही में नई दिल्ली में सैंट्रल विस्टा परियोजना के तहत निर्मित नए संसद भवन की छत पर स्थापित ''लायन कैपिटल'' में सिंह की अनुकृतियां खुले मुंह के साथ क्रूर और आक्रामक लगती हैं।**

याचिका में कहा गया था कि, नए स्थापित राजचिह्न में 'सिंहों' के डिजाइन में एक स्पष्ट अंतर है। ये सारनाथ संग्रहालय में संरक्षित प्रतीक की तुलना में बदले हुए रूप में हैं। याचिका में कहा गया था कि, भारत का राजचिह्न केवल एक ग्राफिक डिजाइन नहीं है, बल्कि इसका सांस्कृतिक और दार्शनिक महत्व भी है। सिंह को अशोक के दार्शनिक और आध्यात्मिक अर्थ के कारण भारत के राजचिह्न के रूप में अपनाया गया था। इसे अनजाने और अवैध रूप से नहीं बदला जाना चाहिए था।

आर.सी.ए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में अपील कर दी है। डिवीज़न बैंच दस अक्टूबर को अपील पर सुनवाई करेगी। सिंगल बैंच में हुई सुनवाई के दौरान आर.सी.ए. की ओर से कहा गया कि उन्हें याचिका पर विस्तृत जवाब पेश करना है। इसलिए उन्हें समय दिया जाए। इस पर अदालत ने आर.सी.ए. को जवाब के लिए 11 अक्टूबर तक का समय दिया तथा अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा। गौरतलब है कि पूर्व आईएएस और प्रदेश के जिलों के पुनर्गठन के लिए बनी हाई पावर कमेटी के चेयरमैन रामलुभाया को आर.सी.ए. का मुख्य चुनाव अधिकारी बनाने पर याचिकाओं में चुनौती दी गई है। याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सिंगल बैंच ने गत 29 सितंबर को आदेश जारी कर तीस सितंबर को होने वाले चुनाव पर रोक लगा दी थी।

एक ही परिवार से तीन जने पार्षद निर्वाचित

बैतूल,30 सितंबर। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले की नगर परिषद चिचोली में एक ही परिवार से मां-बेटा और बहू चुनाव जीते हैं। आधिकारिक तौर पर आज घोषित हुए चुनाव में 15 वार्डों वाली नगर परिषद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 11 पार्षद, कांग्रेस के चार पार्षद चुनाव जीते। इसमें भाजपा उम्मीदवार सुलोचना मालवीय वार्ड नंबर 12 से, पुत्र आशुतोष उर्फ बाली मालवीय वार्ड नंबर 8 से एवं बहू वर्षा मालवीय ने वार्ड नंबर 11 से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस उम्मीदवारों को हरा दिया। नगर परिषद के गठन के बाद पहली बार हुए चुनाव में सुलोचना मालवीय अध्यक्ष निर्वाचित हुई थी।

खड़गे सहित तीन उम्मीदवारों ने नामांकन भरा

नयी दिल्ली, 30 सितंबर। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरने के आखिरी दिन राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सहित तीन उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

कांग्रेस चुनाव विभाग के प्रभारी महासचिव मधुसूदन मिस्त्री ने शुक्रवार को नामांकन पत्र दाखिल किये जाने के बाद यह जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष के लिए खड़गे के अलावा शशि थरूर और झारखंड से के एन त्रिपाठी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि नामांकन के लिए कुल 20 सैट दाखिल किये गये हैं जिनमें से खड़गे की तरफ से नामांकन पत्रों के 14 सैट जमा कराए गये हैं। थरूर की ओर से पांच सैट और के एन त्रिपाठी की ओर से एक पर्चा जमा कराया गया है। कांग्रेस चुनाव विभाग के प्रभारी ने कहा कि तीनों उम्मीदवारों में से कोई भी पार्टी का आधिकारिक उम्मीदवार नहीं है। उनका कहना था कि यदि कोई व्यक्ति दावा करता है कि उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष का आशीर्वाद प्राप्त है तो उसका यह दावा गलत है।

एक बार फिर कांग्रेस की लाज दक्षिण भारत के हाथ में है

हिन्दी बैल्ट से लगभग निष्कासित होने के कारण, दक्षिण भारत से अच्छी संख्या में सांसद बनवाकर कांग्रेस पुनर्विजित होने की आशा रखती है

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। एक बार फिर से एक दक्षिण भारतीय ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का नेतृत्व कर रहा होगा। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी अब एक ऐसे आक्रामक राजनीतिक विरोधी के सामने अपने अस्तित्व का संघर्ष कर रही है जिसने उसे हिन्दी भाषी राज्यों से करीब-करीब निर्वासित कर दिया है।

उत्तर भारत की तुलना में कांग्रेस की दक्षिण भारत में अब भी मजबूत स्थिति है तथा कर्नाटक और केरल में उसके सत्ता में आने की अच्छी संभावनाएं हैं। कर्नाटक में तो वह मुख्य विपक्षी दल है।

कांग्रेस का तमिलनाडू में अपने एक सशक्त क्षेत्रीय सहयोगी के साथ गठबंधन है। दक्षिण भारत में इस राज्य से सबसे अधिक संख्या से सांसद चुन कर लोकसभा आते हैं।

इस राजनीतिक वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए और यह तथ्य कि उत्तर भारत में कांग्रेस को बहुत कुछ कवर करना है, एक दक्षिण भारतीय द्वारा पार्टी का संचालन करना एक ठोस विचार प्रकट होता है, लेकिन ये प्रश्न भी उपस्थित होते हैं कि इस निर्णय से पार्टी को हिन्दी बैल्ट में नुकसान होगा।

लेकिन दक्षिण भारत में नये कांग्रेस अध्यक्ष, चाहे मल्लिकार्जुन खड़गे हों या शशि थरूर, का काम बहुत मुश्किल है क्योंकि क्षेत्रीय ताकतों ने तीन राज्यों तमिलनाडु तथा तेलुगू-भाषी तेलंगाना एवं आन्ध्र प्रदेश में पार्टी को सत्ता से दूर कर रखा है।

सबसे पहले काम तो यह, कि कांग्रेस अध्यक्ष को इस क्षेत्र में पार्टी को पुनर्जीवित करना होगा क्यों कि यहाँ उत्तर की तुलना में, कांग्रेस के लिये बेहतर अवसर हैं।

दक्षिण भारत से लोकसभा में 130 सांसद आते हैं तथा इस बार भाजपा की पूरा प्रयास कर रही है कि वह इस क्षेत्र ज्यादा से ज्यादा सीटें जीत सके। पिछले चुनाव में, भाजपा ने कर्नाटक में इकतरफा जीत हासिल करते हुये, कुल 28 सीटों में से 25 सीटें जीत ली थी।

लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस

- **राहुल गांधी की ''भारत जोड़ो'' यात्रा से पैदा हुई जनभावना और कर्नाटक के पुराने दलित नेता खड़गे के अध्यक्ष बनने से कांग्रेस क्या यह आशा पूरी कर पायेगी?**
- **संयोगवश, यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष भी कर्नाटक के बी.वी. श्रीनिवास हैं।**
- **आंध्र प्रदेश का आंध्र व तेलंगाना में विभाजन कांग्रेस की एतिहासिक भूल साबित हुई। क्योंकि विभाजन के बाद दोनों राज्य में तेलंगाना व आंध्र में पार्टी का सफाया हो गया।**
- **अब तक दक्षिण भारत के चार अन्य नेता, कामराज, निजलिंगप्पा, संजीव रेड्डी व नरसिम्हा राव भी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं।**

ने उस समय अपने पैरों में खुद ही कुल्हाड़ी मार ली थी, जब उसने आन्ध्र प्रदेश के दो हिस्से करके तेलंगाना राज्य बना दिया था। यह एक ऐसा निर्णय था, जो उसके लिये सोने के अंडे देने वाली मुर्गी को ही मारने के समान सिद्ध हुआ। 2004 तथा 2009 में आन्ध्र प्रदेश से लोकसभा में 30 से अधिक सांसद आये थे, जिससे यू.पी.ए. को आगे बढ़ने के लिये सहारा मिला था तथा उसकी सरकार बन सकी थी।

लेकिन आन्ध्र के दो टुकड़े हो जाने के बाद, कांग्रेस को इन दोनों ही राज्यों में लोकसभा की एक भी सीट नहीं मिली तथा विधान सभा चुनावों में भी क्षेत्रीय राजनैतिक ताकतों ने इसका सफाया कर दिया तथा अब तो उनकी स्थिति और भी बेहतर हो गई हैं।

इस प्रकार नये कांग्रेस अध्यक्ष, जिसके लिये खड़गे की ही सम्भावना ज्यादा है, को दक्षिण भारत से ही कांग्रेस को मजबूत करना शुरू करना होगा तथा इस काम में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा द्वारा हासिल की गई प्रतिष्ठा का लाभ भी नये अध्यक्ष को मिलेगा। कांग्रेस हाई कमान द्वारा समर्थित नये अध्यक्ष को इन जमीनी सच्चाइयों को पूरी तरह समझना होगा।

इसे एक संयोग की कहा जायेगा कि जिस दिन राहुल गांधी की यात्रा ने कर्नाटक में प्रवेश किया, उसी दिन इस राज्य के पुराने एवं प्रतिष्ठित नेता खड़गे ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिये अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है।

स्वच्छ छवि वाले दलित नेता तथा गांधी परिवार के प्रति घोर वफादार खड़गे मोदी सरकार के मुखर विरोधी रहे हैं तथा केन्द्र की भाजपा सरकार को अपदस्थ करने के लिये विपक्ष की एकता की वकालत करते रहे हैं।

पार्टी के अध्यक्ष पद पर उनके पदोन्नयन से अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की संभावनाएं बेहतर बना सकता है। कांग्रेस के अच्छा प्रदर्शन करने की संभावनाएं है क्योंकि राज्य में भाजपा सरकार का खेल सरकार विरोधी लहर का सामना कर रही है बल्कि उस पर अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार होने का ढाचा भी लग गया है और इसलिए भी जनता नाराज है।

अगर खड़गे पार्टी अध्यक्ष बन जाते हैं तो दक्षिण भारत से एक और नेता होंगे जो देश की सबसे पुरानी पार्टी का नेतृत्व करेगा। इससे पहले कामराज, एस. निजलिंगप्पा, संजीवा रेड्डी और बी.पी.वी. नरसिम्हाराव पार्टी अध्यक्ष रह चुके हैं।

यह संयोग ही है कि इस समय युवक कांग्रेस का अध्यक्ष भी कर्नाटक से ही है-बी.वी.श्रीनिवास।

कानून के स्नातक खड़गे लगातार 9 बार कर्नाटक विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं और 2009 व 2014 में कलबुर्गी से लोकसभा चुनाव भी जीते हैं। जून 2020 में राज्य सभा से चुनाव जीत चुके खड़गे इस सक राज्यसभा में विजय के नेता हैं।

बारामूला में आज शुक्रवार को दो आतंकी मारे गये

श्रीनगर 30 सितंबर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में शुक्रवार को सेना की भर्ती रैली पर हमला करने की योजना बना रहे जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया।

यह मुठभेड़ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर दौरे से पहले हुई है। बारामूला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रईस मोहम्मद भट ने कहा कि येदिपोरा पट्टन में मुठभेड़ तब शुरू हुई जब सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद इलाके की घेराबंदी कर दी।

- **केंद्रीय गृह मंत्री के दौरे से पहले सुरक्षा बलों द्वारा पहले से जारी अलर्ट और कड़ी सुरक्षा इंतजाम के कारण ऑपरेशन सफल रहा।**

भट ने यहां संवाददाताओं से कहा, जैसे ही हम संदिग्ध स्थान के पास पहुंचे, छिपे हुए आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी। जिसका सुरक्षा बलों ने माकूल जवाब दिया और मुठभेड़ शुरू हुई। जिसमें दो आतंकवादी मारे गए।

शरजील इमाम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होगा। सुप्रिम कोर्ट के निर्णय के तहत राजद्रोह के मामले में कार्यवाही ठंडे बस्ते में हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनुज अग्रवाल ने आई.पी.सी. की धारा 153 (दो समुदायों के बीच शत्रुता उत्पन्न करने) के तहत इमाम को डिफाल्ट बेल प्रदान की। कोर्ट ने जे.एन.यू. के इस छात्र को अन्य शर्तो सहित 30 हजार का निजी सुचलका और जमानत अदा करने पर राहत प्रदान की। शरजील ने आई.पी.सी. की धारा 436-ए के तहत जमानत मंजूर किए जाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। क्योंकि वह हिरासत अवधि में ही आधी से अधिक सजा प्राप्त कर चुके हैं। शरजील को सुप्रीम कोर्ट द्वारा गत 17 मई को पारित आदेश से भी मदद मिली। इस आदेश में सरकार को निर्देश दिए गए थे कि वह राजद्रोह के अपराध संबंधी सभी केसों को ठण्डे बस्ते में डाल दें।

चाहे प्रजातंत्रीय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थे इसमें कोई संदेह नहीं है।

थरूर तो अब सिर्फ इसलिए चुनाव मैदान में है ताकि लोकतंत्र के कट्टर समर्थक की अपनी छवि मजबूत कर सकें वे कांग्रेस के उच्चपद पर नई शुरुआत करना चाहते हैं। इससे यह भी साबित होगा कि गांधी परिवार के अलावा अन्य लोग भी औपचारिक प्रतिस्पर्धा से पार्टी अध्यक्ष बनने की इच्छा रखते है। कम से कम थरूर के आने से यह राग अलापना तो बंद होगा कि राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष बनना चाहिए या सोनिया गांधी को औपचारिक रुप से अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होना चाहिए।

भविष्य के लिए यह उम्मीद की जा सकती है कि खड़गे जो एक जुझारु राजनेता हैं पार्टी की कार्यशैली में नई सोच ला पाएंगे। उभरते राजनैतिक हालात से निपटने के लिए कुछ नई रणनीतियों को मौका दिया जाना चाहिए।

अभी सबसे ज्यादा जरुरत है राज्य दर राज्य हार के चलन को रोका जाए और जिस तरह से राष्ट्रीय राजनीति में पार्टी हाशिए पर जा रही है, उसे भी रोका जाए। क्षेत्रीय स्तर पर नेताओं को कुछ अधिकार देने और पार्टी कार्यकर्ताओं को अधिकार देने से पार्टी को नया जीवन दिया जा सकता है। पार्टी में बैठे निहित स्वार्थी तत्वों और पुराने दिग्गजों से छुटकारा पाया जाए। पुराने नेताओं के जो मजबूत गढ़ है वे ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसका नवीनतम और सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हर कीमत पर सत्ता से चिपके रहने की प्रवृति के चलते उन्होंने बगावत करवाकर राजस्थान में स्थापित कांग्रेस सरकार तक को अस्थिर कर दिया।

इस पूरी प्रक्रिया में अगर किसी की हार हुई है तो वे है राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, उम्मीद है उन्हें जल्दी ही निकाल दिया जाएगा।

सितम्बर में 4 हजार से ज्यादा नए करोना संक्रमित मिले प्रदेश में

इससे पहले अगस्त के महीने में इनकी संख्या साढ़े 14 हजार से ज्यादा रही थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 30 सितम्बर। प्रदेश में सितम्बर के महीने में चार हजार से ज्यादा नए करोना संक्रमित सामने आए हैं।

वहीं इस बीच 14 लोगों की इस बीमारी से मौत भी हुई है। हालांकि शुक्रवार को 66 नए मरीज मिले हैं, जबकि 83 रोगी रिकवर हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर साढ़े चार सौ से भी कम हो गए हैं।

प्रदेश में सितम्बर के महीने में 4269 नए संक्रमित सामने आए हैं। इससे पहले अगस्त में इनकी संख्या 14 हजार 605 रही थी। सितम्बर में इस बीमारी से जहां केवल 14 ही रोगियों की मौत हुई है, वहीं, अगस्त में 47 लोगों की जान गई थी।

करोना संक्रमण में अगस्त के मुकाबले में सितम्बर में काफी कमी आई है।

- **राज्य में शुक्रवार को 66 नए संक्रमित सामने आए हैं।**
- **जयपुर में 13 और अजमेर में 12 नए मरीज पाए गए हैं।**

इधर राज्य में शुक्रवार को 16 जिलों में 66 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को 52 रोगी मिले थे। राजधानी जयपुर में आज सबसे ज्यादा 13 नए संक्रमित सामने आए हैं। इसके अलावा अजमेर में 12, अलवर में 10, कोटा में 9, जोधपुर में 4, सीकर में 3, बारां, बूंदी, दौसा, राजसमंद व उदयपुर में 2-2 तथा प्रतापगढ़, सिरोही, चितौड़गढ़, डूंगरपुर और जालोर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। प्रदेश में इस बीच 10 हजार 674 जांचे हुई है।

प्रदेश में शुक्रवार को भी नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 83 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 445 रह गए हैं। इनमें 93 मरीजों का इलाज जयपुर में चल रहा है। राज्य में शुक्रवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9641 लोगों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में शनिवार को 10 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 4 मरीज अजमेर रोड इलाके में पाए गए हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 2 तथा अजमेर, सी-स्कीम, कालवाड़, मानसरोवर, निर्माण नगर, राजापार्क और सांगानेर में 1-1 नया रोगी मिला है। इस बीच जिले में 15 मरीज ठीक भी हुए हैं।

कांग्रेस की दुविधा, शहर उन्मुख पार्टी बने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिग्विजय सिंह और पृथ्वीराज चव्हाण पूर्व रक्षामंत्री ए.के.एन्टनी, पार्टी प्रवक्ता ए.एम.सिंघवी तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री अजय माकन।

थरूर ने भी अपरान्ह 3 बजे की समय सीमा से पहले ही, आज अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। झारखंड के पूर्व मंत्री के एन.त्रिपाठी जो इस चुनाव के तीसरे प्रत्याशी हैं, ने भी अपना पर्चा भर दिया है। दिग्विजय सिंह, जिन्होंने कल नामांकन पत्र लिया था, आज सुबह खड़गे से हुई मीटिंग के बाद, चुनाव परिदृश्य से हट गये।

सूत्रों ने कहा कि देर रात गये हुई मीटिंग के बाद, कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल ने खड़गे को संदेश दिया कि नेतृत्व चाहता है कि वे चुनाव लड़ें, जबकि गांधी परिवार ने इस चुनाव में तटस्थ रहने की बात कही है।

सूत्रों ने कहा कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिन्दर सिंह हूडा, जो उन असन्तुष्ट नेताओं ''जी-23'' ग्रुप के प्रमुख सदस्य हैं, जिन्होंने 2020 में सोनिया गांधी को धमाकेदार पत्र लिख कर संगठन में बदलाव की माँग की थी, ने पार्टी अध्यक्ष पद के लिये खड़गे का समर्थन किया हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, उनके प्रतिनिष्ठावान विधायकों के राजस्थान-विद्रोह के कल सोनिया गांधी से क्षमा-याचना करने के बाद, ने अध्यक्ष पद की दौड़ से स्वयं को अलग कर लिया था।

इस शीर्ष पद के लिये गहलोत उस समय तक गांधी परिवार की पसन्द थे, जब तक उनके प्रति निष्ठावान विधायकों द्वारा किये गये विद्रोह उनके प्रति यह असर खत्म कर दिया। गहलोत के प्रतिनिष्ठा रखने वाले विधायकों ने कहा था कि सचिन पायलट को स्वीकार नहीं करेंगे, जिन्होंने गहलोत के स्थान पर मुख्यमंत्री बनने के लिय, 2020 में उनके खिलाफ विद्रोह किया था।

कांग्रेस का कहना है कि सोनिया गांधी जल्दी ही यह निर्णय लेंगी कि गहलोत राजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे या नहीं।

थरूर ने अध्यक्ष पद के लिए आज अपना नामांकन भरने के तुरंत बाद कहा कि कांग्रेस के भीतर ही उथल-पुथल का समाधान सत्ता का विकेन्द्रीकरण है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कांग्रेस प्रमुख के मद्देनजर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि ''मैं पार्टी हाई कमान की संस्कृति में बदलाव करूंगा।''

मुद्दों को लगातार दिल्ली रैफर करने की प्रथा को एक समस्या मानते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी में कोई व्यक्ति एक वाक्य का यह प्रस्ताव पारित नहीं कर सकता कि अंतिम निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष लेंगी।

पार्टी में आंतरिक चुनाव और स्थायी नेतृत्व की मांग को लेकर सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले असंतुष्ट गुट ''जी-23'' में थरूर ऐसे पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने पार्टी के शीर्ष पद के लिए भाग्य आजमाने की कोशिश की है।

मल्लिकार्जुन खड़गे को गांधी परिवार का आधिकारिक एवं परिवार की सत्ता कामय रखने वाला प्रत्याशी बताते हुए थरूर ने कहा कि वे पार्टी में नया दृष्टिकोण लाएंगे। उन्होंने कहा कि ''मुझे इसे लेकर कोई आश्चर्य नहीं है कि पार्टी उन लोगों के पीछे लामबंद हो रही है जो यथा-स्थिति बनाए रखने का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि आप पार्टी में प्रगति और बदलाव चाहते हैं तो आपको मुझे वोट देना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि उनकी योजना जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने की है।

शशि थरूर ने स्पष्ट किया कि मल्लिकार्जुन खड़गे से उनका कोई दुर्भाव नहीं है। उन्हें कांग्रेस का ''भीष्म पितामह'' बताते हुए उन्होंने कहा कि ''हम प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं। हम साथी हैं।''

उन्होंने कहा कि ''पार्टी किसी सर्वानुमत प्रत्याशी की तलाश में नहीं है। मैंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा है और उनके समक्ष विकेन्द्रीकरण का विचार रखा है।''

शथि थरूर ने कहा कि ''वह गांधी परिवार के तीनों सदस्यों से मिल चुके हैं और उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया है कि अध्यक्ष पद चुनाव पार्टी को मजबूत करेगा।''

अपने दृष्टिकोण की रूपरेखा बताते हुए उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य पार्टी को पुनर्जीवित करना, नेतृत्व की पुनर्कल्पना, पार्टी की मूल विचारधारा का पुनः प्रतिपादन करना, भागीदारी बढ़ाना, युवाओं पर फोकस और सामाजिक कार्य के राजनीतिक मूल्यों की वापसी करना है।

पंकज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिक्त चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति नियुक्ति आदेश जारी करते हैं।

चौबीस घंटे मिले इस्तीफा देने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से नहीं ले रही है तथा सोच रही है कि उन्होंने गहलोत पर आखिर इतना विश्वास क्यों किया था।

गहलोत का आज्ञाकारी मीडिया अब इस प्रकार की खबरें गढ़ रहा है कि गहलोत पद पर बने रहेंगे, उन्होंने दिल्ली को साध लिया है, गहलोत और पायलट में समझौता हो गया है कि पायलट उनकी सरकार में शामिल हो जायेंगे तथा मन्त्री बन जायेंगे, पायलट पी.सी.सी. अध्यक्ष बना दिये जायेंगे। मन्त्रिमंडल का विस्तार होगा, आदि-आदि।

गहलोत इस पर अनाप-शनाप पैसा खर्च कर रहे हैं- उनका प्रयोजन बहुद्देशीय है। विधायकों को डराकर अपने पीछे खड़ा रखना, अपूर्ण कामों को निबटाना तथा इन प्रौजेक्टो से आने वाले शेष पैसे को उगाहना, नियुक्तियाँ करना, अपने पीछे आने वाले उत्तराधिकारी के लिये वित्तीय रूप से दिवालिया राज्य छोड़ जाना तथा अन्य विभिन्न प्रकार की समस्याएं एवं परेशानियाँ खड़ी कर जाना। गहलोत 24 घंटे के दिल्ली-प्रवास में

- **दिग्विजय सिंह ने अपना पर्चा वापस ले लिया, क्योंकि राहुल गांधी ने उनसे कहा था कि, अगर गहलोत पर्चा दाखिल करते हैं, तो वो भी उम्मीदवार बनें।**

बहुत सक्रिय रहे थे। दिल्ली से रवाना होने से ठीक पहले, अम्बिका सोनी ने उनसे जोधपुर हाउस में भेंट की थी। उन्होंने गहलोत से कहा बताते हैं कि वे (गहलोत) किसी प्रोजेक्ट के मामले में उनकी मदद करें जिसका सम्बन्ध 50 करोड़ रू के जमीन सौदे से है।

इसके बदले में, अम्बिका सोनी ने उनसे वादा किया है कि वे सोनिया से उन्हें समय दिलाने की व्यवस्था करेंगी, जिससे वे (गहलोत) अपने मुख्यमंत्री बने रहने तथा विधायकों को सँभालने की व्यवस्था के लिये सोनिया गांधी को तैयार कर सके। यह सर्वविदित है कि अम्बिका सोनी तथा पवन बंसल बिजनेस-पार्टनर हैं। पिछली रात, गहलोत चुपचाप पवन बसंल से मिलने गये थे। उसके बाद, वे अपने लवाजमे को मनमोहन सिंह के निवास के सामने छोड़कर, मुकुल वासनिक से मिलने गये थे। इसके बाद, भूपिन्दर सिंह हूडा, मनीष तिवारी, आनन्द शर्मा तथा पृथ्वीराज चव्हाण के बीच एक मीटिंग हुई थी, जिसके बाद, आनन्द शर्मा अशोक गहलोत से मिलने गये थे तथा उनसे कहा था कि वे जी-23 के उम्मीदवार के रूप में, पार्टी अध्यक्ष पद के लिये अपना पर्चा भर दें। लेकिन गहलोत ने यह कहते हुये इनकार कर दिया था कि वे उस दिन सुबह दिये गये अपने सार्वजनिक बयान से पीछे नहीं हट सकते। समझा जाता है कि दिग्विजय सिंह ने अपना पर्चा इसलिये नहीं भरा था किं उनसे राहुल ने यह कहा था कि अगर गहलोत अपना पर्चा भरे, तो वे दिल्ली जाकर अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दें। लेकिन चूँकि गहलोत ने पर्चा नहीं भरा, इसलिये सिंह ने भी स्वयं को चुनाव से हटा लिया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908